सुविचार

सफल और असफल लोग अपनी क्षमताओं में बहुत भिन्न नहीं होते हैं। वे अपनी क्षमता तक पहुँचने के लिए अपनी इच्छाओं में भिन्न होते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

खबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

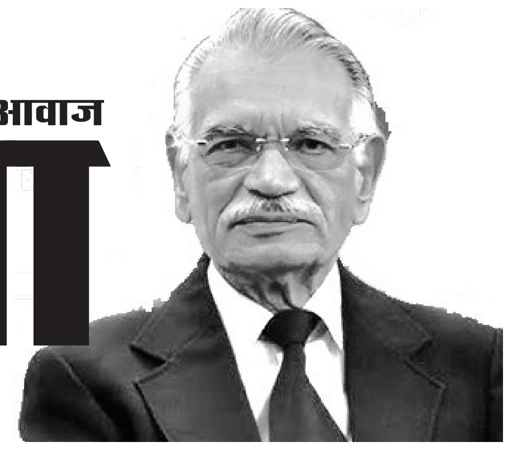

वर्ष 11 | पृष्ठ 12 | अंक 311 | रांची, शनिवार, 13 दिसंबर 2025 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

कफ सीरप मामले में ईडी की 25 ठिकानों पर छापेमारी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जानलेवा कफ सीरप की खरीद-बिक्री से जुड़े 1000 करोड़ रुपये के अवैध कारोबार की जांच के तहत झारखंड, उत्तर प्रदेश और गुजरात के 25 ठिकानों पर छापेमारी की है। रांची के तुपुदाना स्थित शैली ट्रेडर्स में भी सुबह से ही ईडी की कार्रवाई जारी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, लखनऊ, बनारस, जौनपुर, सहारनपुर, अहमदाबाद और रांची सहित कई शहरों में एक साथ छापेमारी की जा रही है। जांच के दायरे में कफ सीरप के अवैध व्यापार से जुड़े कारोबारी और चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु अग्रवाल भी शामिल हैं।

रांची के शैली ट्रेडर्स में भी कार्रवाई

झारखंड की राजधानी रांची के तुपुदाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित शैली ट्रेडर्स के संचालक भोला प्रसाद के प्रतिष्ठान और उनके फ्लैट में भी ईडी की टीम तलाशी ले रही है। भोला प्रसाद बनारस पुलिस में दर्ज एक प्राथमिकी में आरोपित हैं और अवैध कफ सीरप मामले के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के रिश्तेदार बताए जाते हैं।

जानकारी के अनुसार, शैली ट्रेडर्स का यह प्रतिष्ठान भोला प्रसाद ने भिलाई केमिकल के संचालक जगन्नाथ साहू से किराये पर लिया था। कुछ दिनों पहले बनारस पुलिस ने यहां छापेमारी की थी, लेकिन कफ सीरप की बरामदगी किसी अन्य स्थान से हुई थी। तुपुदाना ओपी में इस मामले में एक दिन पहले औषधि नियंत्रक शैल अंबष्ट के बयान पर भोला प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। वहीं, भोला प्रसाद ने भी ऑनलाइन शिकायत देकर औषधि विभाग के अधिकारियों पर 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है।

केंद्र सरकार की मंजूरी

जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये मंजूर

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं. उन्होंने कहा कि जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसके तहत अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच घरों की सूची तैयार की जाएगी और फरवरी 2027 में जनगणना की जाएगी. वर्ष 2027 में होने वाली जनगणना पहली डिजिटल जनगणना होगी. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनगणना 2027 में जाति आधारित गणना को भी शामिल किया जाएगा. सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, जो अपनी तरह की पहली डिजिटल जनगणना होगी.

पहली डिजिटल जनगणना- अश्विनी वैष्णव

कैबिनेट के फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जनगणना 2027 इस श्रृंखला की सोलहवीं और स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी. उन्होंने कहा 2027 की जनगणना पहली डिजिटल जनगणना होगी.

दो चरणों में होगी जनगणना- वैष्णव

जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी. इसके तहत अप्रैल से सितंबर 2026 तक मकानों की सूची बनाने और आवास जनगणना का काम होगा; और फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना की जाएगी. उन्होंने कहा कि लद्दाख और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से ढके दूर दराज के क्षेत्रों के लिए जनगणना कवायद सितंबर 2026 में होगी. वैष्णव ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एकत्र किए जाएंगे. वैष्णव ने कहा कि डेटा संग्रह के लिए मोबाइल ऐप और निगरानी उद्देश्यों के लिए केंद्रीय पोर्टल का उपयोग किया जाएगा.

झारखंड में मडुआ क्रांति शुरू

32,911 किसानों के खातों में पहुंची 15.63 करोड

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : झारखंड में मोटे अनाज को प्रोत्साहन के लिए झारखंड मिलेट मिशन का नया नाम झारखंड मडुआ क्रांति रखने की घोषणा कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रांची स्थित पशुपालन निदेशालय के सभागार में आयोजित लाभुक प्रोत्साहन राशि हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान की।

शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में मडुआ के प्रति बढ़ती रुचि और किसानों की स्वीकार्यता को देखते हुए यह बदलाव किसान हित में किया गया है।

कार्यक्रम में मंत्री ने राज्य के 32,911 किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 15 करोड 63 लाख 24 हजार 900 रुपये की प्रोत्साहन राशि ऑनलाइन हस्तांतरित की। विभागीय आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में 18 हजार किसानों को मोटे अनाज की खेती पर प्रोत्साहन राशि का लाभ मिला था।

शोक संवेदना

प्रधानमंत्री ने शिवराज पाटिल के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पाटिल ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में समाज और राष्ट्र सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शिवराज पाटिल का जाना राजनीति और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने पाटिल के साथ अपने वर्षों पुराने अनेक संवादों को याद किया और बताया कि कुछ महीने पहले पाटिल ने उनके आवास पर मुलाकात भी की थी।

दुर्घटना

बस घाटी में गिरी, नौ यात्रियों की मौत, 10 की हालत गंभीर

आंध्र प्रदेश : आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिला में शुक्रवार सुबह मारेडुमिली घाट रोड पर बस हादसे में बड़ी जनहानि होने का अंदेशा है। घटनास्थल पर नौ लोगों की मृत्यु और अन्य दस के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया गया है कि हादसाग्रस्त चित्तूर जिले के विग्नेश्वरा ट्रैवल्स की बस (एपी 39 यूएम 6543) में 37 यात्री और दो चालक थे। यह बस भद्राचलम से अराकू जा रही थी।

आत्म-समर्पण

33 लाख के 10 इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा में पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज के समक्ष शुक्रवार को 33 लाख के इनामी 10 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इस अवसा पर डीआईजी सीआरपीएफ आनंद सिंह कलेक्टर देवेश ध्रुव, एसपी किरण चव्हाण, पुलिस अधीक्षक सुकमा, सर्व आदिवासी पदाधिकारी सहित समाज-प्रमुखों, पुलिस अधिकारियों और बड़ी संख्या में जवान उपस्थित थे।

झारखंड में 15 दिसंबर से शुरू होगी धान की खरीद

किसानों को मिलेंगे 2,450 रुपये प्रति क्विंटल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : झारखंड की हेमंत सरकार ने खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत राज्य में धान अधिप्राप्ति कार्य 15 दिसंबर 2025 (सोमवार) से शुरू करने की घोषणा की है। राज्यभर में धान खरीद के लिए 783 अधिप्राप्ति केंद्र बनाए गए हैं।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को बताया कि इस वर्ष किसानों को धान बिक्री पर बोनस सहित प्रति क्विंटल 2,450 रुपये एकमुश्त भुगतान किया जाएगा।

मंत्री इरफान अंसारी ने राज्य के सभी मंत्रियों, सांसदों और विधायकों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के चयनित धान अधिप्राप्ति केंद्रों (लैम्पस, पैक्स) आदि पर पहुंचकर धान अधिप्राप्ति कार्य का शुभारंभ करें।

डॉ. अंसारी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का यह दायित्व है कि वे किसानों का मनोबल बढ़ाएं। सरकार किसानों के प्रति गंभीर है, क्योंकि किसान समाज की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से किसानों को भरोसा मिलेगा कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

बीस वर्षों से फरार नक्सली गिरफ्तार

गिरिडीह : अर्धसैनिक बलो के सहयोग से बिहार एसटीएफ ने गिरिडीह की कैदी वाहन घटना में शामिल इनामी भाकपा माओवादी मोतीलाल किस्कू को संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया है। करीब 20 वर्षों से फरार इनामी नक्सली मोती लाल किस्कू को गिरिडीह के देवरी थाना इलाके से पकड़ा गया है। मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना पर फरार नक्सली मोती लाल को देवरी के गांव से गुरुवार रात में उस वक्त दबोचा गया जब वह अपने गांव में आराम फरमा रहा था। इसी दौरान जॉइंट ऑपरेशन में चकाई पुलिस और जवानों ने मोती लाल को दबोचा। जानकारी के अनुसार मोती लाल जमुई जिले के चकाई के चिहरा थाना इलाके के हरनी गांव का रहने वाला था, और पिछले 20 वर्षों से नक्सली संगठन में सक्रिय था । मोती लाल चकाई के जीवलाल पासवान हत्याकांड में शामिल था,

राहुल गांधी ने संसद में प्रदूषण के मुद्दे पर व्यापक चर्चा की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में शुक्रवार को देश के बड़े शहरों में प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से इस पर संसद में व्यापक चर्चा कराकर अगले 5 से 10 साल में चरणबद्ध तरीके प्रदूषण से निपटने के लिए विस्तृत खाका पेश करने की मांग की।

राहुल गांधी ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि हमारे देश के अधिकांश बड़े शहरों के लोग अब जहरीली हवा की मोटी चादर में जी रहे हैं। इससे करोड़ों बच्चों के फेफड़े खराब हो रहे हैं, उनका भविष्य खतरे में है। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं, बुजुर्गों को सांस लेने में समस्या हो रही है। यह एक गंभीर मुद्दा है। इस पर सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की सहमति है। यह कोई वैचारिक लड़ाई नहीं है, बल्कि यह मुद्दा हमारे लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा है।

यह कोई वैचारिक लड़ाई नहीं है, बल्कि यह मुद्दा हमारे लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि इस सदन में मौजूद हर व्यक्ति इस बात से सहमत है कि यह हमारे लोगों के लिए बहुत खतरनाक है। हम इससे समझौता कर रहे हैं। यह बहुत जरूरी है कि सरकार हमारे शहरों में प्रदूषण को खत्म करने के लिए योजना बनाए। हम ऐसी योजना बनाने में सरकार की मदद करने के लिए एकमत हैं। राहुल गांधी ने कहा कि सदन में इस विषय पर चर्चा के बाद प्रधानमंत्री को हर शहर के लिए एक योजना पेश करनी चाहिए, जिसमें अगले 5 से 10 सालों में चरणबद्ध तरीके से प्रदूषण से निपटने के लिए कार्य किया जाएगा। यह देश के लोगों के लिए बहुत जरूरी है।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान एक भी योग्य मतदाता नहीं छूटे : के. रवि

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि अन्य राज्यों के वे मतदाता जिनका नाम पिछले गहन पुनरीक्षण में झारखंड की मतदाता सूची में शामिल नहीं था, वे अपना नाम संबंधित राज्य की सूची से ढूंढकर अपने बीएलओ (ब्लॉक लेवल अधिकारी) से संपर्क कर सकते हैं। सहायता के लिए मतदाता 1950 पर कॉल भी कर सकते हैं।

रांची स्थित निर्वाचन सदन से शुक्रवार को राज्य के सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पिछले गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर सर्चेबल फॉर्मेट में उपलब्ध है। वर्तमान सूची बनाने के लिए बीएलओ ऐप में पिछली सूची की मैपिंग की जा रही है। अन्य राज्यों से आए मतदाताओं की जानकारी मैनुअल रजिस्टर में दर्ज की जा रही है, ताकि गहन पुनरीक्षण के दौरान कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए।

बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पैरेंटल मैपिंग और ए.एस.डी सूची बनाते समय सभी नियमों का पूर्ण पालन करें। हर स्तर पर निरीक्षण की प्रक्रिया लागू है और इसका पालन करना आवश्यक है। गहन पुनरीक्षण के दौरान एक भी योग्य मतदाता छूटे नहीं इस बात को ध्यान में रखकर कार्य करना है।

कुमार ने पीपीटी के माध्यम से अधिकारियों को पिछले एसआईआर से वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग और निरीक्षण के प्रमुख बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, प्रियंका सिंह, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार और सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, एचडीएम, कंप्यूटर ऑपरेटर ऑनलाइन उपस्थित थे।

दु:खद पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल नहीं रहे

एजेंसी

लातूर : पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल का आज सुबह लातूर में उनके आवास पर निधन हो गया। 90 वर्षीय पाटिल ने अपने घर पर आखिरी सांस ली। वह कुछ समय से अवस्थ थे। उनके परिवार के एक सदस्य ने यह जानकारी दी।

उनका जन्म 12 अक्टूबर, 1935 को महाराष्ट्र के लातूर जिले के चाकुर गांव में हुआ था। भारतीय राजनीति में एक हस्ती के रूप में उन्हें संसद, केंद्र सरकार और राज्य विधानसभाओं में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों वाले अपने लंबे और प्रतिष्ठित करियर के लिए याद किया जाता है।

पाटिल ने लोकसभा के 10वें अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और सार्वजनिक जीवन में चार दशकों से अधिक समय तक कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे।

पाटिल ने 1980 में राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया। वह इस साल पहली बार सातवीं लोकसभा के लिए चुने गए और 2004 तक लगातार सात कार्यकाल तक सदस्य बने रहे। 1980-1990 की अवधि के दौरान उन्होंने संसद सदस्यों के वेतन और भत्तों पर संयुक्त समिति में कार्य किया। बाद में इसके अध्यक्ष बने। संसद में उनका कार्यकाल विभिन्न मंत्रालयों में व्यापक कार्य के लिए जाना जाता है। उन्होंने रक्षा, वाणिज्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतरिक्ष और महासागर विकास, जैव-प्रौद्योगिकी, कार्मिक और प्रशिक्षण, सार्वजनिक शिकायतें और पेंशन, प्रशासनिक सुधार, रक्षा उत्पादन, नागरिक उड्डयन और पर्यटन सहित कई विभागों में राज्यमंत्री के रूप में कार्य किया। वह 2004 से 2008 देश के गृहमंत्री रहे। 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद उन्होंने

शिवराज पाटिल के निधन पर राष्ट्रपति मुर्मू, अमित शाह व अन्य ने जताया शोक

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीयमंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित तमाम नेताओं शोक व्यक्त किया। इन नेताओं ने एक्स पर पाटिल के लंबी अवधि के सार्वजनिक जीवन को, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल और सांसद के रूप में उनके योगदान को याद किया और उनके परिवार, शुभचिंतकों एवं अनुयायियों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि पाटिल एक प्रमुख सार्वजनिक हस्ती थे, जिन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीयमंत्री, राज्यपाल और सांसद जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने उनके परिवार, शुभचिंतकों और अनुयायियों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल चाकूरकर के निधन से दुखी हूं। दशकों तक सार्वजनिक कार्यों में उनका गहरा अनुभव और समर्पण था। उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक संवेदना है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पाटिल के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। लोकसभा अध्यक्ष पद सहित विभिन्न केंद्रीय मंत्री पदों पर रहते हुए उन्होंने प्रशासनिक कौशल और समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

सीआइआइ झारखंड का ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांचीः श्रम एवं कौशल विकास विभाग के सचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि एंटरप्रेन्योर देश और राज्य के जीडीपी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस बढ़ते जीडीपी में आदिवासी उद्यमियों का रोल भी बहुत अहम है। झारखंड में हजारों आदिवासी उद्यमी के रूप में काम कर रहे है। मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में कई संभावनाएं है, आदिवासी उद्यमी इन संभावनाओं का लाभ जरूर उठाएं। आदिवासी आबादी का 26 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न व्यापारिक पहलों में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि श्रम एवं कौशल विभाग 1.50 लाख से अधिक आदिवासियों को स्किल्ड कर चुका है। इसमें 24 प्रतिशत से अधिक लोगों का प्लसमेंट हो चुका है। इसमें और वृद्धि करने करने पर जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार और विभाग आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास कर रही है। इसके लिए उद्योग जगत की मांग को देखते हुए श्रम एवं कौशल विभाग ने कई नये कोर्स तैयार किये हैं। आने वाले समय में उद्योग जगत में बड़े बदलाव आने वाले हैं। इसके लिए स्वयं को तैयार करें। जितेंद्र कुमार शुक्रवार को स्थानीय होटल में सीआइआइ झारखंड की ओर से आयोजित ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस समिट का थीम 'रूटेड इन हेरिटेज, राइजिंग इन एंटरप्राइज' था। जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने कहा कि जियाडा ने अपने लैंड बैंक का 10 प्रतिशत आवंटन वर्तमान में लैंड लूजर कम्युनिटी के लिए रखा है। हम सब मिलकर इस तरीके से अपने इकोसिस्टम को तैयार कर रहे हैं, जिसमें बिना भेदभाव के सबको एक सुरक्षित बाजार मिले। इसके अलावा जमशेदपुर के कुछ एरिया होम स्टे के माध्यम से ट्राइबल कम्युनिटी छोटे-छोटे पर्यटन उद्योग की तरफ बढ़ रही है। मैं उम्मीद करूंगा कि यह पूरे राज्य में इसका प्रसार हो और लोगों में यह जागरूकता आए और होम स्टे के माध्यम से हम एक आर्थिक प्रगति का रास्ता खोज सकें। झारखंड माइंस टूरिज्म की शुरूआत की गयी है। पर्यटन विभाग ने इसके लिए अलग से एक पैकेज डिसाइड किया है। जब हम माइंस के लिए पर्यटकों को ले जाते हैं, तो उनके लिए खाने, ठहरने समेत अन्य सपोर्ट की जरूरत पड़ेगी। इस अवसर का लाभ उठाया जा सकता है। ट्राइबल इंडियन चैंबर के राष्ट्रीय महासचिव बंसत तिर्की ने राज्य सरकार ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप बोर्ड का गठन करें, जिससे छोटे छोटे एंटरप्रेन्योर को सहयोग एवं सुरक्षा मिल सके। ट्राइबल समुदाय के लिए सरकार कई पॉलिसी बनाई है। जानकारी एवं जागरूकता के बिना ट्राइबल एंटरप्रेन्योर इसका लाभ नही उठा पा रहे हैं। सीआइआइ झारखंड के पूर्व चेयरमैन तापस साहू ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि झारखंड, अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति और विरासत के साथ, आदिवासी उद्यमिता के लिए अपार अवसर प्रदान करता है। आदिवासी उद्यमियों में अपार क्षमता है, लेकिन सरकारी योजनाओं और नीतियों से संबंधित उचित मार्गदर्शन, वित्तीय साक्षरता और बाजार तक पहुंच की कमी के कारण उन्हें अक्सर व्यापार करने में कठिनाई जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। धन्यवाद ज्ञापन सीआइआइ के सदस्य असीम कंडुलना ने दिया। तकनीकी सत्र में अलग अलग विषयों पर टाटा स्टील फाउंडेशन के यशवंत सौरव, नाबार्ड के डीजीएम सुमन सौरव साहू, एक्सएलआरआइ के डॉ सौरव, अनिशेष मिश्रा, पंकज कुमार, उषा मार्टिन के सीएसआर हेड मयंक मुरारी, जयश्री चौधरी, एलेन जोसफ, तौफिक इकबाल, आइआइएम के प्रोफेसर गौरव मराठे, पूनम मधु तुंबा, रविकांत तिर्की, एन मराडी, मोनित बट कुमार, रवि राज मुर्मू और कपिल टोप्पो ने अपने विचार रखे। समिट में 210 से अधिक जनजातीय उद्यमियों, सामुदायिक नेताओं, नीति निमार्ताओं, वित्तीय संस्थानों और उद्योग प्रतिनिधियों को एक साथ लाया। शिखर सम्मेलन में 10 जनजातीय उद्यमियों द्वारा एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने अपने उत्पादों, नवाचारों और उद्यम क्षमता को व्यापक दर्शकों के सामने प्रदर्शित किया।

लालपुर में अनुराधा मेकओवर सैलून का भव्य उद्घाटन

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांचीः आज लालपुर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ब्यूटी सैलून का भव्य उद्घाटन प्रोपराइटर अनुराधा और डेंटिस्ट सह आजसू नेता डॉ पार्थ पारितोष ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। डॉ पार्थ ने कहा मेट्रो सिटी की तर्ज पर अब झारखंड की महिलाओं में सजने संवरने का प्रचलन बढ़ रहा है आज एक नई अनुराधा मेकओवर सैलून का भव्य उद्घाटन हुआ है मैं संचालिका को सफल संचालन करने के लिए ढेरों शुभकामनाएं देता हूं। वहीं ब्यूटी पार्लर सैलून की संचालिका अनुराधा ने कहा कि उनका मकसद ब्यूटी पार्लर के जरिए महिलाओं को अधिक से अधिक रोजगार देना है, ताकि महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो सके, और साथ ही महिलाओं को अफोर्डेबल बजट में सजने संवरने का बेहतरीन प्लेटफार्म दी जा रही है। वेडिंग सीजन और सैलून की लॉन्चिंग अवसर पर डिस्काउंट दी जाएगी। सैलून में महिलाओं के लिए पार्टी मेकअप, इंगेजमेंट मेकअप, ब्राइडल मेकअप, रिसेप्शन मेकअप, एयरब्रश, मेकअप, एचडी मेकअप की सुविधा उपलब्ध रहेगी. इसके अलावा हेयरकट, हेयर स्पा, हेयर हाई लाइट्स की भी सुविधा मिलेगी. सैलून में प्रशिक्षित कारीगरों को रखा गया है.ताकि ग्राहकों को बेहतर से बेहतर सुविधा दिया जा सके।

पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची में डॉक्टरों ने हाई-रिस्क हार्ट पेशेंट की जान बचाई

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. कुंवर अभिषेक आर्य और उनकी टीम ने 54 वर्षीय डायबिटिक और हार्ट मरीज की जान बचाई। मरीज को इमरजेंसी में गंभीर सांस फूलने, तेज छाती दर्द और बहुत कम ब्लड प्रेशर की स्थिति में हॉस्पिटल में लाया गया। हालत बिगड़ने के कारण मरीज को तुरंत वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया और आयनोट्रोपिक दवाओं तथा अन्य लाइफ-सपोर्ट उपायों के साथ सीसीयू में शिफ्ट किया गया। हिस्ट्री में पता चला कि दो महीने पहले मरीज के तीनों कोरोनरी आर्टरी में स्टेंट लगाए गए थे। लेकिन हाल के एंजियोग्राफी में यह सामने आया कि उन स्टेंटों में से दो 99 प्रतिशत तक बंद हो चुके थे, तीसरा स्टेंट 40झ50 प्रतिशत अवरुद्ध था और हार्ट की मुख्य धमनी लेफ्ट मैन आर्टरी में 60-70 प्रतिशत ब्लॉकेज पाया गया। मरीज हार्ट फेलियर और कार्डियोजेनिक शॉक की अवस्था में था और उसका हार्ट केवल 20झ25 प्रतिशत ईएफ पर काम कर रहा था, जिससे स्थिति अत्यधिक जोखिमपूर्ण बन गई। जीवन बचाने के लिए तत्काल इंटरवेंशन ही एकमात्र विकल्प था। डॉ. कुंवर अभिषेक आर्य ने हाई फ्लो ऑक्सीजन और आयनोट्रोप सपोर्ट के बीच मरीज को ऑपरेशन थिएटर में ले जाकर आई.वी.यू.एस गाइडेड लेफ्ट मैन बाईफर्केशन स्टेंटिंग किया, जो कार्डियोलॉजी की सबसे जटिल और हाई-रिस्क प्रक्रियाओं में से एक मानी जाती है। प्रक्रिया पूरी तरह सफल रही और मरीज की तबीयत तेजी से सुधरने लगी। मात्र दो दिनों में उसे डिस्चार्ज कर दिया गया।

आचार्यकुलम राँची में दो दिवसीय संगीत रत्न प्रतियोगिता का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददातां

आचार्यकुलम राँची में अंतर सदन संगीत रत्न गायन तथा वादन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में विद्यालय के चारों सदन अपस , तेजस ,वायु तथा पृथ्वी ने अपनी-अपनी समूह तथा एकल प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ॐ ध्वनि, गायत्री मंत्र , महामृत्युंजय मंत्र और गुरु शिष्य मंत्र के उच्चारण के साथ अतिथियों का तिलक कर एवं बैज लगाकर किया गया। इसके पश्चात सभी प्रतियोगियों ने नियमों और मानकों का पालन करते हुए अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ दीं। उनके गीतों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली । कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में डॉ मनीष कुमार एवं श्रीमती दीप्ति कुमारी ने (सहायक प्राध्यापक राँची विश्वविद्यालय) संगीत की आत्मिक शक्ति पर प्रेरक विचार साझा किया और अपनी संगीतमय प्रस्तुतियों से वातावरण को आनंदित कर दिया। पूज्य स्वामी जी एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री सुभाष कुमार ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए अपने आशीष वचन देकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की सफलता में सांस्कृतिक विभाग के अमित कुमार ठाकुर एवं शशांक पाठक का योगदान सराहनीय रहा । प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर शांति पाठ के द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया.

Jharkhand T10 Blast Cricket Tournament का Quater Final का मैच Mecon stadium में खेला गया

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांचीः झारखंड के पहले लेदर बॉल आधारित Jharkhand T10 Blast Cricket Tournament का Quater Final का मैच आज मेकॉन स्टेडियम, रांची में खेला गया. Quater Final का मैच बहुत ही रोमांचकारी और मनोरंजन से भरपूर रहा।

Quater Final' के मैच परिणाम

- Bokaro XI ने JK CA को हराया जिसमें Man of the Match रजनीश बने
- Sonet CA ने Marine XI को हराया जिसमें Man of the Match शिखर मोहन बने
- Rao Cricket Academy ने Kreedashal को हराया जिसमें Man of the Match आदित्य सिंह बने
- Bokaro XI ने UCC को हराया जिसमें Man of the Match ऋषिकेश तिवारी बने
- VA Sports के तरफ से सभी विजेता टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनायें।

'भारतीय भाषा परिवार' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन

रांचीः एन.एन. घोष टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, रांची एवं भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में आज 'भारतीय भाषा परिवार' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन में रांची विश्वविद्यालय, रांची; सोना देवी विश्वविद्यालय, जमशेदपुर; साईं नाथ विश्वविद्यालय, रांची; संस्कृत अध्ययन केंद्र के विद्वानों सहित अनेक भाषा वैज्ञानिक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय के बंगला विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एन. के. बैरा तथा भूगोल विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. आर. एन. तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति ने सम्मेलन की शोभा को और बढ़ाया। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ संस्थान के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) विजय कुमार सिंह एवं मुख्य अतिथि रामकृष्ण परमहंस मिशन के सचिव स्वामी भावेशानंद द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। स्वामी भावेशानंद ने भारतीय भाषाओं की सांस्कृतिक विरासत और शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। महानिदेशक प्रो. (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने बताया कि संस्थान में पूर्व से संचालित संस्कृत अध्ययन केंद्र और सेंटर फॉर इंडिक स्टडीज के साथ भविष्य में 'ट्रांसलेटर सेंटर' की भी स्थापना की जाएगी, जिससे भारतीय भाषाओं के अनुवाद-अध्ययन को नई दिशा मिलेगी। सम्मेलन में डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी), प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. वासुदेव प्रसाद (राजकमल सरस्वती विद्यामंदिर, धनबाद), गवर्नमेंट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, कांके, रांची के डॉ. ओम प्रकाश, एवं संस्थान के सचिव डॉ. एन.एन. पाण्डेय ने अपने विचार एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सम्मेलन में दो तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ, जिसमें भारतीय भाषाओं की विविधता, भाषाई परंपराओं, आधुनिक भाषाई चुनौतियों तथा इंडिक नॉलेज सिस्टम पर विस्तृत विमर्श किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. विकास वर्धन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्थान की ओर से प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

श्री श्री विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांचीः प्रौद्योगिकी स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती है। यह विकास में सहायता करती है, लेकिन कई बार यह हानिकारक भी सिद्ध होती है।ह्व ओड़िशा के कटकस्थित श्री श्री विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा आयोजित ह्लमैनेजिंग ग्रोथ विद रिस्पॉन्सिबिलिटीः इएसजि, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशनह्व शीर्षक दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में शुक्रवार को मुख्य अतिथि एवं एक्सेंचर कंपनी के प्रबंध निदेशक साकेत कक्कड़ ने यह बात कही। इस अवसर पर मुख्य रूप से इएसजि के 4 स्तंभ–पर्यावरण (Environmtal), सामाजिक (Social), शासन (Governance) और रिपोर्टिंग/एकीकृतकरण (Reporting/Integration) पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) तेजप्रताप ने भाग लेते हुए कहा कि स्वदेशी ज्ञानझकौशल अनुसंधान के क्षेत्र में FMS अन्य संस्थानों से आगे है। असम केंद्रीय विश्वविद्यालय से आईं डॉ. जोयिता देव ने अपने उद्बोधन में कहा, 'सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्ङ्ग यही विकास और प्रगति का मुख्य उद्देश्य है।' इसके साथ ही उन्होंने जिम्मेदारी, इएसजि, प्रौद्योगिकी और नवाचार के महत्व पर बल दिया। अतिथि तथा अदानी पोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स के सिपिओ चिराग शाह ने कहा कि जिम्मेदारी के बिना विकास वास्तविक विकास नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि टैलेंट, प्रॉफिट और प्लानेट को महत्व देने वाली संस्थाएँ ही भविष्य में टिक पाएँगी। इस अवसर पर 'बुक ऑफ एब्स्ट्रैक्ट्स' का विमोचन भी किया गया। विभागीय डीन प्रो. (डॉ.) बिप्लव बिश्वाल ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए पुराणों में वर्णित 'सुर-नर-असुर' प्रसंग का उल्लेख किया और कहा, 'सुर' अर्थात देवता संरक्षण करने वाले होते हैं, जबकि 'असुर' या दानव विनाशक होते हैं। ठीक उसी तरह, हम पृथ्वी को क्या दे सकते हैं, यह हमारे व्यवहार पर निर्भर करता है, क्योंकि इस धरती पर मनुष्य की आवश्यकता के लिए सब कुछ है, लेकिन लोभ के लिए कुछ भी नहीं।ह्व इसके बाद ह्यउद्योगों में इएसजि के उपयोग और भविष्य निर्माणह्व विषय पर उपस्थित विशेषज्ञों के साथ कलाहांडी विश्वविद्यालय की डॉ. मधुलिका साहू ने भी विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर दिया। इसके बाद दो तकनीकी सत्र (इएसजि जनरल और इएसजि फाइनेंस) आयोजित हुए, जिनमें डॉ. साहू, पुरी एस.सि.एस. कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. भवानी शंकर राउत, श्री श्री विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. जेस्मिन भुईयाँ, डॉ. विनिता नंद, डॉ. सरिता मिश्रा, तथा डॉ. गिरिधारी महांत ने उप-अध्यक्षता की। अर्पिता साहाणी, प्रमिला शतपथी, डॉ. अभिश्वेता नंदी, अभिप्सा दास, सारका नकुल, डॉ. संजू शर्मा, गुणधर माझी, जगमोहन डेलमिया, गायत्री महापात्र, सूर्यकांत साहू, डॉ. प्रसन्न कुमार राउत, प्रतीक्षा राय, विक्रमादित्य मल्लदेव और अन्वेषा पाढ़ी ने अपनेझअपने शोधझपत्र प्रस्तुत किए। पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. भरत दास ने किया।

एक नजर

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान शुरू

रांचीःग्रामीण इलाकों में वित्तीय सशक्तिकरण को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 100 से अधिक गाँवों में जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई है, जिसमें नागरिकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा बिना दावा किए गए जमा, पेंशन, बीमा राशि और म्यूचुअल फंड जैसी वित्तीय संपत्तियों की पहचान व दावा करने की जानकारी दी जाएगी। इस पहल को आगे बढ़ाने की ज़िम्मेदारी एसयूडी लाइफ ने ली है, जो सेमिनार, नुक्कड़ नाटक और विशेष अवेयरनेस वैन के माध्यम से संदेश समुदाय तक पहुँचा रही है। अधिकारियों ने अभियान को जन-हितैषी बताते हुए सराहा, वहीं कंपनी के एमडी और सीईओ अभय तिवारी ने कहा कि संस्था ग्रामीण परिवारों में जीवन बीमा और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए निरंतर काम कर रही है।

Bingo! Potato Chips ने एक दमदार नए कैंपेन में खुद को किया 'रोस्ट'

राँचीः कितने ब्रांड्स हैं जो आईने में देखकर अपनी नाकामियों पर हंस सकते हैं... और फिर चैंपियंस की तरह उभर सकते हैं? Bingo! Potato Chips ने ये कमाल कर दिखाया है. ब्रांड अपने अब तक के सबसे बेबाक चैप्टर में कदम रख रहा है, जिसकी शुरूआत होती है एक 'सेल्फ-रोस्ट' से, जिसे बेहद अनोखे कैंपेन के रूप में तैयार किया गया है. कई सालों से Bingo! स्नैक्स प्रेमियों की पसंद बना हुआ है. अपनी इनोवेटिव सोच और हटके ह्यूमर के लिए मशहूर, Bingo! ने स्नैकिंग की दुनिया में Bingo! Tedhe Medhe और Bingo! Mad Angles जैसे आइकॉनिक ब्रांड्स के साथ हमेशा ट्रेंड सेट किया है. लेकिन जब बात Bingo! Potato Chips की आती है, खासकर उत्तर और पश्चिम भारत में... तो कहना गलत नहीं होगा कि अब तक यह रहा है एक "Big No". मगर ब्रांड ने इससे कतराने के बजाय, पूरे आत्मविश्वास से इसे स्वीकार किया है. अपने नये कैम्पैन में Bingo! खुले दिल से और थोड़ी मस्ती के साथ, अपनी नाकामयाबी मान रहा है. और लोगों को आमंत्रित कर रहा है कि वे इ्रल्लॅङ्ग! पोटैटो चिप्स के जबरदस्त बदलाव के गवाह बने. इस बार ब्रांड "Big No" को "Big Yes" में बदलने के लिए तैयार है.

दो नए फ्लेवर्स. एक जबरदस्त कमबैक

नये पैक डिजाइन्स एक रहस्यमयी और दिल दहलाने वाले लूक से प्रेरित है, जो आज कल सभी को पसंद आ रहा है. इन पैक्स में हैं हॉन्टिंगली कूल डिजाइन, रहस्यमय मोटिफ्स और ऐसे फ्लेवर्स जो शेल्फ से ही नजरें खींच लें. ये 6 पैक्स सिर्फ पैक नहीं हैं, ये हैं फ्लेवर्स के हथियार. पैक पर बनी प्रभावशाली छविया, दमदार नए टेस्ट और यूनिक वाइब #FOMO को बढ़ाने के लिए काफी हैं. समांतर और सामान्य दिखने वाली चीजों की इस दुनिया में, ये पैक्स लाते हैं ड्रामा, जो जिज्ञासा को लालच में बदल देता है. इस रोमांचक नए कैंपेन में Bingo! अपने खास मजेदार अंदाज में उपभोक्ताओं से कह रहा है, 'हाँ, हम एक समय पर Big No थे. लेकिन अब नहीं!' यह कैंपेन इस बात का संकेत है कि ब्रांड अब बिना किसी डर के खुद को नए रूप में ढालने और नई शुरूआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है.

एक मोटरसाईकिल पर सवार दो व्यक्ति पत्नी के कंधे पर लटकाये बैग को झपट कर भाग गये

निलय प्रकाश, पता जयप्रकाश नगर बूटी मोड़ थाना सदर जिला राँची अपनी पत्नी के साथ डी.ए.वी. बरियातु के पास स्थित बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा गये थे तथा अपने लॉकर में रखे जेवरात को निकालकर अपने चारपहिया वाहन से घर आ रहे थे, जब वे अपने घर के गेट पर पहुँचे तो उनकी पत्नी जेवर का बैग कंधे में रखे हुए अपने घर का गेट खोलने लगी ताकि उनके पति कार को घर के अन्दर ले जा सके, इसी दौरान एक मोटरसाईकिल पर सवार दो व्यक्ति अचानक से उनकी पत्नी के कंधे पर लटकाये बैग को झपट कर भाग गये, जिसके पश्चात निलय प्रकाश द्वारा इस घटना की सूचना सदर थाना को दिया गया जिसपर सदर थाना काण्ड सं0-596/25, दिनांक 08.12.2025 धारा 304(2)/74/76/126(2) /115(2)/117(2)/109(1)3 (5) इठर मोटर साईकिल सवार दो अज्ञात के विरूद्ध दर्ज किया गया। श्री राकेश रंजन, (भा.पु.से.). वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची द्वारा छिनतई की घटनाओं के संबंध में लगातार दिये जा रहे निर्देश के आलोक में छिनतई के काण्डों को त्वरित उदभेदन हेतु श्री पारस राणा, (भा.पु.से.) पुलिस अधीक्षक, नगर राँची के नियंत्रण में पुलिस उपाधीक्षक, सदर रॉची के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम द्वारा तकनीकी शाखा से लगातार संपर्क में रहकर तकनीकी अनुसंधान के क्रम में कोढ़ा गैंग की संलिप्तता की आसूचना प्राप्त हुई। जिसके पश्चात पु.नि. सह थाना प्रभारी, सदर थाना के नेतृत्व में एक टीम को आसूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कारवाई हेतु कटिहार भेजा गया। छामापारी दल के द्वारा स्थानीय थाना के सहयोग से त्वरित कारवाई करते हुए आसूचना के आलोक में ग्राम जुराबगंज, थाना कोढ़ा, जिला कटिहार (बिहार) स्थित रामकुमार यादव के घर पर दबिश देते हुए घर की तालाशी ली गयी। घर की तलाशी के दौरान घटना में छिनतई हुए सभी जेवरातों (सोना-425 ग्राम एवं चाँदी 450 ग्राम, जिसका मूल्य करीब 55-60 लाख रुपए) को बरामद किया गया है घटना में संलिप्त अभियुक्त रामकुमार यादव एवं अन्य की पहचान की गयी है, गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है।

केलाघाघ से चिमटीघाट गांव तक की गई पर्यटन रुट ट्रैकिंग

सिमडेगा :- पर्यटन को सशक्त बनाने और सैलानियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से सिमडेगा जिला प्रशासन द्वारा केलाघाघ पर्यटन क्षेत्र में नए ट्रैकिंग रूट की खोज की गई। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम द्वारा आज एक विशेष ट्रैकिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस ट्रैकिंग रुट में सिमड़ेगा के केलाघाघ से बडाबरपानी पंचायत के चिमटीघाट गांव तक पहुंचने पर ग्रामीणों ने सभी पदाधिकारियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया तथा पुष्प गुच्छ भेंट की। इस ट्रैकिंग दल में पुलिस अधीक्षक श्री एम. अर्शी, वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री शशांक शेखर सिंह, परियोजना निदेशक आईटीडीए श्रीमती सरोज तिर्की, अपर समाहर्ता श्री ज्ञानेन्द्र,सिविल सर्जन सुंदर मोहन समद, अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी, एलआरडीसी श्रीमती अरुणा कुमारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक, जिला पंचायती राज पदाधिकारी दयानंद कार्जी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पलटू महतो, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरजमुनि कुमारी , जिला नजारा उप समाहर्ता-सह-सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खालखो,जिला भू अर्जन पदाधिकारी रवि किशोर राम, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ किंकर कुमार महतो, जिला शिक्षा पदाधिकारी मिथिलेश केरकेट्टा,जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक राम,जिला नियोजन पदाधिकारी सुश्री आशा मक्सिमा लकड़ा,मत्स्य पदाधिकारी सीमा टोप्पो,कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पो,डी पी एम जे एस एल पी एस शांति मार्डी,कार्यपालक अभियंता पेयजल मुकेश कुमार,कार्यपालक अभियंता विद्युत मनीष पूर्ति, सदर अंचल अधिकारी मुमताज सहित कई विभागों के वरीय अधिकारी,कर्मचारी आदि शामिल हुए। ट्रैकिंग का मार्ग केलाघाघ डैम परिसर से प्रारंभ होकर बड़ा बरपानी पंचायत के चिमटीघाट ग्राम तक निर्धारित किया गया, जहां लगभग 15झ16 परिवार निवास करते हैं। रास्ते भर पहाड़, घने जंगल और नदी-नालों ,डैम से घिरे इस मार्ग ने अधिकारियों को प्रकृति की अद्भुत सुंदरता का अनुभव कराया। गांव पहुंचकर उपायुक्त ने पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया और इसे पर्यटन विकास के लिए उपयुक्त स्थल बताया। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसा विस्तृत प्रपोजल तैयार किया जाए, जिससे ट्रैकिंग करने वाले पर्यटक आसानी से इस गांव तक पहुंच सकें.

50 लाख के गहने की छिनतई का हुआ खुलासा, पुलिस ने बरामद किए सभी गहने

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : रांची जिले के सदर थाना क्षेत्र में हुए 50 लाख रुपये के गहने की छिनतई मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने खुलासा किया है कि इस वारदात को कुख्यात कोढ़ा गैंग ने अंजाम दिया था। पुलिस ने छापेमारी कर छिने गए सभी गहने बरामद कर लिए हैं। हालांकि अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

रांची पुलिस ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि बरामद किए गए सामान में सोने के 2 पीस बिस्कुट (लगभग 200 ग्राम), सोने के 7 पीस सिक्के (लगभग 50 ग्राम), सोने की 15 पीस अंगूठी (लगभग 40 ग्राम), 16 जोड़ी सोने की बालियां (लगभग 30 ग्राम), 9 सोने की चेन (लगभग 60 ग्राम), 2 सोने के हार (लगभग 20 ग्राम), एक सोने की गिन्नी समेत अन्य दूसरी चीजें (लगभग 25 ग्राम) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि बरामद सामान में 9 जोड़ी चांदी की पायल (लगभग 350 ग्राम), एक चांदी की चेन और लॉकेट (लगभग 25 ग्राम), 3 चांदी के सिक्के (लगभग 25 ग्राम) और एक जोड़ी चांदी की चूड़ियां (लगभग 50 ग्राम) शामिल हैं। कुल बरामद गहने सोना 425 ग्राम व चांदी 450 ग्राम है, जिनकी कीमत 55 से 60 लाख रुपये बताई जा रही है। रांची नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने बताया कि 8 दिसंबर को सदर थाना क्षेत्र के निवासी निलय प्रकाश अपनी पत्नी के साथ डीएवी बरियातु के पास स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा से लॉकर में रखे गहने निकालकर घर लौट रहे थे। घर पहुंचते ही उनकी पत्नी गेट खोलने लगी, तभी बाइक सवार दो अपराधियों ने उनके कंधे पर लटका बैग झपट लिया और फरार हो गए।

एसपी सिटी ने बताया कि वारदात के बाद निलय प्रकाश ने सदर थाना में दो अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके बाद घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने सिटी एसपी पारस राणा और सदर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। तकनीकी अनुसंधान के दौरान मामले में कोढ़ा गैंग की भूमिका सामने आई। जानकारी की पुष्टि के आधार पर सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में एक टीम को बिहार के कटिहार जिले भेजा गया। स्थानीय पुलिस की मदद से थाना कोढ़ा क्षेत्र स्थित ग्राम जुराबगंज में छापेमारी की गई और रामकुमार यादव के घर से सभी गहने बरामद किए गए। पुलिस ने मुख्य आरोपित रामकुमार यादव सहित अन्य अपराधियों की पहचान कर ली है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

संक्षिप्त खबरें

रांची समेत कई जिलों में आंशिक बादल, कनकनी बढ़ी, गुमला में न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री

रांची : रांची सहित झारखंड के कई जिलों में शुक्रवार को आंशिक बादल छाये रहे, जिसके कारण राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर ठंड और कनकनी का असर महसूस किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि यह स्थिति झारखंड के निचले क्षोभ मंडल में उत्तर-पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा में बहने वाली हवाओं के कारण बनी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान दो से तीन डिग्री तक बढ़ सकता है, जबकि उसके बाद दो दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा मे 28.8 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गुमला में 4.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।शुक्रवार को रांची में सुबह हल्के कुहासे के साथ दिन की शुरूआत हुई, हालांकि सूर्योदय के बाद मौसम साफ रहा। दोपहर के बाद आसमान में फिर से आंशिक बादल छाये, जिससे ठंड और अधिक महसूस की गई। राज्य के प्रमुख शहरों में शुक्रवार को दर्ज तापमान की बात करें, तो शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 23.3 डिग्री और न्यूतनतम तापमान 8.3 डिग्री, जमशेदपुर में 26.5 और 10.8 डिग्री, डालटेनगंज में 27.4 और 7.1 डिग्री, बोकारो में 22.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम तापमान 28.8 और न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

उपायुक्त ने माध्यमिक और इंटर की परीक्षा को कदाचार मुक्त कराने का दिया निर्देश

रांची : झारखंड अकादमी परिषद (जैक) की ओर से वार्षिक माध्यमिक (मैट्रिक) एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 के लिए शुक्रवार को जिला स्तर पर परीक्षा केंद्र और उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन केंद्रों के चयन के लिए जिला चयन समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने की। रांची समाहरणालय के ब्लॉक-ए स्थित सभागार में आयोजित बैठक में विभिन्न प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों की सूची पर विचार किया गया। परीक्षाथीर्यों को कोई असुविधा न हो इसके लिए कुछ परीक्षा केंद्रों में बदलाव का निर्णय लिया गया है। बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि परीक्षा-2026 को पूरी तरह पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। मौके पर उपायुक्त भजन्त्री ने पदाधि?कारियों को परीक्षा केन्द्रों के चयन में पूर्णतः निष्पक्ष और पारदर्शिता बरतने का निर्देश दिया। उन?होंने कहा कि कहीं भी किसी प्रकार की नकल या अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उपायुक?त ने कहा कि परीक्षा केंद्र ऐसे विद्यालयों में बनाए जाएं, जहां पर्याप्त संख्या में कक्ष, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और शौचालय की सुविधा उपलब्धता हो। इसके साथ ही, परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए सुगम यातायात व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में मुख्य रूप से डीडीसी सौरभ कुमार भुवनिया, सिटी एसपी पारस राणा, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि और सम्बंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

पाणिनि उत्सव का आयोजन 14 को, विधायक करेंगे उद्घाटन

पूर्वी सिंहभूम : संस्कृत व्याकरण के जनक महर्षि पाणिनि के योगदान को नए युग में पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से पाणिनि उत्सव समिति 14 दिसंबर को एक दिवसीय पाणिनि उत्सव का आयोजन करेगी। यह कार्यक्रम पीएम श्री उत्क्रमित पीपुल्स अकादमी प्लस टू विद्यालय, न्यू बाराद्वारी स्थित कालिदास सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सरयू राय उत्सव का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में देश के प्रमुख भाषाविद और व्याकरणाचार्य डॉ मित्रेश्वर अग्निमित्र, बालमुकुंद चौधरी, डॉ शशिभूषण मिश्र और कंप्यूटर विज्ञान और व्याकरण के विशेषज्ञ डॉ कौस्तुभ सान्याल शामिल होंगे। यह जानकारी समिति के सचिव चंद्रदीप पांडेय, डॉ रागिनी भूषण और राजदेव सिन्हा ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी।चंद्रदीप पांडेय ने बताया कि महर्षि पाणिनि रचित अष्टाध्यायी प्राचीन भारतीय भाषा विज्ञान का आधार है, जिसमें 4,000 से अधिक सूत्र हैं और जो न केवल भाषा को वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्थित करता है, बल्कि उस समय के समाज और संस्कृति का भी दस्तावेज प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी जगत में कोडिंग की अवधारणा ने विश्व का ध्यान भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर आकर्षित किया है और महर्षि पाणिनि रचित माहेश्वर सूत्रों को प्रथम कोडिंग प्रणाली के रूप में भी देखा जाता है।

डीडीएमए की बैठक में डूबने व सड़क हादसों से हुई पांच मौतों की समीक्षा, आश्रितों को दी जाएगी मुआवजे की राशि

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी : खूंटी समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार (डीडीएमए) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें अन्य जिलों के लोगों की मौत खूंटी जिले में पानी में डूबने अथवा सड़क दुर्घटना में हुई थी।

बैठक में कुल पांच मामलों की समीक्षा की गई, जिनमें रीमिक्स जलप्रपात में डूबने से दो लोगों की मौत, सोमार बाजार के पास स्थित कुएं में डूबने से एक व्यक्ति की मौत, पांडुपुडिंग जलप्रपात में डूबने से एक व्यक्ति की मौत और कुलडा पुल के पास सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत का मामला शामिल रहा। ये सभी मृतक रांची, पश्चिम सिंहभूम और सिमडेगा जिलों के निवासी थे।

समिति ने सभी मामलों में मृतकों के आश्रितों को मुआवजा देने की स्वीकृति प्रदान की। सरकारी प्रावधानों के अनुसार, पानी में डूबने से हुई मौत पर चार लाख रुपये, जबकि सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर एक लाख रुपये मृतकों के आश्रितों को दिए जाएंगे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने अपर समाहर्ता के माध्यम से सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने अंचलों में डीडीएमए की बैठक नियमित रूप से आयोजित करें। उन्होंने कहा कि जलप्रपातों में बढ़ते जलस्तर के कारण लोगों को सचेत करने और जोखिम वाले क्षेत्रों में जाने से रोकने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। नए साल पर संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अधिक जलस्तर वाले स्थानों पर अनिवार्य बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने का आदेश भी दिया, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को टाला जा सके।

राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नए जिला अध्यक्ष बने मो शौकत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साकची स्थित जिला कार्यालय में शुक्रवार को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नए जिला अध्यक्ष के रूप में मो शौकत हुसैन की नियुक्ति की औपचारिक घोषणा की गई। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मो जमीरुद्दीन अंसारी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन में नई ऊर्जा और गति की उम्मीद जताई। घोषणा के बाद जिला कार्यालय में कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने मो हुसैन का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष शम्भू नाथ चौधरी ने कहा कि मो शौकत हुसैन की नियुक्ति संगठन को मजबूती देगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। वहीं बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जनार्दन कुमार ने भी मो शौकत हुसैन की सराहना की।

बेड़ो में इंटर फॉर्म से वंचित छात्रों का प्रदर्शन, डीईओ ने दिए सुधार के आश्वासन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के बेड़ो स्थित एसएस प्लस-टू उच्च विद्यालय में वर्ष 2026 की इंटर परीक्षा का फॉर्म भरने से 600 से अधिक छात्रों को वंचित किए जाने के खिलाफ शुक्रवार को छात्रों और अभिभावकों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने विद्यालय का घेराव कर फॉर्म भरने की अनुमति देने और विद्यालय की जर्जर व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की।विद्यालय प्रशासन के अनुसार कई छात्रों की उपस्थिति (अटेंडेंस) कम होने के कारण उन्हें फॉर्म भरने से रोका गया है। दूसरी ओर, छात्रों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में नियमित कक्षाएं संचालित नहीं होतीं, शिक्षकों की भारी कमी है और भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, विज्ञान प्रयोगशाला और पुस्तकालय जैसी बुनियादी सुविधाएं वर्षों से बदहाल हैं। छात्रों का कहना है कि विद्यालय की अव्यवस्था की जिम्मेदारी उन पर डालना अनुचित है। आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कहा कि खराब व्यवस्था की सजा बच्चों को देना अमानवीय है और अटेंडेंस के नाम पर दंड उचित नहीं है।प्रदर्शन के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) विद्यालय पहुंचे और छात्रों व अभिभावकों से संवाद किया। लगभग दो घंटे चली वार्ता के बाद डीईओ ने आश्वासन दिया कि इंटर परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाई जाएगी, किसी भी छात्र को परीक्षा से वंचित नहीं किया जाएगा, विद्यालय भवन की मरम्मत जल्द शुरू की जाएगी और पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं को शीघ्र बहाल किया जाएगा प्रदर्शन के दौरान पंकज उरांव, वीएचपी बेड़ो प्रखंड अध्यक्ष शासी टाइगर, और झामुमो कार्यकर्ता मुन्ना बड़ाईक भी मौजूद थे।

भारथी बीएड कॉलेज में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

मांडरः प्रखंड स्थित कंदरी में भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन के अंतगर्त सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कन्दरी, माण्डर, राँची में गुरूवार एवं शुक्रवार को दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। शुक्रवार'प्रातः 10:00 बजे अतिथियों के रूप में अध्यक्ष श्रीमति छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर एवं शैक्षणिक सचिव श्रीमति दीपाली परासर, महाविद्यालय की उप-प्रचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव, इंस्टीच्यूशन के डीन डॉ० उपेन्द्र उपाध्याय, डॉ० रविन्द्र एच० एन० (गुजरात), डॉ० प्रेमा बालुसामी(साऊदी अरब),डॉ० पीयूष वर्षा (बिहार), श्रीमति आर० कृष्णावेनी(एम्स, पटना) उपस्थित हुए थे। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय ह्न ग्लोबल पर्सपेक्टिवस एंड प्रेक्टिसेस इन ट्रांसफॉर्मिंग नर्सिर्सः वर्ल्डवाईड स्कोप एंड अपोर्चुनिटिजह्न, था। डॉ० रविन्द्र एच० एन० ने नर्सिंग क्षेत्र में ना केवल अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उसकी प्राथमिकता को साझा किया। बल्कि, विभिन्न ऐजेंसिस की जानकारी दिया। जहाँ पर आज हमारी नर्सेस सेवा प्रदान कर सकती है।

डॉ० पीयूष वर्षा ने हेल्थ टीम के कार्य को और चैलेंजेज को उल्लेखित किया। आज इस सम्मेलन में विभिन्न संस्थान से ऑन-लाइन तथा ऑफ-लाइन पेपर प्रजेन्टशन भी किया गया जिसमें विजयश्री, अल्का कुमारी, सोमना माँझी, कार्तिक एस०, लवकुश शामिल थे।इस कार्यक्रम में सभी व्याख्याताओं ने अपना-अपना विचार व्यक्त कर उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। साथ ही संस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रिम्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग (राँची), फलोरेंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग (इरबा,राँची), सिटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग (पिस्का, राँची), महादेवी बिड़ला इंस्टीच्यूट ऑफ नर्सिंग एवं क्लीनिकल टेक्नोलॉजी (महिलोंग, राँची), सनराइज कॉलेज ऑफ नर्सिंग (इरबा,राँची), मेटास कॉलेज ऑफ नर्सिंग(बरियातु,राँची), रूपसोना नर्सिंग कॉलेज (हेसल,राँची), सेंट बरनबास कॉलेज ऑफ नर्सिंग(राँची), धनबाद स्कूल ऑफ नर्सिंग (धनबाद) एवं अन्य संस्थानों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण भी भाग लिए तथा कार्यक्रम से लाभ उठाए। कार्यक्रम में इस ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमति छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर, शैक्षणिक सचिव श्रीमति दीपाली परासर, इंस्टीच्यूशन के डीन डॉ० उपेन्द्र उपाध्याय एवं उप-प्राचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किए तथा छात्र-छात्राओं के लिए मार्गदर्शन दिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव एवं शिक्षकगण अंजेला गाड़ी, रश्मि तिर्की, गोपाल तिर्की, प्रतिमा कुजूर, मो० अब्दाल अन्सारी, चिरंजीव कुमार, मोनिका बाड़ा, पूर्णिमा कुमारी, लवकुश कुमार, संगीता कुमारी, शशिभूषण जायसवाल, मनीषा कुमारी, तुलसी दास, सहित अन्य मौजूद थे।

केंद्रीय सरना समिति का प्रदर्शन, धर्मांतरित आदिवासियों को दोहरे लाभ से डिलिस्ट करने की मांग

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की के नेतृत्व में शुक्रवार को लोकभवन के समक्ष धर्मांतरित आदिवासियों द्वारा आरक्षण और सरकारी योजनाओं में मिल रहे ह्यदोहरे लाभह्न के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पाहन द्वारा पारंपरिक पूजा से हुई। इसी दौरान विरोध स्वरूप समिति की महिला अध्यक्ष निशा भगत ने अपना मुंडन कराया।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है, लेकिन धर्मांतरण के बाद आदिवासी पहचान से दूर हो चुके लोग अभी भी आरक्षण और विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं।

अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी परंपराएं और प्रथाएं हैं, जिन्हें त्यागने वाले लोगों को आदिवासी सूची से डिलिस्ट किया जाना आवश्यक है।

सामाजिक कार्यकर्ता जय मंगल उरांव ने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम परिवार आदिवासी बेटियों से विवाह कर मायके से जाति और आवासीय प्रमाण पत्र बनवा लेते हैं और आदिवासी समुदाय के लिए बनी योजनाओं का अनुचित लाभ उठा रहे हैं।महिला अध्यक्ष निशा भगत ने कहा कि झारखंड पांचवीं अनुसूची का राज्य है, फिर भी पेसा कानून अब तक लागू नहीं हो सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईसाई समुदाय के धर्मांतरित लोग आदिवासी आरक्षण का लाभ लेकर मंत्री, सांसद और विधायक तक बन रहे हैं, जिससे मूल आदिवासी समाज के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।प्रदर्शन में संजय तिर्की, एंजेल लकड़ा, निरा टोप्पो, प्रमोद एक्का, विनय उरांव, पंचम तिर्की, सोहन कच्छप, हंदु भगत सहित कई लोग उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–RCD/RANCHI -48/2025-26 Dt. 12-12-2025

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– 22.12.2025 को कार्यालय अवधि तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 23.12.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 23.12.2025 को अपराह्न 3.30 बजे ।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (i) मुख्य अभियंता(यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, अभियंत्रण छात्रावास सं0–2, प्रथम तल्ला, धुर्वा, राँची। (ii) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अचंल, राँची। (iii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची ।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थानः– क्रमांक 5 में अंकित स्थानों पर।
7. कार्य की विवरणी :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य(रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	पथ प्रमंडल, राँची का कार्यालय मरम्मति एवं फर्निसिंग का कार्य वर्ष 2025–26.	24,97,906	50,000	5,000	60 दिन

• निविदा की शेष शर्तें http://prdjharkhand.in/online_tender.php एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
• प्राक्कलित एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है, जो कि परिमाण विपत्र बिक्री के समय देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।

PR 368403 (Road Construction Dept Road Division Ranchi) 25-26 (D)

आमजनों ने उपायुक्त के समक्ष रखी अपनी समस्याएं, दिए त्वरित समाधान के निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने आवेदन एवं शिकायतों के साथ उपस्थित हुए। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित पदाधिकारियों को मामलों के त्वरित एवं संवेदनशील निपटारे का निर्देश दिया। जनता दरबार में मुख्य रूप से पेंशन स्वीकृति, राशन कार्ड त्रुटि सुधार, आवास, आपूर्ति व्यवस्था, भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, विद्यालय में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के संबंध में,रोजगार एवं विभिन्न योजनाओं से जुड़ी आवेदन सामने आईं। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदन निर्धारित समयसीमा में निष्पादित किए जाएं।

जनता दरबार में आए प्रमुख मामले, दिए निर्देश

कटकमसांडी के लुपुंग गांव के ग्रामीणों ने लुपुंग मुख्य मार्ग से रनवागढ़ा तक सड़क निर्माण कराने के संबंध में आवेदन दिया,इस पर उपायुक्त ने सीओ/बीडीओ से इस संबंध में रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया तथा जिला योजना पदाधिकारी को सीओ/बीडीओ से फॉलोअप करने का निर्देश दिया। राजकीय मध्य विद्यालय,पेटो (केरेडारी) के प्रधानाध्यापक रामेश्वर राम ने एनटीपीसी के सीएसआर मद से रा. म. वि. पेटो मे शौचालय, भवन एवं आधारभूत संरचना के निर्माण कार्य कराने के संबंध में आवेदन दिया,इस पर उपायुक्त ने डीपीओ को इन बिंदुओं पर विस्तृत रिपोर्ट समर्पित कर अग्रेतर कार्रवाई का निर्देश दिया। छात्रवृत्ति में मिलने वाले साइकिल में सहायक शिक्षक द्वारा पैसे लेने के संबंध में विद्यार्थियों ने उपायुक्त को आवेदन दिया। उपायुक्त ने तत्काल इस पर डीईओ/डीएसई को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। चौपारण निवासी सकलदेव ठाकुर ने डीसी न्यायालय में चल रहे केस के निर्णय में हो रही परेशानियों को लेकर आवेदन के माध्यम से गुहार लगाई,इस पर उपायुक्त ने पेशकार को फाइल पुटअप करने का निर्देश दिया। उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। सभी अधिकारी जनता की शिकायतों को प्राथमिकता पर लेकर निर्धारित समयसीमा में निष्पादित करें।

बरही विधानसभा के विकास को लेकर दो कैबिनेट मंत्रियों से विधायक मनोज यादव ने की मुलाकात

उज्जवल दुनिया संवाददातां

बरही। बरही विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से गुरुवार को विधानसभा सत्र की कार्यवाही समाप्त होने के बाद दो महत्वपूर्ण विभागों के मंत्रियों से विधायक मनोज यादव ने मुलाकात की। विधायक श्री यादव ने स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन से उनके विभागीय कक्ष में विस्तृत चर्चा की।स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के साथ बैठक के दौरान बरही क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी, अपर्याप्त संसाधन और मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाल स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। विधायक ने उन्हें बताया कि बरही, चौपारण और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सीमित होने के कारण मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को युद्धस्तर पर बहाल किया जाए ताकि ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। इसके बाद जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन के साथ मुलाकात की गई, जिसमें बरही विधानसभा क्षेत्र में लेफ्ट एरिगेशन परियोजनाओं, चेकडैम निर्माण तथा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर विशेष चर्चा हुई। विधायक श्री यादव ने बताया कि क्षेत्र में बरसाती पानी का सही उपयोग नहीं हो पाता, जबकि चेकडैम बनने से किसानों को सालभर सिंचाई की सुविधा मिलेगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। मंत्री ने प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा कि विभागीय स्तर पर सभी व्यवहारिक योजनाओं पर विचार किया जाएगा। मुलाकात के दौरान विधायक ने स्पष्ट किया कि बरही के सर्वांगीण विकास के लिए उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बरही क्षेत्र के विकास के प्रति हम संकल्पित हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए जनता की आवाज हर मंच पर उठाई जाती रहेगी।

करियातपुर पंचायत में बीडीओ ने किया पीएमएवाई 2.0 सर्वे का निरीक्षण

उज्जवल दुनिया संवाददातां

बरही। बरही प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने मंगलवार को करियातपुर पंचायत में क्षेत्र भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2.0 के तहत चल रहे सर्वे कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई लाभुकों के अधूरे आवासों का भौतिक सत्यापन कर प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन लाभुकों के आवास लंबे समय से लंबित हैं, वे शीघ्र निर्माण कार्य पूरा करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बार-बार निर्देश के बाद भी जो लोग अपना आवास निर्माण शुरू नहीं करेंगे, उनके पेंशन सहित अन्य लाभकारी योजनाओं का लाभ रोक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक समय पर पहुँचना अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान लाभुकों से उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। बीडीओ ने आवास प्रभारी को भी लंबित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। मौके पर पंचायत के मुखिया मनोज कुमार, पंचायत सचिव राजेंद्र मिश्र, आवास प्रभारी कमलेश भारती समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

आईपीडी स्लिप में भी लिया जाता है ज्यादा शुल्क, मनमानी पर लगे तत्काल रोक: रंजन चौधरी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रबंधकीय लापरवाही चरम पर है। अस्पताल के अधिकांश वार्डों में मरीजों को डिस्चार्ज किए जाने पर उनसे मनमाने ढंग से 100 रुपये की अवैध वसूली की जा रही है, जिससे गरीब और सामान्य मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस अवैध वसूली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह प्रक्रिया इतनी खुली है कि बीती रात दारू (हजारीबाग) प्रखंड क्षेत्र के एक पत्रकार के पिता को डिस्चार्ज किए जाने पर उनकी पत्नी से 'फोन पे' के माध्यम से भी 100 रुपये की वसूली की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक-दो वार्डों को छोड़कर इस अस्पताल के लगभग सभी वार्डों में यह अवैध कृत्य धड़ल्ले से चल रहा है। इतना ही नहीं अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों के लिए निर्धारित आईपीडी स्लिप का शुल्क भी मनमानी का शिकार है। नियमानुसार इस स्लिप का शुल्क 15 रुपये निर्धारित है, लेकिन कथित तौर पर मरीजों से 20 रुपये लिए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर सरकारी नियमों का उल्लंघन है। इस मामले में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने इसे गंभीरता से लिया है। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक डॉ. राजकिशोर को पूरे मामले की जानकारी दी। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने उनसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रही अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाने,

इस पूरे कृत्य की गहन जांच कराने और जांच में संलिप्त पाए जाने वाले सभी दोषी कर्मियों पर कठोर और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। सांसद के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी के शिकायत के बाद अस्पताल प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लिया है और यथोचित कार्रवाई का उन्हें भरोसा भी दिलाया है ।

जिला के विभिन्न विद्यालयों में नवनियुक्त शिक्षक, लिपिक एवं अनुसेवक समेत कुल सात कर्मियों को उपायुक्त ने सौंपा नियुक्ति पत्र

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। शुक्रवार 12 दिसंबर को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के द्वारा जिला के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में सात कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। जिसमें दो शिक्षक,चार लिपिक एवं एक अनुसेवक है। शिक्षक पद पर सनातन कुमार यादव को उत्क्रमित उच्च विद्यालय, नावाडीह एवं रुद्र प्रताप यादव को आर. एम. प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय चंदा, इचाक में प्रतिनियुक्ति की गई। वही लिपिक के पद पर अमरदीप कुमार को उत्क्रमित उच्च विद्यालय, ढोठवा (कटकमसांडी), ज्योति वर्णवाल को उत्क्रमित उच्च विद्यालय (आराभुसाई), जितेंद्र कुमार को रजक उत्क्रमित उच्च विद्यालय भटबिगहा (चौपारण) एवं निरंजन यादव को उत्क्रमित उच्च विद्यालय, कलहाबाद (बरकट्ठा) में प्रतिनियुक्ति की गई है। अनुसेवक पद पर निकहत परवीन को ए. एन. एस प्लस टू उच्च विद्यालय रेलीगढ़ा(डाड़ी) में पदस्थापन की गई है। उपायुक्त ने सभी नव पदस्थापित कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए, जनसेवा की भावना के तहत बेहतर कार्य करने को कहा। इस मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन उपस्थित थे।

भाजपा युवा नेता मो. ताबिश ने बढ़ती ठंड में जरूरतमंदों को बाँटे कम्बल

बरही। बरही क्षेत्र में इन दिनों पड़ रही कड़ाके की ठंड ने गरीब और असहाय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तापमान में लगातार गिरावट और शीतलहरी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भाजपा युवा नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता मो. ताबिश ने कोनरा के विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों के बीच कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। उनके इस मानवीय कदम से गरीब एवं असहाय परिवारों को काफी राहत मिली। स्थानीय क्षेत्र में अचानक बढ़ी ठंड ने रातों को और कठिन बना दिया है। ऐसे दौर में मो. ताबिश द्वारा जरूरतमंदों को कम्बल उपलब्ध कराना सामाजिक सरोकार का बेहतर उदाहरण है। वितरण कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएँ, बुजुर्ग और असहाय लोग पहुँचे और कम्बल प्राप्त कर राहत महसूस की। कम्बल वितरण के दौरान भाजपा युवा नेता मो. ताबिश ने कहा कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है। ठंड के इस कठिन मौसम में अगर कोई असहाय व्यक्ति ठिठुरे, यह हमसे देखा नहीं जाता। समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। हमारी छोटी-सी सहायता भी किसी के जीवन में बड़ी राहत बन सकती है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में भी गरीब, वृद्ध और दिव्यांग व्यक्तियों के बीच लगातार सहायता पहुँचाने का प्रयास जारी रहेगा। साथ ही युवाओं से अपील की कि वे समाज सेवा में सक्रिय होकर अपनी जिम्मेदारी को समझें। कम्बल पाकर महिलाओं और बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। लोगों ने बताया कि ठंड के कारण रातें बहुत मुश्किल हो रही थीं, ऐसे में कम्बल मिलना किसी राहत से कम नहीं। स्थानीय लोगों ने मो. ताबिश और उनकी टीम के इस प्रयास की सराहना की।

विस्थापन के मुद्दे को लेकर बड़कागांव विधायक सदन में भरे हुंकार

बड़कागांव। बड़कागांव विधायक का रोशन लाल चौधरी ने बड़कागांव विधानसभा सहित संपूर्ण झारखंड क्षेत्र में हो रहे विस्थापन के समस्या को लेकर बने झारखंड विस्थापन आयोग गठन के नियमावली में आवश्यक सुधारो के संबंध में विधानसभा के पटल पर प्रमुखता के साथ रखते हुए सरकार को घेरा। विधायक रोशन लाल चौधरी ने सरकार को सवाल करते हुए कहा कि विस्थापन के नाम पर लोगों का स्थानीयता, संस्कृत और अधिकार को छिना जा रहा है। आज विस्थापित हो रहे परिवार कहा चले गए हैं उनका कोई आता-पता नहीं चलता है। अगर वह अपना जाती आवासीय बनाने जाते हैं तो वह भी नहीं बन पाता है। विधायक रौशन लाल ने सरकार के विस्थापन के नियमावली पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुझे लगता है कि नियमावली में जो भी नियम अंकित है उसके आधार पर एक भी विस्थापित प्रभावितों को उनका हक और अधिकार मिलने वाला नहीं है। इसलिए हम इस सदन के माध्यम से मांग करते हैं कि एक ऐसी नियमावली बनाकर कैबिनेट से पास किया जाए जिससे विस्थापितो को उनका हक और अधिकार मिल सके नहीं तो आने वाले दिनों में सभी सदस्यों के क्षेत्र में कहीं ना कहीं विस्थापन होगा और ऐसी स्थिति में हम सभी झारखंडी अस्तित्व विहीन हो जाएंगे। इसलिए विस्थापन एक्ट में सुधार किया जाए। आगे उन्होंने कहा कि झारखंड स्थापना का उद्देश्य ही यही था की झारखंडियों को उनका हक और अधिकार मिल सके। विस्थापन सिर्फ भूमि का प्रश्न नहीं है यह जीविका,सांस्कृतिक और हमारे पहचान का प्रश्न है इसलिए विस्थापन आयोग का गठन का पहल अच्छा है परंतु इस आयोग के द्वारा विस्थापितों को उनका हक और अधिकार नहीं मिल सकेगा। क्योंकि हम उदाहरण देते हैं कि बड़कागांव में कंपनियों के खिलाफ महापंचायत का आयोजन किया गया। जहां पर लाखों लोग एकत्रित होकर अपना विरोध जताया क्योंकि उनको यह भय है कि पूर्व में जिस प्रकार से विस्थापित प्रभावित लोगों को उनका हक अधिकार नहीं दिया गया। हमें भी ठगा जाएगा। इसलिए हम सदन से मांग करते हैं कि जो भी विस्थापन के नियमावली बनाए गए हैं.

सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थानों में आम पब्लिक की समस्याओं को सुनें : एसपी

दिए निर्देश, आमजनों की समस्याओं को समय पर निष्पादित करें

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग। अपराध गोष्ठी में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग अंजनि अंजन ने सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को विभिन्न बिंदुओं पर दिशानिर्देश दिए। एसपी ने महिला प्रताड़ना एवं हिंसा तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित कांडों में अविलंब कार्रवाई करते हुए 60 दिनों के भीतर उन कांडों का निष्पादन करने का निर्देश दिया। सभी थाना प्रभारी चोरी, लूट, छिनतय एवं गृहभेदन से संबंधित जितने भी कांडों में अभियुक्त फिरार हैं उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया। वर्ष 2025 के पूर्व जितने भी कांड लंबित हैं, उन सभी कांडों को प्राथमिकता के आधार पर अविलंब निष्पादन के लिए निर्देशित किया। सभी थानों में जितने भी जमानती तथा गैरजमानती वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की- जब्ती के लिए लंबित हैं, उसे एक विशेष अभियान चलाकर निष्पादन करने का निर्देश दिया। सिविल कोर्ट की सुरक्षा की नियमित रूप से समीक्षा करते हुए सुरक्षा से संबंधित सभी मानकों को पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। नशाखोरी के पदार्थ खरीद-बिक्री करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। संगठित अपराध गिरोहों, अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों तथा साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सीसीए के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। वहीं अवैध कोयला, बालू एवं पत्थर उत्खनन पर पूर्णत रोक लगाने के लिए निर्देशित किया गया। इसके लिए संबंधित अंचल अधिकारी एवं जिला खनन पदाधिकारी के साथ समन्वय* स्थापित करते हुए अवैध खनन पर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। सभी थाना प्रभारी को साइबर से संबंधित जितने भी कांड लंबित हैं, उसे प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करते हुए उसमें शामिल अभियुक्त की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थानों में आम पब्लिक की समस्याओं को सुने एवं उसकी समस्याओं को समय पर निष्पादित करना सुनिश्चित करेंगे।

एक नजर

विभावि ने टॉपरो को टीचिंग असिस्टेंट फेलो के रूप में किया नियुक्त, दो वर्षों से लंबित पड़ा था मामला

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को पिछले दो शैक्षणिक सत्र के स्नातकोत्तर के टॉपरो की नियुक्ति 'टीचिंग असिस्टेंट फेलो' के रूप में कर दिया है। इसकी जानकारी देते हुए छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार ने बताया की सभी को 20 दिसंबर तक अपने-अपने स्नातकोत्तर विभागों में योगदान देने के लिए निर्देशित किया गया है। इनकी नियुक्ति एक वर्ष के लिए की गई है और इन्हें प्रतिमाह ?15000 की फेलोशिप दी जाएगी। डॉ विकास कुमार ने बताया की 2022-24 और 2023-25 के स्नातकोत्तर के टॉपर की नियुक्ति लंबीत थी। जैसे ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा को इस विषय से अवगत कराया गया उन्होंने तत्काल इनकी नियुक्ति की प्रक्रिया को पूर्ण करने का निर्देश दिया। ज्ञात हो की स्थापना दिवस के दिन कुलपति ने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए मंच से घोषणा की थी कि 'मैं विश्वविद्यालय में न्याय करूंगा।' उसके बाद उन्होंने कई मामलों पर न्याय करते हुए विश्वविद्यालय की व्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास किया है। इसमें विशेष कर प्रोफेशनल तथा वोकेशनल कोर्सेज में कार्यरत शिक्षकों की वेतन वृद्धि का मामला एवं अलग-अलग संवर्ग के शिक्षकों की पदोन्नति के मामलो का उल्लेख किया जा सकता है। डॉ विकास कुमार ने बताया कि शुक्रवार को टॉपर विद्यार्थियों के लंबित मामले का निपटारा करते हुए कुलपति ने उनके साथ भी न्याय किया। सत्र 2022-24 के टॉपर में से फोजिया परवीन और निकिता कुमारी (मानव विज्ञान), आस्था निरुपम (वनस्पति विज्ञान), खुशबू कुमारी (रसायन शास्त्र), शाहीन जमील (वाणिज्य) अनन्या मिश्रा (अंग्रेजी), पूजा कुमारी (गृह विज्ञान), सौरभ कुमार अग्रवाल (गणित), मधुमिता (भौतिक विज्ञान), अनन्या शर्मा (राजनीति विज्ञान), सुमन कुमारी (मनोविज्ञान), ईशा कुमारी (दर्शनशास्त्र), अदिति नमामि (संस्कृत), चांदनी परवीन (उर्दू), मोहसीना परवीन (जंतु विज्ञान) को एक अलग अधिसूचना द्वारा विभावि के स्नातकोत्तर विभागों में नियुक्त किया गया है।

सेवानिवृत्त शिक्षिका के निधन से क्षेत्र में शोक

केरेडारी। पेटो पंचायत के चट्टी पेटो निवासी व देवी जी के नाम से सुप्रसिद्ध हेमवंती देवी का शुक्रवार की सुबह निधन हो गया! वे राजकीय मध्य विद्यालय, पेटो की भूत पूर्व शिक्षिका थीं! उनके निधन के समाचार से पूरे पेटो क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई ! उनके शुभचिंतको ग्रामीणों और उनके पूर्व विद्यार्थी अंतिम दर्शन व श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उनके निवास पर पहुँच रहे हैं। माया नगरी से आत्मा की विदाई के बाद शिक्षा जगत ने एक समर्पित शिक्षिका को खो दिया है। लगभग दो दशक पूर्व उन्होंने पेटो विद्यालय में ज्ञान का दीप प्रज्वलित किया था। उनकी शिक्षा से जुड़े विद्यार्थी, सहकर्मी और स्थानीय लोग इस खोने को गहरा आघात मान रहे हैं।

बरही पुलिस प्रशासन एवं प्रबुद्धजनों की संयुक्त पहल पर नशा मुक्ति अभियान का 14 दिसम्बर को होगा शुभारंभ

बरही। बरही प्रखंड में नशाखोरी, ब्राउन शुगर तथा अन्य मादक पदार्थों की बढ़ती समस्या पर रोक लगाने के उद्देश्य से बरही पुलिस प्रशासन एवं क्षेत्र के समस्त प्रबुद्धजनों की संयुक्त पहल पर एक व्यापक नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के तहत 14 दिसंबर 2025 को बरही चौक, गोलंबर में विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें आम जनता को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जाएगा। अभियान से जुड़ी प्रचार रथ (इ-रिक्शा) के माध्यम से पूरे नगर में जागरूकता संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। वाहन पर लगे पोस्टरों के जरिए यह अपील की जा रही है कि ब्राउन शुगर एवं मादक पदार्थों की बिक्री तथा सेवन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी तथा समाज के हर वर्ग से इस नेक पहल में आगे आने की अपेक्षा की जा रही है।

मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के कारीगरों की 25 दिवसीय जूटक्राफ्ट प्रशिक्षण की शुरूआत

बरही। बरही प्रखंड के बसरिया पंचायत स्थित जन जागरण केंद्र में 25 दिवसीय जूट क्राफ्ट कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत गुरुवार को की गई। यह प्रशिक्षण मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में कुल 30 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। यह प्रशिक्षण बोर्ड के लघु उत्पादन ईकाई के कारीगरों को दी जा रही है। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं एवं युवाओं को जूट क्राफ्ट की उन्नत तकनीक, आधुनिक डिजाइन और उत्पादन कौशल से सशक्त करना है, ताकि वे स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़कर स्थायी आजीविका का निर्माण कर सकें। उद्घाटन समारोह में बताया गया कि प्रशिक्षणार्थियों को जूटक्राफ्ट की आधुनिक प्रोडक्ट डेकोरेटिव आईटम बनाना सिखाया जाएगा जिससे वे प्रशिक्षण के उपरांत स्वयं उत्पादन कार्य प्रारंभ कर सकें। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीश पति त्रिपाठी जिला उद्यमी समन्वयक मुख्यमंत्री लघु एंव कुटीर उद्यम विकास बोर्ड हजारीबाग, प्रखंड समन्वयक बरही सुरेश कुमार महतो तथा जन जागरण केंद्र के निदेशक अजय कुमार उपस्थित थे।

नॉर्थ बंगाल, बिहार और झारखंड के सीमा सुरक्षा बल पेंशनभोगियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र, हजारीबाग में राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत का आयोजन

हजारीबाग। सीमा सुरक्षा बल 20 दिसंबर 2025 को प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल हजारीबाग में एक राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत आयोजित करने जा रहा है। इस अदालत का उद्देश्य सीमा सुरक्षा बल के पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है। यह अदालत विशेष रूप से उत्तर बंगाल, बिहार और झारखंड में रहने वाले पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए आयोजित की जा रही है। इस पहल का मकसद लंबे समय से लंबित पेंशन और पारिवारिक पेंशन संबंधी मुद्दों को एक ही मंच पर कुशलतापूर्वक हल करना है। यह राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत दिनांक 20 दिसंबर 2025 (बुधवार) को प्रातः 09:30 बजे से सायं 05:00 बजे तक प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, मेरु हजारीबाग, झारखंड में आयोजित की जाएगी। इस दौरान उत्तर बंगाल, बिहार और झारखंड के पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों की पेंशन संबंधी शिकायतों का समाधान किया जाएगा। सभी संबंधित हितधारकों के प्रतिनिधि, जिनमें आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डीडीओ), वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी शामिल होंगे, समस्याओं के तत्काल समाधान हेतु उपस्थित रहेंगे। अधिकतम पहुँच और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की भी सुविधा उपलब्ध होगी। राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत के सुचारू संचालन हेतु प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल हजारीबाग में एक विशेष पेंशन प्रकोष्ठ कार्यरत है। इसके नोडल अधिकारी सुनील कुमार, समादेष्टा, नियुक्त किए गए हैं। पेंशन अदालत से संबंधित किसी भी प्रश्न या सहायता के लिए कृपया बीएसएफ हेल्प डेस्क नम्बर 06546-236776 पर संपर्क करें। निर्दिष्ट क्षेत्रों के सभी पात्र पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों से आग्रह है कि वे अपनी पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु इस पहल का लाभ उठाएँ।

अमर शहीद बाबू गेनू जी की शहादत स्वतन्त्रता आंदोलन में मील का पत्थर : अमरेंद्र सिंह

स्वदेशी आंदोलन के प्रथम बलिदानी बाबू गेणू सैद का बलिदान दिवस मनाया गया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बोकारो : बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में, जब भारत अंग्रेजों की औपनिवेशिक हुकूमत के दमन से जूझ रहा था, तब मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) में एक सामान्य मजदूर ने अपनी वीरता, देशभक्ति और बलिदान से इतिहास को प्रेरित कर दिया। उनका नाम था बाबू गेनू, जिन्होंने स्वदेशी आंदोलन के तहत विदेशी वस्त्रों के आयात के खिलाफ आवाज उठाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उपरोक्त कहना है मंच के क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह का । वे यहां के नया मोड़ स्थित बिरसा चौक में स्वदेशी जागरण मंच, बोकारो आयोजित स्वदेशी आंदोलन के प्रथम बलिदानी बाबू गेणू सैद के पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बाबू गेनू का व्यक्तित्व भले ही चाटुकार इतिहासकारो के कारण इतिहास में विस्तृत रूप से दर्ज न हो, परन्तु उनका बलिदान उन्हें स्वदेशी आंदोलन का अमर प्रतीक बनाता है। उन्होंने न केवल ब्रिटिश आर्थिक उत्पीड़न के खिलाफ विरोध किया, बल्कि आम जनता को अपने देश के बने स्वदेशी वस्त्रों और स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाबू गेनू का योगदान मुख्य रूप से विदेशी वस्त्रों के आयात विरोधी आंदोलनों में रहा। वहीं मंच के सह प्रांत मेला सह प्रमुख अजय सिंह ने कहा कि ब्रिटिश शासन भारतीय उद्योगों को कमजोर करने के लिए विदेशी कपड़े भारत में लाता था। इसी आर्थिक शोषण के खिलाफ बाबू गेनू ने सक्रिय विरोध किया। 12 दिसंबर 1930 को मुंबई में एक ऐतिहासिक घटना घटी। बाबू गेनू ने एक ऐसे लोरी को रोकने का प्रयास किया, जो विदेशी कपड़े बॉम्बे के बंदरगाह से भारतीय बाजार में बिक्री के लिए जा रहे थे। उनके इस साहसिक प्रयास के दौरान ब्रिटिश पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी गोली चलाई और लोरी से बाबू गेनू रौंद दिया इस प्रकार बाबू गेनू शहीद हो गए। उनका यह बलिदान स्वदेशी आंदोलन के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गया। उन्होंने कहा कि बाबू गेनू के बलिदान को स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी द्वारा दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 12 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिन का महत्व केवल उनके शौर्य को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज में देशी उत्पादों के समर्थन और विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार की भावना को भी उजागर करता है। उनकी शहादत ने मजदूर वर्ग, छात्रों और आम नागरिकों को प्रेरित किया कि वे अपने देश के आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए खड़े हों।

बाबू गेनू का योगदान यह दिखाता है कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अधिकार तक सीमित नहीं थी, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। बाबू गेनू का नाम आज भी स्वदेशी आंदोलन और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है। उनके बलिदान ने यह संदेश दिया कि साहस और देशभक्ति से किसी भी औपनिवेशिक शक्ति का सामना किया जा सकता है। जबकि मंच के प्रांत संपर्क प्रमुख अजय चौधरी दीपक ने कहा कि स्वदेशी दिवस पर उन्हें याद करना न केवल उनके शौर्य को सम्मानित करना है, बल्कि यह भारतीय समाज के लिए अपने उत्पादों और संसाधनों के महत्व को समझने का अवसर भी है। बाबू गेनू की कहानी हमें यह याद दिलाती है कि देशभक्ति के छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं, और उनके बलिदान का स्मरण हमें अपने समाज में स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग और समर्थन के लिए प्रेरित करता है। स्वदेशी जागरण मंच आज स्वदेशी दिवस के अवसर पर नया मोड़ बिरसा चौक पर अमर शहीद बाबू गेनू को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई । कार्यक्रम को क्षेत्रीय संयोजक अमरेन्द्र सिंह ने संबोधित किया मंच के प्रांत संपर्क प्रमुख अजय कुमार चौधरी प्रांत के सह मेला प्रमुख अजय कुमार सिंह, जयशंकर प्रसाद, विनोद चौधरी, राकेश रंजन, नवीन कुमार सिंह, रजनीकांत कुमार सिंह, विवेकानंद झा, मनीष कुमार श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, पुष्पा मिश्रा, कुमार संज,ए.के. सिंह, अमरिंदर सिंह, प्रेम प्रकाश, सुजीत कुमार, समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

उदय प्रताप सिंह की माता स्व. तेतरी देवी का मनाया गया 11वीं पुण्यतिथि समारोह

उज्जवल दुनिया संवाददाता

सिजुआ/ कतरास :निचीतपुर पीएन सेक्शन में श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व समाजसेवी उदय प्रताप सिंह की माता स्वर्गीय तेतरी देवी की 11वीं पुण्यतिथि समारोह मनाया गया। सभा की दिवगंत समाज सेविका स्वर्गीय तेतरी देवी की स्मृति में 2 मिनट मौनव्रत के साथ हुई। इसके बाद उनके चित्र पर समस्त परिवार एवं उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बनारस से आए पुजारी ने पूजा अर्चना किया। इस अवसर पर उदय प्रताप सिंह ने कहा सरल, दयालु स्वभाव एवं सामाजिक सक्रियता के कारण आज भी सभी लोग मेरी माता के द्वारा दिए गए अच्छे संस्कारों योगदानों को याद करते हैं। उन्हीं के द्वारा दिए गए संस्कारों,अनुशासन का पालन करके मुझे जीवन के हर पड़ाव में सफलता- खुशहाली मिली है। पुण्यतिथि कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण भी किया गया। मौके पर उदय प्रताप सिंह के पिताजी रामनाथ सिंह, ओम प्रकाश सिंह, उदय प्रताप सिंह, श्वेता किन्नर, ,धूप नारायण सिंह, श्रीप्रकाश सिंह, बिजेश्वर सिंह, मुरारी सिंह, प्रदीप सिंह, श्वेताभ शुभम सिंह, अभिषेक सिंह, शानू सिंह रेणु देवी, बिंदू देवी, सुमन देवी, रिंकी देवी, माया सिंह, दिव्या सिंह,आदि उपस्थित थे।

हरिना कॉलोनी स्थित बीसीसीएल अधिकारी के बंद आवास से नकदी समेत 15 लाख के आभूषण की चोरी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कतरास : बरोरा थाना क्षेत्र के हरिना कॉलोनी निवासी बीसीसीएल के क्षेत्रीय प्रबंधक (एस्टेट) आलोक कुमार के बंद आवास का ताला तोड़कर चोरों ने गुरुवार रात नकदी समेत लाखों रुपए मूल्य के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तहकीकात शुरू की। भुक्तभोगी अधिकारी ने थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। भुक्तभोगी ने शिकायत में कहा है कि वह गुरुवार की सुबह लगभग 9 बजे ड्यूटी के लिए कार्यालय गया था। रात लगभग 09:18 बजे आवास लौटने पर मुख्य द्वार की कुंडी का कब्जा टूटा हुआ पाया। क्वार्टर के अंदर का दृश्य देखकर वह स्तब्ध रह गया। अलमारी का ताला खुला हुआ था और पूरे घर का सामान अस्त-व्यस्त बिखरा पड़ा था। बताया कि चोरी हुए आभूषणों में एक सेट हार , दो कंगन, एक नथिया, चार सेट कान की बाली, 4 सेट झुमका, 2 रिंग, 2 नोज रिंग (नाक की बाली), 1 ब्रेसलेट, 1 मंगलसूत्र, चांदी के सिल्वर की 4 सेट पायल, 6 पीस बिछिया के अलावा नकद दस हजार रुपये की चोरी हुई है। आभूषणों की कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है।

अधिकारियों की टीम पहुंची थाना, भय मुक्त माहौल देने एवं मामले का उद्वेदन करने का मांग किया

क्षेत्रीय प्रबंधक के आवास पर चोरी की सूचना पाकर अधिकारियों की टीम शुक्रवार को हरिना पहुंची। अधिकारियों ने भुक्तभोगी से घटना की जानकारी ली। इसके बाद सभी बरोरा थाना पहुंचे। थानेदार से भेंट कर यथाशीघ्र मामले का उदभेदन करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने कहा कि घनी आबादी के बीच चोरी की वारदात होने से सभी भयभीत हैं। पुलिस प्रशासन त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल बदमाशों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करें ताकि आमजन भयमुक्त होकर अपना काम कर सकें।

प्रवासी मजदूर का महाराष्ट में हुई मौत शव घर आने पर मुआवजे को लेकर ग्रामीणों ने घंटों किया सड़क जाम

उज्जवल दुनिया संवाददाता

टुंडी : टुंडी थाना क्षेत्र के लोधरिया गांव निवासी मजदूर जगरनाथ बाउरी की महाराष्ट्र में मौत हो गई. जगरनाथ का शव शुक्रवार को गांव लाया गया. शव पहुंचते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और परिजनों के साथ गोविंदपुर-गिरिडीह सड़क को जाम कर दिया. ग्रामीण मुआवजे की मांग पर अड़े थे. परिजनों का कहना है कि टुंडी और आसपास के क्षेत्रों में रोजगार का अवसर न होने के कारण अधिकतर ग्रामीण दूसरे राज्यों में काम के लिए पलायन करते हैं. जगरनाथ भी इसी वजह से महाराष्ट्र गया था, जहां चार दिन पहले उसकी मौत हो गई. ग्रामीणों का कहना था कि रोजगार की कमी के कारण लोग मजबूरी में बाहर जाते हैं और हादसे का शिकार भी हो जाते हैं. ऐसे में परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो जाती है. सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और कई घंटे तक आवागमन बाधित रहा. सूचना मिलने पर टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय, थाना प्रभारी उमाशंकर व सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी मौके पर पहुंचे. अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया. अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि परिवार को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा और मुआवजे की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी. आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया.

महिलाओं की भागीदारी से ही संगठन सशक्त होगा और देश आत्मनिर्भर बनेगा: जानकी देवी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कतरास : भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा कतरास मंडल द्वारा शुक्रवार को 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत कतरास मंडल में जगह-जगह जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानिक उत्पादों का उपयोग को बढ़ावा देना, स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहित करना तथा 'वोकल फोर लोकल' के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम की नेतृत्व कर्ता महिला मोर्चा की जानकी देवी ने बताया कि महिलाओं की भागीदारी से ही संगठन सशक्त होगा और देश आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर की नींव भी है और राष्ट्र की धूरी भी है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प जन आंदोलन बनेगा और भारत स्वदेशी के मंत्र से स्वावलंबी, स्वाभिमानी व आत्मनिर्भर होकर विश्व नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत आत्मनिर्भर की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमें गांव-गांव जाकर संदेश देना होगा कि स्वदेशी की ओर बढ़े और अपने रोजमर्रा के उपयोग में देश में बने उत्पादों का इस्तेमाल करें।यह अभियान ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वरोजगार और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला मोर्चा की आरती देवी, कंचन सिन्हा, शशिकांता रावत, चंचला देवी, संगीता देवी, रानी देवी, सरिता देवी,शोभा देवी आदि दर्जनों महिलाएं उपस्थित थी।

कतरास कॉलेज फजीवाड़ा प्रकरण पर एनएसयूआई ने रखा अपना पक्ष, निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

फैजल इकबाल कभी भी एनएसयूआई संगठन में नही रहा है- राज रंजन सिंह (एनएसयूआई)

उज्जवल दुनिया संवाददाता

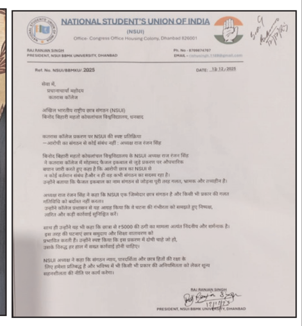

कतरासः कतरास कॉलेज में परीक्षा के दौरान सामने आए फजीवाड़ा मामले को एनएसयूआई संगठन से जोड़ने की चचाओं पर कोयलांचल विश्वविद्यालय एनएसयूआई अध्यक्ष राज रंजन सिंह ने कड़ा आपत्ति जताया है। उन्होंने इस संबंध में कतरास कॉलेज प्रिंसिपल और परीक्षा विभाग से औपचारिक बातचीत करते हुए स्पष्ट किया है कि मोहम्मद फैजल इकबाल का एनएसयूआई से न कोई वर्तमान में संबंध है और न ही वह कभी संगठन का सदस्य रहा है। अध्यक्ष ने कहा कि फैजल इकबाल का नाम एनएसयूआई के साथ जोड़ना पूरी तरह गलत, भ्रामक और तथ्यहीन है। एनएसयूआई एक जिम्मेदार छात्र संगठन है और किसी भी प्रकार की गलत गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करता है। उन्होंने कॉलेज प्रशासन से आग्रह किया है कि वे पूरे मामले की गंभीरता को समझते हुए निष्पक्ष, त्वरित कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

वही एक छात्रा से 5 हजार की ठगी की घटना को अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक बताते हुए राज रंजन सिंह ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं छात्र समुदाय और शैक्षणिक वातावरण को प्रभावित करती हैं। दोषी चाहे जो भी हो, उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई न्याय, पारदर्शिता और छात्र हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी किसी भी प्रकार की अनियमितता को लेकर शून्य सहनशीलता की नीति पर कार्य करेगा। इस संबंध में उन्होंने प्राचार्य को एक ज्ञापन भी सौंपा।

बीबीएमकेयू एनएसयूआई अध्यक्ष ने विद्यार्थी परिषद को दिया स्वच्छ राजनीति करने का सलाह

विश्वविद्यालय एनएसयूआई के अध्यक्ष राज रंजन सिंह ने विद्यार्थी परिषद को सलाह देते हुए कहा कि विद्यार्थी परिषद अपना व्यक्तिगत राजनीति चमकाने के लिए दूसरे संगठनों को बदनाम करने के बदले छात्र हित में स्वच्छ राजनीति करें तो बेहतर होगा। बता दे कि हाल ही में सेमेस्टर 6 की परीक्षा में फैजल इकबाल नामक एक छात्र ने अपने बदले किसी दूसरे युवक से परीक्षा दिलवा दिया तथा उक्त छात्र ने ही कतरास कॉलेज के एक अन्य छात्रा कविता कुमारी से छात्रवृत्ति दिलाने के नाम पर 5000 की ठगी भी की थी। जिसको लेकर विद्यार्थी परिषद के छात्र नेता सह प्रदेश कार्यकारिणी समिति के सदस्य शुभम हजारी ने प्रेस वार्ता करते हुए उक्त घटना की जांच पड़ताल एवं कार्रवाई करने की मांग की है तथा उन्होंने उक्त युवक का एनएसयूआई संगठन से संबंध बताया था। इसके बाद एनएसयूआई की उपरोक्त प्रतिक्रिया आई है।

एक नजर

धनबाद जिला क्षत्रिय विचारक मंच की बैनर तले आगामी दो दिवसीय बैठक हेतु जन सम्पर्क : नवीन चन्द्र सिंह

टुंडी : वृहस्पतिवार को धनबाद जिला क्षत्रिय विचारक मंच के बैनर तले निरसा प्रखण्ड के रांगामाटी पंचायत अन्तर्गत ढांगासाल/पहाड़गोड़ा में आगामी तिथि 20 - 21 दिसम्बर की होनेवाली दो दिवसीय कमिटी की विस्तार के अलावा सशक्तिकरण एवं सुदृढ़ीकरण के क्रम में टुण्डी प्रखण्ड क्षेत्र के मनियाडीह थाना के अन्तर्गत चरकखुर्द , चरककला ,भगुडीह, मनियाडीह क्षेत्र एवं टुंडी राजवाड़ी के चहुंओर सामाजिक जनसमपर्क किया गया । बैठक हेतु जनसमपर्क में मुख्य भूमिका का निर्वहन करनेवाले में मेघलाल सिंह, प्रदीप सिंह, नवीन चंद्र सिंह, रमेश सिंह, कुणाल प्रताप सिंह, विक्रम प्रताप सिंह , करण प्रताप सिंह, युवराज प्रताप सिंह इत्यादि ने मुख्य भूमिका का निर्वहन किया। साथ ही इस कार्यक्रम का भ्रमण कर रहे प्रिंस सिंह एवं राहुल सिंह इत्यादि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। संगठन को नेतृत्व करें संगठन के अगुवा साथी गंगा नारायण सिंह का अमूल्य योगदान रहा। साथ ही साथ इस ठंडी के मौसम में चरक खुर्द में गर्म कुण्ड में स्नान करने का भी आनन्द लिया।

टोल प्लाजा से फोरलेन तक सड़क मार्किंग में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी : संजय सिंह

बोकारो (जैनामोड़) : टोड़बालीडीह टोल प्लाजा से बांधडीह फोरलेन तक पथ निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क मार्किंग कार्य पर अब सवाल उठने लगे हैं। भाजपा के पूर्व प्रखंड उपाध्यक्ष संजय सिंह ने इस पूरे काम को मानकहीन और अनियमितताओं से भरा बताते हुए गंभीर आपत्ति जताई है। संजय सिंह ने बताया कि विभाग ने सड़क मार्किंग का कार्य संवेदक एजेंसी को टेंडर के माध्यम से सौंपा है, लेकिन एजेंसी द्वारा तय मानकों की खुली अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर मार्किंग धुंधली है, कहीं मोटाई कम है, तो कहीं रिफ्लेक्टिव पेंट का उपयोग ही पर्याप्त मात्रा में नहीं किया गया है। पूरा काम जल्दबाजी में, मानक को नजरअंदाज करते हुए किया जा रहा है, जिससे इसकी गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इसी को लेकर संजय सिंह ने पथ प्रमंडल बोकारो के कार्यपालक अभियंता, रांची के मुख्य अभियंता और हजारीबाग के अधीक्षण अभियंता को पत्र लिखकर पूरे कार्य की जांच की मांग की है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि जांच के बाद ही भुगतान किया जाए, ताकि सरकारी राशि का दुरुपयोग रोका जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि मानकहीन सड़क मार्किंग भविष्य में दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। इसके चलते यात्रियों की सुरक्षा प्रभावित होगी और सड़क पर अव्यवस्था बढ़ेगी। उन्होंने विभाग से आग्रह किया है कि कार्य को तत्काल रोककर मानक के अनुरूप दोबारा सड़क मार्किंग कराई जाए, ताकि सड़क सुरक्षा और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित हो सकें। संजय सिंह ने कहा कि यह मामला केवल गड़बड़ी नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था और जनसुरक्षा से जुड़ा हुआ है, इसलिए त्वरित कार्रवाई अनिवार्य है.

सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता हेतु ओएनजीसी द्वारा बोकारो यातायात पुलिस को 31 बैरिकेड का हस्तांतरण

बोकारो : जिला प्रशासन बोकारो की पहल पर ओएनजीसी (सीबीएम परिसम्पत्ति, बोकारो) द्वारा सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु बोकारो यातायात पुलिस को 31 बैरिकेड प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम हस्तशिल्प विकास संस्थान, हजारीबाग के द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त अजय नाथ झा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में ओएनजीसी सीबीएम परिसम्पत्ति प्रबंधक टी आर उन्नीकृष्णन नायर, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज तथा यातायात डीएसपी विद्याशंकर थे। अन्य अतिथियों में परिसम्पत्ति आलम्बन प्रबंधक बिपिन कुमार, सब सर्फेस प्रबंधक आलोक दास, भूतल प्रबंधक बिपिन प्रसाद, मानव संसाधन प्रमुख दयानंद कालुंदिया, हेड ड्रिलिंग सर्विसेस अपूर्वा ज्योति बोरा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं समन्वयक झ उरफ) डॉली कुमारी, प्रभारी सुरक्षा विष्णु पाण्डेय, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन इंचार्ज अजय कुमार दास, रामबहाल सिंह राजभाषा पदाधिकारी शशि कुमार एवं अन्य वरिष्ठ शामिल थे। उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने में ओएनजीसी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर, ओएनजीसी सीबीएम एसेट, बोकारो के एसेट मैनेजर टी.आर. उन्नीकृष्णन नायर ने अपने संबोधन में सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि एक गंभीर मुद्दा है और इसे रोकना समाज में हर किसी की सामूहिक जिम्मेदारी है। श्री नायर ने यह भी बताया कि ओ एन जी सी, एक ऊर्जा उत्पादक होने के साथ-साथ, अपने परिचालन क्षेत्र के समुदायों के प्रति पूरी तरह से समर्पित है, और ये बैरिकेड्स बोकारो में यातायात व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उनका एक छोटा सा प्रयास है। उन्होंने जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई ताकि सड़क दुर्घटनाओं की दर को न्यूनतम किया जा सके। कार्यक्रम का संचालन नरेश ठाकुर, सचिव, हस्तशिल्प विकास संस्थान, हजारीबाग द्वारा किया गया। मौके पर संस्था के कोषाध्यक्ष संजय गोप, निशिकांत सिंह, सुरेन्द्र कुमार, तथा यातायात पुलिस के कई पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

डीएवी के विद्यार्थियों का झुग्गी-झोपड़ी वासियों के दैनिक जीवन और उनकी वर्तमान समस्याओं पर क्षेत्र सर्वेक्षण

बोकारो : कला संकाय कक्षा 12वीं के डीएवी सेक्टर-4 के छात्रों ने अपने राजनीतिक विज्ञान परियोजना के अनिवार्य अंग के रूप में नजदीकी झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया। इस दौरे का व्यावहारिक उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में जीवनोयापन हेतु व्याप्त परिस्थितियों का अवलोकन करना और वहां के निवासियों के रोजमर्रा की जीवन- शैली ,चुनौतियों और आम कठिनायों को समझना था। सर्वेक्षण के दौरान छात्रों ने स्थानीय महिलाओं, बच्चों और परिवारों के अन्य सभी सदस्यों के साथ बातचीत की तथा उनसे शिक्षा, रोजगार, स्वच्छता, आवासीय परिस्थितियाँ, मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित अपनी जिज्ञासा और उत्कंठा भरे सवाल किए।छात्रों ने अपने सर्वेक्षण नोटबुक में उनकी प्रतिक्रिया और सभी उत्तरों को अत्यंत तत्परता से सावधानीपूर्वक नोट किया। इस सर्वेक्षण से छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से इतर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में एवं सतही रूप से विषय वस्तु को समझने में सहायता मिली।

पाणिनि उत्सव का आयोजन 14 को, विधायक करेंगे उद्घाटन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। संस्कृत व्याकरण के जनक महर्षि पाणिनि के योगदान को नए युग में पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से पाणिनि उत्सव समिति 14 दिसंबर को एक दिवसीय पाणिनि उत्सव का आयोजन करेगी। यह कार्यक्रम पीएम श्री उत्क्रमित पीपुल्स अकादमी प्?लस टू विद्यालय, न्यू बाराद्वारी स्थित कालिदास सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सरयू राय उत्सव का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में देश के प्रमुख भाषाविद और व्याकरणाचार्य डॉ मित्रेश्वर अग्निमित्र, बालमुकुंद चौधरी, डॉ शशिभूषण मिश्र और कंप्यूटर विज्ञान और व्याकरण के विशेषज्ञ डॉ कौस्तुभ सान्याल शामिल होंगे। यह जानकारी समिति के सचिव चंद्रदीप पांडेय, डॉ रागिनी भूषण और राजदेव सिन्हा ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। चंद्रदीप पांडेय ने बताया कि महर्षि पाणिनि रचित अष्टाध्यायी प्राचीन भारतीय भाषा विज्ञान का आधार है, जिसमें 4,000 से अधिक सूत्र हैं और जो न केवल भाषा को वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्थित करता है, बल्कि उस समय के समाज और संस्कृति का भी दस्तावेज प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी जगत में कोडिंग की अवधारणा ने विश्व का ध्यान भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर आकर्षित किया है और महर्षि पाणिनि रचित माहेश्वर सूत्रों को प्रथम कोडिंग प्रणाली के रूप में भी देखा जाता है। इसी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का उद्देश्य लेकर समिति ने पाणिनि उत्सव-2025 को समर्पित किया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विद्वानों के संभाषण के साथ-साथ पाणिनि फाउंडेशन की निदेशक रमा पोपली की पुस्तक पाणिनि पैडागोजी का लोकार्पण भी किया जाएगा।

शब्द-यात्रा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सरला बिरला पब्लिक स्कूल ओवरऑल चैम्पियन घोषित

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची ने शब्द-यात्रा 2025, इंटर स्कूल यूथ थॉट कनेक्ट फोरम के छठे संस्करण में अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। 21 विद्यालयों की भागीदारी के कारण यह प्रतियोगिता विचारों, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति का एक समृद्ध मंच बनी। लाइसियम-माइक्रो ऑडियो पॉडकास्ट श्रेणी में, कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा राज नंदिनी ने उत्कृष्ट प्रस्तुति के बल पर द्वितीय उपविजेता का स्थान हासिल किया। ऑर्गेनन-प्वाइंटकाउंटरप्वाइंट अर्थशास्त्र त्रि-चर्चा प्रतियोगिता में कक्षा ग्यारहवीं के प्रियांक प्रियम, जपजोत सिंह, रिदिशा, विनय कुमार मिश्रा तथा कक्षा बारहवीं की प्रज्ञाश्री होता ने अपनी विश्लेषणात्मक क्षमता और आर्थिक समझ का प्रभावी प्रदर्शन करते हुए प्रथम उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। इन दोनों श्रेणियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची को ओवरऑल चैम्पियन घोषित किया गया, जो विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। विद्यालय की प्राचार्या, श्रीमती मनीषा शर्मा ने छात्रों की सफलता पर अत्यधिक प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियाँ विद्यार्थियों की मेहनत, रचनात्मकता और चिंतन क्षमता का प्रमाण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मंच छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं और विद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को और सशक्त करते हैं।

चैनपुर की निर्विरोध प्रमुख बनीं प्रभा देवी

पलामू। जिले के चैनपुर प्रखंड की मझिगांवा की पंचायत समिति सदस्य प्रभा देवी शुक्रवार को निर्विरोध प्रमुख पद के लिए चुनी गयीं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निवार्ची पदाधिकारी सह सदर एसडीओ सुलोचना मीणा, प्रशिक्षु आईएएस हिमांशु लाल की देखरेख में प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में चुनाव संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि चैनपुर में करीब पांच माह पहले प्रखंड प्रमुख के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के बाद से ही पंसस के प्रमुख पद पर चुनाव कराने की तैयारी चल रही थी। वहीं सुबह 10 बजे चुनाव प्रक्रिया शुरू की गयी। चुनाव में कुल 31 में 30 पंचायत समिति सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रमुख पद के लिए मात्र प्रभा देवी ने ही नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया, जिसे जांच के बाद सही पाया गया। इसके बाद विधिवत उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा कर दी गई। निर्वाचन के बाद उन्हें प्रमाण पत्र देकर पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। जीत के बाद उनके समर्थकों ने उन्हें फूल माला पहनाकर और गुलाल लगाकर खुशी प्रकट की। योजनाओं को धरातल पर उतारना प्राथमिकता : प्रमुख मौके पर नव निर्वाचित प्रखंड प्रमुख प्रभा देवी ने जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतरना ही उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पंचायत समिति सदस्यों से आपसी समन्वय स्थापित कर प्रखंड में विकास को गति प्रदान करना भी उनके मुख्य कार्यों में शामिल रहेगा।

यातायात चेक पोस्ट का शुभारंभ, आइजी ने एसपी के साथ किया उद्घाटन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पलामू। पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ और मजबूत करने के लिए छहमुहान, रेडमा चौक के बाद बैरिया चौक पर यातायात चेक पोस्ट का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। पलामू के जोनल पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, मेदिनीनगर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद, प्रशिक्षु डीएसपी शशिरंजन, सार्जेंट मेजर सुरेश राम, यातायात प्रभारी सतेन्द्र दुबे एवं अन्य पुलिसकर्मियों के साथ फीता काटकर और शिलापट्ट का अनावरण कर उदघाटन किया। बताते चले कि बैरिया चौक पर पूर्व से यातायात चेक पोस्ट था, लेकिन उसकी स्थिति काफी जीर्ण शीर्ण अवस्था में थी। यहां ड्यूटी पर रहने वाले यातायात पुलिसकर्मियों को काफी असुविधा के बीच काम करना पड़ता था। इसे देखते हुए और व्यवस्थित तरीके से ट्रैफिक व्यवस्था देने के लिए यहां के चेकपोस्ट को ठीक किया गया। मौके पर आईजी ने कहा कि सुविधा युक्त चेक पोस्ट होने से यातायात व्यवस्था देखने वाले पुलिसकर्मियों को हर मौसम में कार्य करने में सुविधा होगी। साथ ही ड्यूटी करने में भी मन लगेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम काफी भाग दौड़ भरा होता है। ऐसे में सुविधा होने से पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और बेहतर तरीके से काम हो सकेगा।

फोर्थ ग्रेड बहाली में गड़बड़ी का आरोप, युवाओं का पलामू समाहरणालय गेट पर प्रदर्शन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पलामू। पलामू में होने वाली फोर्थ ग्रेड बहाली में गड़बड़ी का आरोप लगाकर बड़ी संख्या में युवाओं ने शुक्रवार को समाहरणालय में प्रदर्शन किया। बाद में मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। इससे पहले काली मंदिर रेडमा से रैली निकाली गयी। रेडमा चौक से होते हुए कचहरी चौक से होकर छहमुहान और फिर समाहरणालय गेट पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का समर्थन भीम आर्मी ने किया एवं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया। युवाओं की मांगों में नियुक्ति प्रक्रिया में हो रही गड़बड़ियों की तत्काल जांच, पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष एवं परीक्षा-आधारित एवं दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई आदि शामिल हैं। प्रदर्शन में आजाद समाज पार्टी के पूर्व विधायक प्रत्याशी अजय सिंह चेरो, प्रदेश प्रवक्ता राम कुमार रवि, भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला अध्यक्ष चंदू राम, संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। मौके पर अजय सिंह चेरो ने कहा कि पलामू में फोर्थ ग्रेड बहाली प्रक्रिया में जिला प्रशासन की ओर कई गड़बड़ियां की जा रही हैं। नियुक्ति प्रक्रिया में न तो पारदर्शिता दिख रही है और न ही स्पष्टता। कुछ अधिकारी इस बहाली को अवसर बनाकर गैर-संवैधानिक गतिविधियों को भी अंजाम दे रहे हैं, जो अत्यंत निंदनीय है। राम कुमार ने कहा कि यह मामला छात्रों के भविष्य से जुड़ा हुआ है और पलामू में भीम आर्मी के रहते किसी भी छात्र का भविष्य खराब नहीं होने दिया जाएगा।

बमामाईंस की समस्याओं को लेकर 'बस्ती बचाओ संघर्ष समिति' ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

14 दिसंबर को शांतिपूर्ण धरना

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के बमामाईंस क्षेत्र में लगातार बढ़ती समस्याओं को लेकर 'बस्ती बचाओ संघर्ष समिति' के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को उपायुक्त को एक विस्तृत आवेदन सौंपा और समस्याओं के समाधान की मांग की। समिति के संरक्षक एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष रामबाबू तिवारी ने बताया कि स्थानीय लोग वायु प्रदूषण, सड़क जाम, दुर्घटनाओं तथा नुवोको सीमेंट कंपनी की गाड़ियों द्वारा पुंज कंपनी परिसर में की जा रही अवैध पार्किंग जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एकझडेढ़ वर्ष में टाटा स्टील प्रबंधन द्वारा बमामाईंस की सड़कों की लगातार घेराबंदी की जा रही है, जिससे सड़कें काफी संकरी हो गई हैं, लिहाजा हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है और एंबुलेंस, स्कूल बसों, ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों एवं रेल यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। समिति ने सड़कों के तत्काल विस्तारीकरण और चौड़ीकरण की मांग की है। समिति के सदस्यों का कहना है कि बमामाईंस बाजार के पास स्थित स्लैग प्वाइंट से प्रतिदिन भारी मात्रा में धूल उड़ रही है, जिससे आसपास के निवासियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। राहगीर भी इस कारण प्रभावित हो रहे हैं। समिति ने आरोप लगाया कि नुवोको सीमेंट कंपनी की गाड़ियों का पुंज कंपनी परिसर में अवैध रूप से पार्क कराया जा रहा है। इसके नाम पर धन उगाही की बात भी कही गई। भारी वाहनों की कतार के कारण सड़क जाम होना आम बात बन गई है। समिति ने यह भी आरोप लगाया कि जुस्को से जुड़े कुछ लोग बस्ती में अफवाह फैला रहे हैं कि क्षेत्र की बस्तियों को जल्द तोड़ा जाएगा, जिससे निवासियों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। कई आवासीय मार्गों को बंद किए जाने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। इन सभी मुद्दों को लेकर बमामाईंस के निवासियों ने निर्णय लिया है कि 'बस्ती बचाओ संघर्ष समिति' के बैनर तले 14 दिसंबर, रविवार को सुबह 11 बजे दुर्गा पूजा मैदान, बमामाईंस में एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया जाएगा। इसकी पूर्व सूचना उपायुक्त को दे दी गई है। समिति ने उम्मीद जताई कि प्रशासन इन गंभीर समस्याओं पर शीघ्र कदम उठाएगा।

लोकजनशक्ति पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सितली देवी ने किया कंबल वितरण

उज्जवल दुनिया संवाददाता

टंडवा। लोकजनशक्ति पार्टी के अनुसूचित जाति जनजाति के चतरा जिला उपाध्यक्ष उडसु निवासी सितली देवी द्वारा कम्बल वितरण किया गया, सितली देवी द्वारा 100 कंबल गरीब जरूरतमंद के बीच कम्बल वितरण किया गया, सितली देवी ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है, उन्होंने कहा कि लोकजनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान का एकमात्र उद्देश्य है गरीबो का उत्थान पार्टी के निर्देश पर वह लगातार इस क्षेत्र में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आगे भी जरूरत पड़ने पर कंबल वितरण किया जाएगा।

महिला कॉलेज के भूगोल विभाग में मना फ्रेशर्स डे, श्रुति बनीं मिस फ्रेशर्स

पश्चिमी सिंहभूम। महिला कॉलेज के भूगोल विभाग में शुक्रवार को बीए प्रथम वर्ष की नई छात्राओं के स्वागत के लिए फ्रेशर्स डे कार्यक्रम उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सेमेस्टर की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुती दी और फ्रेशर्स के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया।

कांग्रेस पार्टी की 14 दिसंबर की रैली देशव्यापी बदलाव की शुरूआत होगी : केशव महतो

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 14 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम साबित होगी। उन्होंने दावा किया कि यह रैली न केवल जनता की आवाज को मजबूत करेगी, बल्कि चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच कथित मिलीभगत पर भी रोशनी डालेगी। कमलेश ने आरोप लगाया कि वर्तमान परिस्थितियों में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग खुले तौर पर किया जा रहा है, जिससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद चुनाव आयोग अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस रैली का मुख्य उद्देश्य जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और वोट चोरी जैसे गंभीर मुद्दों पर देशव्यापी आवाज बुलंद करना है। शुक्रवार सुबह केशव महतो कमलेश पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची से दिल्ली के लिए रवाना हुए। उनके साथ सौरभ अग्रवाल, कुमार राजा, त्रिशानु राय, लाल किशोर नाथ शहदेव, आलोक दुबे, राज बागची, आफताब आलम, डॉ. राजेश गुप्ता, हारुन अंसारी, संजय कुमार, ईश्वर आनंद और रबिन्द्र झा प्रमुख रूप से शामिल थे। सभी नेताओं ने बताया कि रैली को सफल बनाने के लिए पूर्ण तैयारी के साथ वे दिल्ली पहुंच रहे हैं।

एक नजर

बेहतर स्वास्थ्य हेतु नित नये-नये कदम उठा रही पूर्वोत्तर रेलव

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन अपने कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु नित नये-नये कदम उठा रही है, इसी क्रम में रेल कर्मचारियों के बेहतर इलाज एवं सुविधापूर्ण तरीके से दवा उपलब्ध कराने हेतु ललित नरायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में नवनिर्मित फामेर्सी विंग एवं बहिरंग प्रखण्ड के फसाड का उद्घाटन महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर की उपस्थिति में चिकित्सालय के वरिष्ठ सफाई कर्मी परशुराम प्रसाद ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर संजय सिंहल, प्रमुख मुख्य इंजीनियर नीलमणि, प्रधान वित्त सलाहकार अमरजीत गौतम, चिकित्सा निदेशक डा. मो. एए खान, अपर मुख्य स्वास्थय निदेशक डा. नन्द किशोर, अपर मुख्य स्वास्थय निदेशक डा. फहीम अहमद, अपर मुख्य स्वास्थय निदेशक डा. अनिता शर्मा, अपर मुख्य स्वास्थय निदेशक डा. तनु वर्मा सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी, डॉक्टर, चिकित्सकीय सुपरवाइजर एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक बोरवणकर सहित प्रमुख विभागाध्यक्षों ने चिकित्सालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। महाप्रबंधक बोरवणकर ने नव निर्मित फामेर्सी वार्ड में उपलब्ध कराई गई अत्याधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा उन्होनें चिकित्सकों को हर समय उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया। उन्होंने कर्मचारियों को दी जा रही सुविधाओं का गहनता से अवलोकन किया। नव निर्मित फामेर्सी वार्ड को पूर्णतः वातानुकूलित बनाया गया है, जिसमें 10 काउंटर बनाये गये है, जो चिकित्यालय में दवा वितरण को सुचारू एवं सुविधाजनक बनायेंगे। फामेर्सी वार्ड में मरीजों तथा उनके परिजनों को बैठने हेतु पर्याप्त एवं उत्तम व्यवस्था के साथ ही साथ पुरूष एवं महिला हेतु अलग-अलग प्रसाधन की व्यवस्था की गई है। चिकित्सा निदेशक डा. मो. एए खान ने नवनिर्मित फामेर्सी वार्ड के बारे में महाप्रबंधक को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने चिकित्सालय में चल रहे निर्माण कार्यों का गहन निरीक्षण किया।

राजस्व की क्षति रोकने के लिए व्यापक कदम

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन अपने रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए व्यापक कदम उठायें जा रहे है। इसी क्रम में महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 01 से 11 दिसम्बर, 2025 तक गोरखपुर से सीवान, गोरखपुर से बस्ती एवं गोंडा, गोरखपुर से सिसवा बाजार तथा गोरखपुर से सलेमपुर रेल खण्डों में विशेष टिकट जांच अभियान आयोजित किया, जिसमें अनधिकृत यात्रियों/बिना टिकट यात्रियों एवं पैन्ट्रीकार तथा ऑन बोर्ड स्टाफ के आई.डी. की जॉच की गयी, जिसके फलस्वरूप बिना टिकट/अनियमित टिकट के साथ/बिना बुक सामान के कुल 1434 मामले पकड़े गये, जिनसे कुल रूपया 9,24,414/-(नौ लाख चौबीस हजार चार सौ चौदह रुपए) के रेल राजस्व की वसूली की गयी। यात्रियों की सुविधा एवं रेल राजस्व की क्षति रोकने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के सभी मंडल पर निरन्तर स्पॉट चेक, एम्बुश चेक, किलाबंदी चेक आयोजित किये जा रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में आगे भी बिना टिकट यात्रा, बिना बुक किये गये सामानों की जांच, अनियमित यात्रा आदि विशेष टिकट जांच अभियान निरन्तर जारी रहेगा। रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे।

सुरक्षित एवं संरक्षित रेल यात्रा के लिए रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता

गोरखपुर। कोहरे में सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए 980 फॉग सेफ डिवाइस की व्यवस्था सभी पैसेन्जर एवं गुड्स टेज्नों में लगा जी.पी.एस. आधारित फॉग सेफ डिवाइस गोरखपुर, 12 दिसम्बर, 2025ः सुरक्षित एवं संरक्षित रेल यात्रा, रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसे सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए निरन्तर कार्य किया जाता है। सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, इस मौसम में इस क्षेत्र में कोहरे का प्रभाव रहता है, जिसे ध्यान में रखते हुए संरक्षित टेज्न संचालन हेतु सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर कुल 980 फॉग सेफ डिवाइस की व्यवस्था की गई है, जिनमें से लखनऊ मंडल में 315, इज्जतनगर मंडल में 250 तथा वाराणसी मंडल में 415 फॉग सेफ डिवाइस उपलब्ध कराये गये है। सभी प्रकार के सिगनल पोस्टों पर ल्यूमिनस स्ट्रिप लगाई गई है, सिगनल साइटिंग बोर्ड पर लाइन मार्किंग करा दिया गया है। समपारों पर लगे बैरियर पर ल्यूमिनस स्ट्रिप लगाई गई है। कोहरे के दौरान सुरक्षित, संरक्षित एवं अपेक्षाकृत तेज टेज्न संचालन में आधुनिक जी.पी.एस. आधारित फॉग सेफ डिवाइस का महत्पूर्ण योगदान है। इस डिवाइस के उपयोग में आने के पूर्व कोहरे के दौरान अधिकतम गति 60 किमी प्रति घंटा अनुमेय थी। जबकी फॉग सेफ डिवाइस के लोको में लग जाने के बाद अधिकतम अनुमेय गति 75 किमी प्रति घंटा हो गई अर्थात पहले की तुलना में अब टेज्नें कोहरे के दौरान 25 प्रतिशत ज्यादा गति से चल सकती हैं। इस फॉग सेफ डिवाइस के माध्यम से आने वाले सिगनल की जानकारी मिलने से लोको पायलटों का भरोसा बढ़ा है। इससे एक लाभ यह भी मिला है कि अब फॉग सिगनल मैन भेज कर डेटोनेटर (पटाखा) लगाने की आवश्यकता भी खत्म हुई है। कोहरे के दौरान पूर्ण ब्लॉक पद्धति एवं स्वचालित ब्लॉक पद्धति में गाडियों के संचालन के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में सभी लोको पायलटों एवं सहायक लोको पायलटों की काउसलिंग की गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों में सभी रेल खण्डों पर सभी यात्रियों एवं मालगाड़ियों में फॉग सेफ डिवाइस का उपयोग किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा कोहरे के पूर्व एवं कोहरे के दौरान सुरक्षित एवं सहज परिचालन सुनिश्चित करने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पटरियों के निगरानी के लिये रात्रिकालीन पेट्रोलिंग की जा रही है।

सेमीफाइनल मैच में पूर्वोत्तर रेलव ने प्रतिद्वंदी टीम दक्षिण रेलवे हराकर फाइनल में प्रवेश

गोरखपुर। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे के तत्त्वावधान में 10 से 13 दिसम्बर, 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में खेली जा रहीं 32वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बास्केटबॉल प्रतियोगिता-2025 के तीसरे दिन 12 दिसम्बर, 2025 को सायं सत्र में खेले गये सेमीफाइनल मैच में पूर्वोत्तर रेलवे ने प्रतिद्वंदी टीम दक्षिण रेलवे पर को कड़े मुकाबले में 75-64 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्वोत्तर रेलवे के भीम सिंह, राम आसरे, सूर्यभान सिंह, दीपक, मनोज, अजय मल्ल ने शानदार प्रदर्शन किया। इसके पूर्व, मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे ने प्रातःकालीन सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से पश्चिम रेलवे को 47-39 अंको से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। प्रातः काल के अन्य मैच में उत्तर रेलवे ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे को 41-29 अंकों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

उधवा। प्रखंड क्षेत्र के जी. एन. उच्च विद्यालय अमानत पियारपुर में शुक्रवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निर्देशानुसार मंथन संस्था, चाइल्ड हेल्पलाइन, संरक्षण पदाधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां कार्यक्रम का संचालन मंथन संस्था के समन्वयक अमन वर्मा ने किया। इस मौके पर उन्होंने छात्राओं को सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, आत्मरक्षा के कौशल, तथा कठिन परिस्थितियों में साहसपूर्वक खड़े होने के लिए प्रेरित किया। वही उन्होंने कहा कि बाल विवाह, बाल श्रम और शोषण जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने में सामूहिक सामाजिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उधर संस्थागत देखरेख की चंदा कुमारी ने ह्यबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओह्व योजना के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना लैंगिक समानता, शिक्षा, वित्तीय सुरक्षा एवं लड़कियों के खिलाफ हानिकारक प्रथाओं को समाप्त करने पर केंद्रित है। वही चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मो. इकबाल ने वर्ष 2015 में शुरू की गई इस योजना की पृष्ठभूमि बताते हुए छात्राओं को गुड टच बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण, पोक्सो एक्ट, नशा मुक्ति, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण तथा किशोर न्याय अधिनियम से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। वही शोभा कुमारी ने बच्चियों को एंटी साइबर क्राइम से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी तथा बताया कि किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत टोल फ्री नंबर 1930 पर संपर्क करें। उधर पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई ताकि वे स्वच्छ एवं स्वस्थ रह सकें। इस कार्यक्रम में शबनम प्रवीण, संजीव कुमार, रूपेश्वर कुमार सहित अन्य पीएलवी उपस्थित थे।

समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में मालदा रेलमंडल के डीआरएम ने उपायुक्त व झामुमो नेता के साथ की बैठक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त हेमंत सती, झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के साथ मालदा रेलमंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने बैठक की। जहां शहर के पश्चिमी व पूर्वी रेलवे फाटक पर बनाए जाने वाले रेल ओवरब्रिज को लेकर कई तरह की चर्चा हुई। उधर बैठक के बाद झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने बताया कि साहिबगंज शहर का विकास करना उनकी पहली प्राथमिकताओं में शामिल है। जहां जिले की जनता ने जिस विश्वास के साथ विधानसभा चुनाव में झामुमो पार्टी को अपना समर्थन देकर राज्य में सरकार बनाई है उनके भरोसे पर खड़ा उतरना ही पार्टी का मूल उद्देश्य है। आगे उन्होंने कहा कि दिसंबर माह के अंत में आरओबी का काम शुरू हो जाएगा।

झामुमो पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मालदा डीआरएम को विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

साहिबगंज। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा की अगुवाई में शुक्रवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व रेलवे मालदा रेलमंडल के रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए जिले के समग्र रेल विकास की माँग रखी। जहां इस प्रतिनिधिमंडल में झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के अलावा कई स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे। उधर सौंपे गए ज्ञापन में साहिबगंज रेलवे स्टेशन और जिले के रेल नेटवर्क को आधुनिक बनाने से जुड़ी 16 प्रमुख माँगें शामिल की गई हैं। जहां मुख्य मांगो में साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर 24 कोच क्षमता वाली उच्च स्तरीय वाशिंग पिट के निर्माण की माँग की गई जो यहां वर्षों से लंबित है। उधर प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर यात्री शेड का विस्तार करते हुए। रेलयात्रियों की सुविधा बढ़ाने हेतु बड़ा शेड बनाने की आवश्यकता बताई गई। वही रेलवे स्टेशन के दोनों तरफ के प्लेटफार्म पर एस्कलेटर सुविधा तत्काल चालू करने की माँग की गई। जहां मालदा डीआरएम को बताया गया कि प्लेटफॉर्म नंबर 2 की पुरानी सीढ़ी तोड़े जाने से बुजुर्गों और महिलाओं को परेशानी हो रही है इसलिए एस्कलेटर को तुरंत शुरू किया जाए। वही 15 विभिन्न ट्रेनों के विस्तार जिसमें नई कोच सुविधा और नई ट्रेनों की माँग की गई। जिसमें 13428/13427 साहिबगंज हावड़ा इंटरसिटी में एसी चेयर कार की सुविधा, 13415/13416 मालदा पटना एक्सप्रेस का बनारस तक विस्तार, 13419/13420 जनसेवा एक्सप्रेस को साहिबगंज से चलाने की माँग, 18604/18605 रांची भागलपुर एक्सप्रेस का साहिबगंज तक विस्तार, साहिबगंज रामपुरहाट टाटानगर के लिए नई ट्रेन सेवा, वंदे भारत को भागलपुर हावड़ा रूट पर साहिबगंज होकर चलाने की अपील की गई। वही साहिबगंज दिल्ली दैनिक सुपरफास्ट ट्रेन, साहिबगंज रांची इंटरसिटी वंदे भारत, अंग एक्सप्रेस, अपर इंडिया एक्सप्रेस, जयनगर एक्सप्रेस और गरीब रथ का साहिबगंज तक विस्तार एवं पुनः संचालन शुरू किया जाए। वही झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने कहा कि साहिबगंज जिला एक व्यापारिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्टेशन है। यहाँ की रेल सुविधाएँ बढ़ने से संपूर्ण संथाल परगना का विकास तेज होगा।

जनता दरबार में अपर सर्माहता ने सुनी आमलोगों की समस्याएं, दिया कार्यवाही करने का भरोसा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज। समाहरणालय स्थित अपर समाहर्ता कार्यालय प्रकोष्ठ में शुक्रवार को अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक पहुँचे और अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के मुखिया के समक्ष रखीं। जहां इस जनता दरबार कार्यक्रम में भूमि विवाद, पेंशन भुगतान, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली आपूर्ति, शिक्षा व्यवस्था और अन्य विभागीय मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। इस मौके पर अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। आगे उन्होंने साफ कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि हर नागरिक को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराना है। वही अपर समाहर्ता ने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभागों को अपने स्तर से की गई कार्रवाई की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से उपायुक्त कार्यालय को सौंपनी होगी, ताकि मॉनिटरिंग और पारदर्शिता बनी रहे। आपको बता दें कि साहिबगंज जिले में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार कार्यक्रम का आयोजन होता है।

अंडर 16 जिला क्रिकेट लीग के दूसरे सेमीफाइनल में नवोदय विद्यालय ने 66 रन से जीत हासिल कर फाइनल में बनाई जगह

नवोदय विद्यालय की टीम व संत जेवियर स्कूल बी की टीम के बीच अब होगा फाइनल मुकाबला

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज। जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिद्धो कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर 16 जिला क्रिकेट लीग टूनामेंट का दूसरा सेमी फाइनल मैच शुक्रवार को संत जेवियर ए बनाम नवोदय विद्यालय के बीच खेला गया। जहां नवोदय विद्यालय की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 25 ओवर में 9 विकेट पर 176 रन बनाया। जिसमें सोनू कुमार साह ने 96, प्रीतम रविदास 21 व मो. इबकार 13 रन बनाए। उधर संत जेवियर स्कूल ए के गेंदबाज आदित्य यादव ने 4 व देवांशु राज 2 ने विकट लिया। वही जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी संत जेवियर स्कूल ए की टीम ने 21 ओवर में 110 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जहां विराट कुमार में 15, शांतानु कुमार ने 15, सूरज राज ने 15, पुष्कर ने 15, पार्थ सिंह ने 13 रन की पारी खेली। वही नवोदय विद्यालय के गेंदबाज अभिषेक कुमार ने 5, सोनू साह ने 2 विकेट लिए। जहां नवोदय विद्यालय ने 66 रन से जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। उधर नवोदय विद्यालय के खिलाड़ी सोनू कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। जहां मुख्य अतिथि डॉ. मुकेश कुमार ने सोनू कुमार को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। इस मैच में अंपायरिंग मो. अशफाक आलम व श्याम रंजन तिवारी एवं स्कोरिंग अनाउल्लाह अंसारी ने किया। इस मौके पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा सहित अन्य मौजूद थे। वही टूनामेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि टूर्नामेंट के फाइनल में अब नवोदय विद्यालय की टीम व संत जेवियर स्कूल बी की टीम के बीच मुकाबला होगा।

फसल सुरक्षा हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

राजमहल। प्रखंड क्षेत्र के खुटहरी एवं महासिंहपुर पंचायत में शुक्रवार को किसानों के लिए दो दिवसीय फसल सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जहां दोनों पंचायतों में कुल 48-48 किसानों ने भाग लेकर कृषि विज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त की। जहां यह प्रशिक्षण कृषक उपकार लाइवलीहुड अपलिफ्टमेंट द्वारा संचालित एग्री क्लीनिक सेंटर, राजमहल के सौजन्य से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि समन्वयक निकेश कुमार एवं प्रशिक्षक दीपक कुमार के द्वारा किसानों को फसल सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। जहां प्रशिक्षण के दौरान किसानों को विशेष रूप से निम्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें बीज उपचार की प्रक्रिया एवं लाभ, मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व, फसलों में पाए जाने वाले हानिकारक कीट एवं रोगों की पहचान, एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन की तकनीकें एवं सुरक्षित एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के उपाय बताए गए। उधर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को फसल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना, उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करना तथा कृषि कार्यों को अधिक वैज्ञानिक एवं टिकाऊ बनाना था। जहां जिला प्रशासन द्वारा ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने का प्रयास निरंतर जारी है।

वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली के लिए जमुआ से कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली रवाना

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गिरिडीह। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली महा-सम्मेलन ह्लवोट चोर गद्दी छोड़ह्व रैली में शामिल होने के लिए जमुआ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहपूर्ण माहौल में रवाना हुए। रैली का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा वोट चोरी के खिलाफ देशव्यापी जन-आंदोलन को सशक्त बनाना है। रवाना होने से पूर्व, कांग्रेस नेता अनिल चौधरी ने कहा कि संविधान निमार्ताओं ने जिस निष्ठा और लगन से हमारा संविधान बनाया, आज वही लोकतांत्रिक मूल्य चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठते सवालों से संकट में दिखाई देते हैं। संविधान की रक्षा और वोट चोरी के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए हम देवरी की टीम के साथ दिल्ली में आयोजित इस महा-सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे हैं। लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ यही हमारा संकल्प है। इस अवसर पर प्रखण्ड अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि जब तक चुनाव आयोग पूरी तरह निष्पक्ष नहीं होता, तब तक सड़क से लेकर सदन तक हम आंदोलन के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए यह आंदोलन समय की मांग है। रैली में शामिल होने वालों में कपिलदेव राय, बच्चू राय, सत्यानंद राय (मुन्ना), रजनीश कुमार, अविनाश कुमार सिंह, मंजूर अंसारी, दिनेश राम सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता सम्मिलित हैं, जो जमुआ विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से देवरी होते हुए दिल्ली के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। रवानगी के समय कार्यकताओं में जोश और उमंग स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यकताओं ने कहा कि यह रैली केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा का व्यापक जन-संकल्प है।

गिरिडीह : बीस वर्षों से फरार नक्सली गिरफ्तार

गिरिडीह। अर्धसैनिक बलो के सहयोग से बिहार एसटीएफ ने गिरिडीह की कैदी वाहन घटना में शामिल इनामी भाकपा माओवादी मोतीलाल किस्कू को संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया है। करीब 20 वर्षों से फरार इनामी नक्सली मोती लाल किस्कू को गिरिडीह के देवरी थाना इलाके से पकड़ा गया है। मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना पर फरार नक्सली मोती लाल को देवरी के गांव से गुरुवार रात में उस वक्त दबोचा गया जब वह अपने गांव में आराम फरमा रहा था। इसी दौरान जॉइंट ऑपरेशन में चकाई पुलिस और जवानों ने मोती लाल को दबोचा। जानकारी के अनुसार मोती लाल जमुई जिले के चकाई के चिहरा थाना इलाके के हरनी गांव का रहने वाला था, और पिछले 20 वर्षों से नक्सली संगठन में सक्रिय था । मोती लाल चकाई के जीवलाल पासवान हत्याकांड में शामिल था, इसके अलावा इसके खिलाफ जमुई और गिरिडीह के कई थानो में नक्सली घटना के केस दर्ज है। मोतीलाल मुठभेड में मारे गये जोनल कमेटी के सदस्य और इनामी नक्सली चिराग दा के दस्ते में भी शामिल था।और इसके दस्ते में एके 47 लेकर चलता था । गिरिडीह में 16 साल पहले हुए कैदी वाहन काण्ड में भी इसका नाम सामने आ रहा है। पुलिस सूत्र बता रहे है की मोती लाल किस्कू को गिरिडीह और जमुई के सीमावर्ती इलाके के पोझा बरमोरिया में नक्सलियो की ओर से छिपाए गए हथियार का भी पुख्ता जानकारी है । इसके गिरफ्तारी के बाद से इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

एक नजर

साहिबगंज कोचिंग यार्ड में डीआरएम की उपस्थिति में शंटिंग मेला हुई आयोजित

साहिबगंज। पूर्व रेलवे के मालदा रेलमंडल की ओर से शुक्रवार को साहिबगंज रेलवे स्टेशन के कोचिंग यार्ड में शंटिंग मेला आयोजित किया गया। जहां इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शंटिंग कार्य में शामिल फील्ड स्टाफ को सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना और प्रक्रियाओं के अनुपालन को मजबूत करना था। इस मौके पर मालदा रेलमंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने शंटमैन, शंटर, पॉइंट्समैन सहित अन्य फ्रंटलाइन स्टाफ से बातचीत करते हुए सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया। वही उन्होंने सुरक्षा तैयारियों का निरीक्षण भी किया। जहां सभी रेलकर्मियों को मूवमेंट, सिग्नलिंग, समन्वय और संचार से जुड़ी सही प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई, ताकि शंटिंग कार्य सुरक्षित व सुचारू रूप से हो सके। इस मौके पर सीनियर डीओएम अमरेन्द्र कुमार मौर्य, स्टेशन अधीक्षक, ट्रैफिक इंस्पेक्टर और अन्य शाखा अधिकारी मौजूद थे।

नेशनल स्कूल गेम्स एथलेटिक्स अंडर 17 में भाग लेने के लिए जिले से 6 एथलीट पहुंचे लखनऊ

साहिबगंज। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 13 से 17 दिसंबर 2025 तक गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, लखनऊ (उत्तरप्रदेश) में आयोजित 69 वीं नेशनल स्कूल गेम्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता, अंडर 17 में खेल विभाग द्वारा सिद्धो कान्हू स्टेडियम में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के 6 ट्रेनी एथलीट जो प्रशिक्षक योगेश यादव के नेतृत्व में अभ्यास करते हैं एवं प्लस टू राजस्थान उच्च विद्यालय के छात्र हैं जो झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा चंदनक्यारी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बोकारो में आयोजित 20 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर उपरांत लखनऊ पहुंचे। जिसमें पृथ्वी राज मंडल (जेवलिन थ्रो), परमा हांसदा (4 गुणा 100 मीटर रिले), एमानुएल किस्कू (110 मीटर हर्डल्स एवं 4 गुणा 100 मीटर रिले), प्रेमचंद मुर्मू (हैमर थ्रो), जमशेद अंसारी (5000 मीटर पैदल चाल), कृष्णा कुमार (4 गुणा 400 मीटर रिले) में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। उधर सभी 6 खिलाड़ियों एवं इनके कोच योगेश यादव को उपायुक्त हेमंत सती, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, आईटीडीए निदेशक संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष समेत जिले के खेलप्रेमियों ने अग्रिम जीत की शुभकामनाएं दी है।

जिले में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे (सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस) का आयोजन

साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में शुक्रवार को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे (सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस) के अवसर पर व्यापक जागरूकता और कानूनी साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली द्वारा जारी निदेर्शों के अनुपालन में आयोजित किया गया था। उधर इस पहल का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के बीच स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों और विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करना है। उधर डालसा, विधिक सेवा समितियों (टीएलएससी) और पारा लीगल वालंटियर्स ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों और विभिन्न सरकारी योजनाओं, विशेषकर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र के बारे में जागरूक किया। जहां जागरूकता कार्यक्रमों में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, मिशन इंद्रधनुष, जननी सुरक्षा योजना और राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम जैसी कई योजनाओं को शामिल किया गया। उधर प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि जिलेभर में विभिन्न स्थानों, विद्यालयों और पंचायतों में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, जहाँ लीगल एंड डिफेन्स कौंसिल, न्याय रक्षक, पारा लीगल वालंटियर्स व न्याय मित्रों के द्वारा अस्पतालों, विद्यालयों, वृद्धाश्रम, पंचायतों और अन्य स्थानों पर नागरिकों को उनके स्वास्थ्य अधिकारों और उपलब्ध सरकारी सहायता, स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी और मुफ्त इलाज के अधिकारों को बताया। वही पीएलवी ने लाभार्थियों, विशेषकर गरीब परिवारों की पहचान करने और उन्हें ई कार्ड जनरेट करने में सहायता की ताकि वे बिना किसी अवैध शुल्क के उपचार का लाभ उठा सकें। आगे श्री भगत ने बताया कि जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ मिलकर उच्च जोखिम वाले औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के स्वास्थ्य अधिकारों और सरकारी सलाहों पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डालसा ने यह सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाए हैं कि सभी नागरिकों को वित्तीय कठिनाई के बिना आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें।

सिद्धो कान्हु स्टेडियम में अंडर 14 क्रिकेटर्स का हुआ ट्रायल, 30 खिलाड़ियों ने हुनर का किया प्रदर्शन

साहिबगंज। जेएससीए के तत्वाधान में दुमका, गोड्डा व पाकुड़ में आयोजित होने वाले अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शुक्रवार को सिद्धो कान्हू स्टेडियम में खिलाड़ियों का ट्रायल हुआ। जहां इस दौरान चयन समिति के समक्ष 30 खिलाड़ियों ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने हुनर का प्रदर्शन किया। उधर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा की मौजूदगी में ट्रायल में शामिल हुए जिले के 30 निबंधित खिलाड़ियों का जन्म प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, माता पिता का वोटर कार्ड, स्कूल का रिजल्ट एवं स्कूल का बोनाफाइड प्रमाणपत्र भी जांच किया गया। इस मौके पर चयन समिति सदस्य मो. अशफाक आलम, गोपाल सिंह, श्याम रंजन तिवारी, अजीत, चंदन यादव व अन्य मौजूद थे। जहां इसको लेकर जिला सचिव ने बताया कि साहिबगंज का पहला मैच दुमका से 14 दिसंबर को दुमका में होगा। जबकि दूसरा मैच 21 दिसंबर को गोड्डा से गोड्डा में होगा एवं तीसरा मैच 23 दिसंबर को पाकुड़ से पाकुड़ में होगा।

न्याय की देरी – मानवाधिकार की अनसुनी चीख

नीरज कृष्ण

दुनिया में कहीं भी लोकतंत्र का अर्थ है–नागरिक सुरक्षित महसूस करें, और अन्याय का सामना करने पर उन्हें विश्वास हो कि न्याय मिलेगा। पर भारत में यह विश्वास लगातार टूट रहा है।जब एक आम नागरिक किसी गलत का शिकार होता है, वह अदालतों का दरवाजा इसलिए खटखटाता है क्योंकि उसे लगता है कि न्याय मिलेगा। पर जो परिस्थिति उसे मिलती है वह यह–तारीख पर तारीख, पीढ़ी पर पीढ़ी, और न्याय कहीं क्षितिज में खोता हुआ।

भारत में न्याय की देरी सिर्फ. कागजों की समस्या नहीं, बल्कि लाखों नागरिकों के अधिकारों की लगातार हत्या है। फैसलों के लिए वर्षों तक इंतजार करना, जीवन और सम्मान को दरकिनार करना, और पीड़ितों को उम्मीद की लौ बुझते देखना–यही वास्तव में सबसे घातक और अनदेखा मानवाधिकार उल्लंघन है।

भारत आज उन दुर्लभ देशों में गिना जा रहा है जहाँ लोकतंत्र की सबसे बुनियादी शर्त–समय पर न्याय–लगातार टूट रही है। आँकड़े केवल संख्या नहीं; वे देश की सामूहिक पीड़ा का जीवंत दस्तावेज हैं।भारत के न्यायालयों में5.50करोड़ मुकदमेपेंडिंग पड़े हैं–इतने कि अगर कोई नागरिक आज अपनी शिकायत लेकर अदालत जाए, तो यह बिल्कुल निश्चित नहीं कि उसका फैसला उसके जीवनकाल में आएगा भी या नहीं।

सरकार द्वारा जारी ताजातरीन आंकड़ों के अनुसार, देश के25 उच्च न्यायालयों में 63,63,406 मामलेऔर निचली अदालतों में4,84,57,343 मामलेलंबित हैं। इस विशाल बोझ के बीच केवलसुप्रीम कोर्ट में ही 90,897 मामलेलंबित पड़े हैं–वह सर्वोच्च संस्थान जिसे संविधान ने ह्यअंतिम न्यायह्न का संरक्षक बनाया था। यह स्थिति न केवल न्याय की गति पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि यह देश की लोकतांत्रिक नींव के लिएसर्वोच्च चेतावनीभी है। जब न्यायपालिका की सर्वोच्च अदालत भी इस दबाव में पेंडिंग मामलों के बोझ तले दब जाए, तो यह स्पष्ट संकेत है किभारत का न्याय तंत्र एक गंभीर जटिल संकट से गुजर रहा है,जहाँ फैसले समय से नहीं, बल्कि दशकों बाद दिए जा रहे हैं, और लाखों नागरिकों की उम्मीदें लगातार कुचली जा रही हैं।

यह पेंडेंसी सिर्फ एक आँकड़ा नहीं; यह उन करोड़ों ज़िंदगियों का धधकता हुआ ताप है जो अदालतों की चौखट पर सूखती जा रही हैं। गाँव का किसान हो या महानगर का व्यापारी, मजदूर हो या उद्यमी–हर वर्ग इस देरी की मार झेल रहा है। न्याय का यह ठहराव सिर्फ कानूनी समस्या नहीं, यह सामाजिक अन्याय का नया रूप है। क्योंकि न्याय में देर, सीधी भाषा में, न्याय का इनकार है। देश में ऐसे लाखों लोग हैं जिनकी सारी उम्र अदालतों की तारीखों और वकीलों के चक्कर में कट जाती है; घर-बार बिक जाते हैं, रिश्ते टूट जाते हैं, लेकिन फैसला नहीं आता। जिनके लिए अदालतें उम्मीद की आखिरी जगह थीं, वही अब निराशा का स्थायी पता बन गई हैं।

अदालतें फाइलों के बोझ से दबी हुई हैं–इतनी कि जजों की मेजें नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था ही फाइलों के नीचे दम तोड़ती दिखती है। जजों की संख्या कम, संसाधन सीमित, प्रक्रियाएँ जटिल और तकनीक का इस्तेमाल न्यूनतम–इन सबने मिलकर न्याय को विलंब की एक अंतहीन सुरंग में धकेल दिया है। यह स्थिति सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, यह नागरिक अधिकारों पर सीधा हमला है। क्या एक लोकतंत्र में यह स्वीकार्य है कि निर्णय की प्रतीक्षा में ही नागरिकों की ज़िम्मेदारियाँ और अधिकार दोनों क्षीण हो जाएँ?

हैरानी की बात यह है कि जब-जब सरकारें न्यायिक सुधार की बात करती हैं, तब-तब कागजों में बड़े-बड़े वादे लिखे जाते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि जमीन पर सुधार की गति भी न्याय की गति जितनी ही धीमी है। नई अदालतें खुलती हैं, पर उतनी ही तेजी से नए मुकदमों का अंबार लग जाता है। जज नियुक्त होते हैं, पर मुकदमों की संख्या उनसे कहीं तेजी से बढ़ती जाती है।

भारत में न्यायाधीशों की कमी एक ऐसी बुनियादी खाई है जिसे हम दशकों से भरने में असफल रहे हैं। प्रति लाख आबादी पर सिर्फ 21 जज–यह संख्या बताती है कि भारत अपनी आबादी के लिए आधा न्याय भी उपलब्ध नहीं करा पाता। विकसित देशों में यही संख्या 50 से 100 के बीच होती है, जहाँ अदालतें निर्णय देने में तेज, सक्षम और नागरिकों के प्रति उत्तरदायी हैं। लेकिन भारत में न्याय का पहला संकट ही यह है कि न्याय देने वाले पर्याप्त लोग ही नहीं हैं।

इस संकट को और गहरा बनाती हैं हमारी पुरानी और जर्जर न्यायिक प्रक्रियाएँ। देश डिजिटल इंडिया बनने का दावा जरूर करता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि अदालतों के रिकॉर्ड आज भी कागज के अनगिनत पहाड़ों में दबे पड़े हैं। नोटिस भेजने की प्रक्रिया, समन सर्विस, गवाहों का सत्यापन–सब कुछ दशकों पुरानी पद्धतियों पर चलता है, और हर कदम में महीनों की देरी स्वाभाविक हो जाती है। प्रक्रियाओं की यह जकड़न न्याय को एक अंतहीन इंतजार में बदल देती है।

और इन दोनों समस्याओं के ऊपर सबसे बड़ा भार है–सरकार का अपने ही न्यायिक तंत्र पर बोझ बन जाना। भारत में लंबित मामलों में से 50 प्रतिशत से अधिक ऐसे हैं जिन्हें सरकारें या सरकारी विभाग स्वयं अदालतों में ले जाते हैं। यह अपने आप में एक दुर्लभ विडंबना है कि जिस व्यवस्था को न्यायिक बोझ कम करना चाहिए, वही व्यवस्था सबसे बड़ा मुकदमेबाज बनकर अदालतों में अंबार लगा रही है। परिणाम यह कि सीमित जज, धीमी प्रक्रियाएँ और सरकारी मुकदमों की बरसात मिलकर न्यायपालिका को एक ऐसी थकान में धकेल देती हैं जहाँ न्याय देना नहीं, बल्कि फाइलों में दब जाना एक नियति बन गया है।

अदालतों में हर तारीख, हर सुनवाई, हर समन, और हर नोटिस–सब धीमी, जर्जर और पुराने नियमों के तहत चल रहे हैं। न्याय की यह धीमी गति सिर्फ पीड़ितों को नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को भी प्रभावित करती है। जमीन विवादों के कारण परियोजनाएँ रुकी रहती हैं, व्यापारिक फैसले टलते हैं, और छोटे व्यापारी तथा आम नागरिक लंबे समय तक न्याय की प्रतीक्षा में हाशिए पर चले जाते हैं।

जिस देश की अदालतों मेंकरोड़ों मामले साँसें गिन रहे हों, जहाँ हर तारीख एक ज़िंदगी को और तोड़ देती हो–उसी देश में 2026 के कैलेंडर में365 में से सिर्फ 219 कार्य-दिवसघोषित किए जाना किसी संवैधानिक मजाक से कम नहीं। न्याय की डूबती नैया को अधिक काम, अधिक समय, अधिक प्रयास चाहिए था, लेकिन शीर्ष न्यायालयों ने कार्य-दिवस घटाकर हालात और भी भयावह बना दिए।

जब लाखों लोग न्याय की प्रतीक्षा में तिल-तिल जल रहे हों, तब अदालतों के कामकाजी दिन घटते जाना क्या न्याय पर ताला लगाने जैसा नहीं है ?यह कैसी व्यवस्था है जिसमें जनता पीड़ा में डूबी है और संस्थाएँ अपने ही समय-सारिणी को आरामदेह बनाने में व्यस्त ? न्याय की ऐसी उदासीनता न केवल असंगत है, बल्कि लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है–क्योंकि जहाँ अदालतों का समय कम हो जाता है, वहाँ न्याय अंतिम साँसें लेने लगता है।

भारत का न्यायिक तंत्र आज इस स्थिति में खड़ा है कि न तो वह अपनी कमजोरियों को स्वीकार कर सकता है और न ही उनसे बाहर निकलने का साहस जुटा पा रहा है। सुधार की बातें अक्सर होंगी, लेकिन उनका कागजों तक सीमित रह जाना न्यायिक असफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। अदालतें फाइलों और लंबित मामलों के बोझ से दब रही हैं, जबकि सरकारें राजनीतिक प्राथमिकताओं में उलझी हुई हैं और न्याय के लिए आवश्यक कदम नहीं उठा रही हैं। न्यायाधीशों की संख्या कम है, लेकिन नियुक्तियों और कॉलेजियम की प्रक्रियाओं में उलझन इतनी लंबी है कि न्याय की गति और भी धीमी हो गई है। परिणामस्वरूप, न्यायिक तंत्र एक स्थायी जकड़न में फँसा हुआ प्रतीत होता है, जहाँ सुधार की जरूरत स्पष्ट है, पर कार्रवाई और परिणाम कहीं दूर हैं।

गांव में थाना खुलना कोई हर्ष का विषय नहीं, बल्कि यह समाज में फैली अनैतिकता और न्याय के प्रति उदासीनता का प्रतीक है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर समाज में ऐसा क्या हो गया है कि अदालतें इतनी बड़ी संख्या में मामलों से भरी पड़ी हैं। सवाल केवल यह नहीं कि न्यायालयों में करोड़ों केस पेंडिंग हैं, बल्कि यह है कि इतने धर्म-कर्म, इमोशंस, भाईचारे और सद्गुणों के बीच भी लोग न्याय की मांग क्यों अदालतों तक ले जाते हैं।

कहाँ चला गया वह आपसी सम्मान, वह नैतिकता, वह स्वन्याय और संवाद की भावना, जो किसी विवाद को घर या समुदाय के स्तर पर सुलझा सकती थी? क्यों हर व्यक्ति न्याय को केवल अदालतों तक सीमित मानता है और अपने भीतर के संवेदनशील न्याय भाव को भूल गया है?

समाधान स्पष्ट है–हमें स्थानीय न्याय व्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करना होगा। प्रत्येक गांव में न्यायपंचायतों को सक्रिय किया जाना चाहिए ताकि छोटे-मोटे घरेलू और सामाजिक विवाद वहीं सुलझाए जा सकें। घर के झगड़े घर में ही निपटाने की व्यवस्था होनी चाहिए, और व्यापारिक या सामुदायिक विवादों के लिए अपनी स्थानीय न्याय मंडलियां हों। इससे न्यायालय केवल संवैधानिक व्याख्या और बड़े मामलों पर ध्यान केंद्रित कर पाएँगी, जबकि समाज अपने भीतर ही विवादों को सुलझाने की क्षमता विकसित करेगा।

इस तरह की प्रणाली न केवल न्यायालयों पर बोझ कम करेगी, बल्कि समाज में आपसी सम्मान, नैतिकता और स्वन्याय की भावना को भी पुनर्जीवित करेगी।

भारत की न्यायपालिका आज उस संकट में है जहाँ अदालतें थक चुकी हैं और लोग टूट चुके हैं। करोड़ों लंबित मामले, धीमी प्रक्रियाएँ, जजों की कमी और राजनीतिक जकड़न ने मिलकर न्याय को धीमा, बोझिल और अप्राप्य बना दिया है। इस प्रणाली में सिर्फ. फाइलें पेंडिंग नहीं हैं–लाखों ज़िंदगियाँ, सपने, रिश्ते और भरोसे भी पेंडिंग हैं।

सवाल अब केवल यह नहीं कि कितने केस लंबित हैं, बल्कि यह है कि कितनी पीड़ा और अन्याय को सहन करना बाकी है, और क्या हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था इसे झेल पाएगी। जब न्याय पाने का हर रास्ता लंबित फाइलों, तारीखों और अनंत इंतजारों में खो जाए, तो यह केवल कानूनी विफलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नैतिक संकट बन जाता है।

समाधान स्पष्ट हैं–जजों की संख्या बढ़ाना, प्रक्रियाओं को सरल और डिजिटल बनाना, सरकारी मुकदमों को स्थानीय स्तर पर हल करना, और समाज में स्वन्याय और मध्यस्थता की भावना को पुनर्जीवित करना। यह केवल न्यायपालिका का काम नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

अन्यथा, भारत उस स्थिति में पहुँच जाएगा जहाँ अदालतें थक जाएँगी, लोग टूट जाएँगे, और न्याय केवल एक भूतिया शब्द बनकर रह जाएगा। यही देश के लिए सबसे खतरनाक संकट है–एक ऐसा संकट जो केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक रूप से राष्ट्र की जड़ें खोखली कर देता है।

अब वक्त है–चुप रहने का नहीं, न्याय को जीवित करने का।जहाँ अदालतें थक गई हैं, वहाँ हमें समाज, तकनीक और सक्रिय भागीदारी से न्याय की नई राह बनानी होगी। यही एकमात्र तरीका है कि अदालतें थकें, लेकिन लोग टूटें नहीं, और भारत का लोकतंत्र अपनी आत्मा बचाए रखे।

लेखक के निजी विचार है।

देश की अदालतों में 5.50 करोड़ केस पेंडिंग

संपादकीय

दुनिया की दिवाली

इसमें दो राय नहीं कि हमारी अमूर्त विरासतें प्राचीन और आधुनिक सभ्यता के बीच पुल का काम करती हैं। यह महज एक स्मृति नहीं, वरन एक निरंतर बहती जीवंत विस्तारित नदी की भांति है। इसी आलोक में दिवाली को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया जाना हर भारतीय के लिये गर्व व सुकून का विषय है। निस्संदेह, दिवाली हमारी सनातन संस्कृति व सभ्यता की आत्मा रही है। प्रकृति के अहसासों के अनुरूप अंधेरे के खिलाफ उजाले की जंग की प्रतीक। समाज में समता का संदेश की गरीब के घर भी भरपूर रोशनी पहुंचे। किसी भी समाज में कुम्हार, मूर्तिकार,खील बताशे वाले से लेकर व्यापारी के घर तक लक्ष्मी पहुंचे। उल्लेखनीय है कि दिवाली को यह स्थान मिलने से पहले कुंभ मेले समेत देश की 15 धरोहरें इस सूची में शामिल हैं। बता दें कि इस वर्ष 19 अक्तूबर को दीपोत्सव पर अयोध्या में सरयू की राम पैड़ी पर जब 26.17 लाख दीये जलाये गए थे तो इस उपलब्धि का प्रकाश पूरी दुनिया में फैला था। गिनीज बुक आफ विश्व रिकॉर्ड में आयोजन दर्ज हुआ था। इस के बाद ही संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को ने अमूर्त विश्व धरोहर सूची में दिवाली को शामिल किया है। इससे पहले कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला,छाऊ नृत्य, दुर्गा पूजा आदि इस सूची में शामिल है। उल्लेखनीय है कि भारत यूनेस्को की इंटर–गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की बीसवीं बैठक की दिल्ली में मेजबानी कर रहा है, जो 13 दिसंबर को समाप्त होगी। दिवाली को संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा मानकर देश के विभिन्न भागों में दस दिसंबर को दीपावली समारोह आयोजित करने का भी फैसला लिया गया था। मकसद यही था कि ताकि विश्व के सामने इस पर्व को मजबूत सांस्कृतिक पहचान के रूप में पेश किया जा सके। निस्संदेह, दिवाली न केवल संस्कृति–प्रकृति से जुड़ी है बल्कि ज्ञान व सनातन धर्म की भी पर्याय है। निस्संदेह, इस घोषणा से इस पर्व को वैश्विक मान्यता मिल सकेगी। दरअसल, यूनेस्को ऐसी सांस्कृतिक व पारंपरिक चीजों को इस सूची में शामिल करता है जो मूर्त रूप में तो नहीं होती, मगर किसी समाज में उसकी व्यापक मान्यता होती है। वास्तव में, यूनेस्को के ऐसे प्रयासों का मकसद यही रहा है कि आने वाले समय में दुनिया की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहरें सुरक्षित रहें। जिससे भविष्य की पीढ़ियों को इसका लाभ मिल सके। दरअसल, इस घोषणा के बाद भारत दीपावली के निहितार्थ अंधकार से प्रकाश की ओर जाने के संदेश को पूरी दुनिया को दे सकेगा। इस बार की सूची में दुनिया की जीवित परंपराओं, सामाजिक प्रथाओं, त्योहारों, लोककला व परंपरिक ज्ञान प्रणालियों को सुरक्षित रखने वाली दुनिया की बीस अमूर्त विरासतों को इस सूची में जगह दी गई। कई पीढ़ियों से सहेजी गई विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास है यूनेस्को की पहल। निस्संदेह, ये धरोहरें विश्व के विभिन्न समुदायों की पहचान का हिस्सा हैं। सही मायनों में वैश्वीकरण के दौर में सांस्कृतिक विविधत को अक्षुण्ण बनाये रखने में मददगार साबित होंगी। निश्चय ही भारतीय संस्कृति की अमिट धरोहर वाले पर्व दीपावली का विश्व धरोहर की सूची में शामिल होना भारतीयों के लिये गर्व की बात है। जिसकी बानगी दिल्ली व देश के अन्य भागों में दूसरी दिवाली मनाने के रूप में नजर आई। निश्चय ही इस फैसले से भारतीय सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई मान्यता मिलेगी। दुनिया इस पर्व की भावनात्मकता के इतर इसकी आध्यात्मिकता व सामाजिक समरसता के संदेश से रूबरू हो सकेगी।

विकसित भारत के संकल्प को गति देगा यह प्रयास

ओम प्रकाश धनकर

देश के प्रत्येक नागरिक की आकांक्षा है कि भारत एक विकसित राष्ट्र बने। भारतीय लोग अपने इस सामूहिक स्वप्न को साकार करने के लिए मिलकर परिश्रम करने को संकल्पित हैं। इसके मार्ग में आने वाली समस्त बाधाओं और चुनौतियों को पार करते हुए, वे देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना कर तेजी से आगे बढ़ने के आकांक्षी हैं। प्रत्येक भारतीय की व्यक्तिगत आय भी उसके गरिमापूर्ण जीवन जीने और उच्च स्तर के जीवन-स्तर को प्राप्त करने की आकांक्षा को पूरा करने वाली हो, यह उद्देश्य भी हर नागरिक के मन में है। इसे साकार करने के लिए भारत का हर जागरूक नागरिक जानता और मानता है कि विकसित भारत और मजबूत अर्थव्यवस्था का मार्ग एक राष्ट्र, एक चुनाव के सिद्धांत से होकर ही गुजरता है।

यदि एक राष्ट्र, एक चुनाव के मार्ग पर देश आगे बढ़ता है, तो देश के जीडीपी में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना आंकी गई है। वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था 377 लाख करोड़ रुपये की है, और यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस अर्थव्यवस्था में एक राष्ट्र, एक चुनाव से 5.5 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ते हुए, विश्व में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी और मजबूत आधार के साथ हमारे विकसित और समृद्ध भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ाएगी।

श्री रामनाथ कोविंद कमेटी का अनुमान है कि देश में चुनावों पर 4 लाख करोड़ रुपये से 7 लाख करोड़ रुपये तक का खर्च आता है। यदि एक साथ चुनाव होते हैं तो चुनावों के खर्च में एक-तिहाई की बचत हो सकती है। यदि हम 4.5 लाख करोड़ रुपये के अनुमान को मानकर चलें तो एक राष्ट्र, एक चुनाव से देश में 1.5 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। दिलचस्प बात यह है कि देश के 15 राज्यों के अलग-अलग बजट भी अभी 1.5 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए हैं। यही राशि तेजी से विकास का इंजन बनेगी, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को न केवल स्थिर करेगी, बल्कि उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में भी सहायक होगी।

देश में हर चौथे माह चुनाव होते रहते हैं और वर्तमान युग में समय सबसे बड़ी पूंजी है। बार-बार लागू होने वाली आचार संहिता से देश के विकास के पहिये 40 दिन तक धीमे पड़ जाते हैं, और अलग-अलग चुनावों के कारण यह समय 80 दिन तक बढ़ जाता है। यदि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते, तो कम से कम 40 कार्यदिवस देश के विकास के लिए अतिरिक्त मिलते। वर्तमान में हमारी अर्थव्यवस्था की गति लगभग 1 लाख करोड़ रुपये प्रतिदिन है। यदि चुनाव आचार संहिता का 20 प्रतिशत असर भी कार्यों पर पड़ता है, तो प्रति दिन 20 हजार करोड़ रुपये की विकास गति धीमी पड़ जाती है। कुल 40 दिनों की आचार संहिता में यह आंकड़ा 8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचता है, जो विकास के लिए बड़ा अवरोध है।

लेखक के निजी विचार है।

मेक्सिको का शॉक: भारत के निर्यात पर टैरिफ की आग

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

10 दिसंबर 2025, यह तारीख एशियाई व्यापार इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज हो गई है। मेक्सिको की सीनेट ने तेजी से उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसकी कल्पना पहले असंभव लग रही थी–गैर-एफटीए एशियाई देशों से आयात पर ऊंची टैरिफ दीवार। यह नियम 1 जनवरी 2026 से लागू होगा और 1,400 से अधिक उत्पादों को प्रभावित करेगा, जिसमें अधिकांश पर टैरिफ 35 प्रतिशत तक होगी, जबकि कुछ प्रमुख सेक्टरों (जैसे ऑटोमोबाइल, कुछ ऑटो पार्ट्स, स्टील और टेक्सटाइल) पर यह 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, मशीनरी, स्टील और प्लास्टिक–ये सभी प्रमुख सेक्टर इस नए बदलाव की चपेट में हैं।

भारत के लिए इस फैसले की मार सबसे गहरी है। न कोई एफटीए, न कोई प्राथमिकता आधारित सुरक्षा–भारत मेक्सिको की नजर में पूरी तरह असुरक्षित खड़ा है। 2024झ25 में भारत ने मेक्सिको को लगभग 5.3झ5.7 बिलियन डॉलर का निर्यात किया, जिसमें अकेले ऑटोमोबाइल सेक्टर की हिस्सेदारी लगभग 1 बिलियन डॉलर तक पहुंचती है। मेक्सिको भारत का तीसरा सबसे बड़ा कार निर्यात बाजार है। अब वोल्क्सवैगन, ुंडई, मारुति और निसान जैसी कंपनियों के वाहनों पर लगने वाली ड्यूटी वर्तमान 20 प्रतिशत से बढ़कर कुछ मामलों में 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है (हालांकि अधिकांश उत्पादों पर 35 प्रतिशत की सीमा)।

यह सिर्फ आंकड़ों का मामला नहीं–यह रोजगार, सप्लाई चेन, निवेश और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर मंडराता गहरा संकट है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है: क्या यह हार का संकेत है, या भारत के लिए रणनीति बदलकर व्यापार के नए युग की शुरूआत करने का मौका? सच्चाई यह है कि मेक्सिको का यह फैसला अचानक नहीं उभरा। इसके पीछे अमेरिकी दबाव की छाया साफ दिखती है। डोनाल्ड ट्रंप की वापसी और यूएसएमसीए (यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट) की नजदीकी समीक्षा ने मेक्सिको को उस मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहाँ अमेरिका की नाराजगी मोल लेना उसके लिए महंगा पड़ सकता है। चीन से आने वाले लगभग 130 बिलियन डॉलर के आयात पर अमेरिकी चेतावनियाँ लंबे समय से जारी थीं। निशाना भले चीन था, लेकिन प्रभाव की आग की लपटें भारत तक भी पहुँच गईं–अनचाही, लेकिन बेहद तीखी।

मेक्सिको की सरकार इस फैसले को घरेलू उद्योगों की ढाल बताने की कोशिश कर रही है, लेकिन असल इरादा कहीं अधिक स्पष्ट दिखाई देता है–अमेरिका को साधने का। चीन को रोकने की अमेरिकी मुहिम में अब भारत जैसे देशों के हित भी अनचाहे नुकसान झेल रहे हैं। भारतीय ऑटो उद्योग पहले ही एसआईएएम (सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स) के जरिये मौजूदा स्थिति बनाए रखने की मांग उठा चुका था, पर अब टैरिफ की इस लहर को थाम पाना लगभग नामुमकिन हो गया है।

नुकसान का स्वरूप वाकई गंभीर है। ऑटो निर्यात में लगभग 1 बिलियन डॉलर की चोट का अनुमान है, जबकि कुल निर्यात में 2026 में 15-25 प्रतिशत तक की गिरावट संभव है (हालिया ट्रेंड्स के आधार पर)। गुजरात, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के ऑटो क्लस्टर्स पर इसका सीधा, भारी असर दिखेगा। टेक्सटाइल सेक्टर में 35 प्रतिशत तक की टैरिफ सूरत और कोयंबटूर जैसे केंद्रों को प्रभावित करेगी। स्टील और प्लास्टिक में जेएसडब्ल्यू जैसी कंपनियां लगभग 300 मिलियन डॉलर तक का कारोबार गंवा सकती हैं। अनुमान है कि 2026 में कुल निर्यात 15 से 25 प्रतिशत तक गिर सकता है–एक ऐसा झटका जो पूरे व्यापार ढांचे को हिला देगा।

दूसरी ओर, मेक्सिको भी इस निर्णय से पूरी तरह सुरक्षित नहीं। इतने भारी टैरिफ वहां की उत्पादन लागत को 10-15 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं और घरेलू महंगाई का जोखिम भी तेजी से उभर सकता है। फिर भी भारत के लिए यह संकट अवसर का एक नया दरवाजा खोल सकता है। इतिहास गवाही देता है कि बड़े झटकों ने कई बार भारत को मजबूत बनाया है। 2018 में अमेरिकी स्टील टैरिफ के बाद भारत ने अपनी क्षमताएं बढ़ाईं और आत्मनिर्भरता की दिशा में नई गति पकड़ी। आज पीएलआई स्कीमों के कारण ऑटो क्षेत्र में रिकॉर्ड निवेश हो चुका है।

अब भारत के सामने स्पष्ट राह है–डिप्लोमेसी और व्यापारिक रणनीति को नए सिरे से धार देना। भारतझ्रमेक्सिको एफटीए को अब शीर्ष प्राथमिकता बनाना होगा। यदि पूर्ण एफटीए तुरंत संभव न हो, तो कम से कम पीटीए (प्रीफरेन्शियल ट्रेड एग्रीमेंट) के जरिये कुछ महत्वपूर्ण सेक्टरों को राहत दी जा सकती है। लैटिन अमेरिका में फिलहाल भारत का व्यापार केवल 4 प्रतिशत है–इसे दोगुना करने का समय आ चुका है।

बाजार विविधीकरण आज भारत की सबसे तत्काल और निर्णायक जरूरत बन चुका है। मेक्सिको पर निर्भर निर्यात का एक बड़ा हिस्सा अफ्रीका, आसियान, ब्राजील और चिली जैसे उभरते बाजारों में सहज रूप से स्थानांतरित किया जा सकता है। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि नए अवसरों के लिए दरवाजे भी खुलेंगे। चीनी सप्लाई चेन से बाहर निकलने की कोशिश कर रही वैश्विक कंपनियों–फॉक्सकॉन, एप्पल और कई अन्य–को भारत में और बड़े, तेज और स्थायी निवेश अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। ईवी, सोलर, सेमीकंडक्टर और हाई-टेक कंपोनेंट्स में भारत अगले दशक की सबसे तेज उभरती शक्ति बन सकता है।

पीएलआई स्कीम को अब ऑटो कंपोनेंट्स से आगे बढ़ाकर ईवी पार्ट्स, बैटरी सिस्टम और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स की दिशा में और मजबूत आधार दिया जा सकता है। निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए सब्सिडी, टैक्स रिफंड और फास्ट-ट्रैक मंजूरी तंत्र बेहद आवश्यक हैं। और यदि जरूरत पड़े, तो भारत डब्ल्यूटीओ के मंच पर भी इस टैरिफ को चुनौती दे सकता है, क्योंकि यह संरक्षणवाद की चरम सीमा को दर्शाता है।

इसके बावजूद भविष्य में अवसरों की संभावनाएं कहीं अधिक उज्ज्वल दिखती हैं। लैटिन अमेरिका में 200 से अधिक भारतीय कंपनियां पहले से काम कर रही हैं–आईटी, फार्मा और ऑटो उद्योगों में लगभग 4 बिलियन डॉलर के निवेश के साथ। यदि भारत सुविचारित रणनीति अपनाता है, तो 2030 तक भारतझ्रमेक्सिको व्यापार 20 बिलियन डॉलर के पार पहुँच सकता है। वैकल्पिक बाजारों में 10 प्रतिशत वृद्धि ही लगभग 500 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त लाभ दे सकती है।

लेखक के निजी विचार है।

सावरकर का जीवन पूर्ण, अनुकरणीय और राष्ट्रभक्ति की जीवंत मिसाल : मोहन भागवत

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि वीर सावरकर आजादी की लड़ाई में जीवन समर्पित करने वाले देशभक्तों की आकाश गंगा में सबसे चमकते तारे हैं। उनका जीवन पूर्ण, अनुकरणीय और राष्ट्रभक्ति की जीवंत मिसाल है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनकी कल्पना के भारत के निर्माण के लिए काम करना होगा। सावरकर जैसे सूर्य न बन पाएं तो भी दीपक अवश्य बनें। यही उनको सच्ची श्रद्धांजली होगी। भागवत ने आशा व्यक्त की कि 2047 तक समृद्ध भारत के निर्माण की शुरूआत इसी भावना से होगी।

स्वातंत्र्यवीर सावरकर के गीत सागरा प्राण तळमळला के 115 वर्ष पूर्ण होने पर अंडमान और निकोबार के श्री विजयपुरम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे पहले दिन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वीर सावरकर की भव्य आदमकद प्रतिमा का अनावरण और वीर सावरकर प्रेरणा पार्क का उद्घाटन किया।कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा कि सावरकर के व्यक्तित्व की व्याख्या करने के लिए अनेक विशेषणों की आवश्यकता पड़ती है, क्योंकि उनका जीवन उत्कट समर्पण, प्रेम, त्याग और अदम्य साहस का अनूठा संगम था। उनके इन्हीं गुणों के कारण वे तनमय अवस्था में पहुंच गए थे जहां अपना दुख भूलकर व्यक्ति देश और समाज के दुख से जुड़ जाता है। इसे ही भक्ति कहा जाता है।

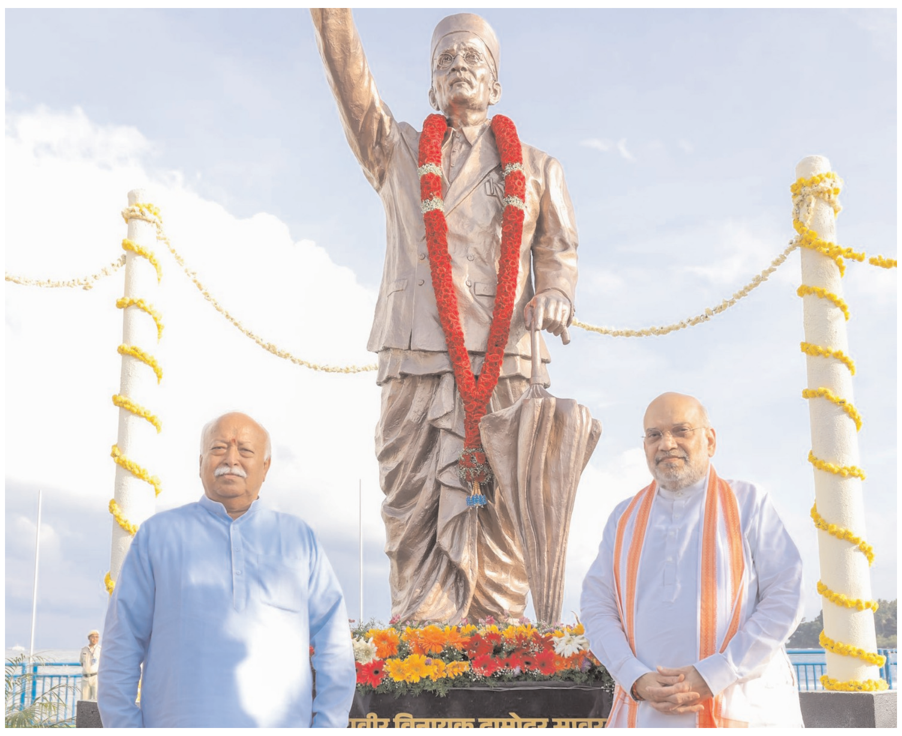

भागवत ने कहा कि सावरकर का स्मरण केवल इतिहास का पुनः आवाहन नहीं बल्कि सच्ची देशभक्ति को जगाने का माध्यम है। यदि हमें सावरकर के सपनों का भारत बनाना है, तो उनके समर्पण और अनुशासन को अपने जीवन में उतारना होगा। उन्होंने कहा कि सावरकर की इच्छाओं को पूरा करने का सामूहिक प्रयास पूरे राष्ट्र को करना चाहिए। आज की आवश्यकता गुलामी के कालखंड की तरह किसी (अंग्रेजों) के खिलाफ काम करने की नहीं बल्कि अपने राष्ट्र के लिए कार्य करने की है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वीर सावरकर त्याग, समर्पण, निर्भीक राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आधार स्तंभ थे। आज आवश्यकता देश के लिए जीने की है, सावरकर के सपनों का भारत बनाने की है।

शाह ने कहा कि सावरकर की महानता को किसी पुस्तक, कविता या फिल्म में पूरी तरह समेट पाना कठिन है, क्योंकि उनमें व्यक्तित्व, विचारधारा, कर्म, संघर्ष और सृजनशीलता का अद्वितीय संगम था। वे राइटर, फाइटर, देशभक्त, समाजसुधारक, कवि, भाषाशास्त्री और द्रष्टा थे। उन्होंने कहा कि हिन्दी में 600 से अधिक नए शब्दों का सृजन किया जैसे डायरेक्टर के स्थान पर निर्देशक। उन्होंने ही 1957 की क्रांति को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की वैचारिक नींव सावरकर ने रखी। शाह ने कहा कि सच्ची वीरता भय की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि भय को पहचानकर उसे परास्त करने का साहस है, और सावरकर इसका सर्वोच्च उदाहरण थे। उन्होंने अस्पृश्यता, कुप्रथाओं और सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध निर्भीक संघर्ष किया। अत्याचार सहने के बाद भी भारत माता की प्रार्थना करने का जो साहस सावरकर में था, वह उन्हें असाधारण देशभक्त बनाता है।

ईडी ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज की 117.41 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

एजेंसी

गुरुग्राम : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय की टीम ने मेसर्स प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड एवं कंपनी के निदेशकों के पारिवारिक सदस्यों से जुड़ी 117.41 करोड़ की चल-अचल संपत्तियों की अस्थायी कुर्की की है। ईडी की ओर से यह कार्रवाई कंपनी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर की गई है। कुर्क की गई संपत्तियों में कंपनी के नाम पर एफडी, शेयरों में निवेश, डिमांड ड्राफ्ट व बैंक बैलेंस जैसी चल संपत्तियां और कंपनी के निदेशकों के पारिवारिक सदस्यों के नाम पर प्रॉपर्टी शामिल हैं। मेसर्स प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड एप्लीकेशन और वेबसाइट प्रोबो चलाती है, जो ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में ऑनलाइन जुआ के लिए प्लेटफॉर्म

▸▸ ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में ऑनलाइन जुआ खेलाने के मामले में की यह कार्रवाई

▸▸ ईडी की ओर से जुलाई 2025 में चलाया गया था सर्च ऑपरेशन

उपलब्ध कराती है। ईडी ने विभिन्न धाराओं के तहत मेसस. प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और इसके डायरेक्टर्स/प्रमोटर्स के खिलाफ गुरुग्राम, पलवल-हरियाणा और आगरा-उत्तर प्रदेश में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। एफआईआर में शिकायतकताओं ने आरोप लगाया था कि उन्हें धोखा दिया गया। हां या ना जैसे आसान सवालों के जरिए पैसे कमाने की स्कीम गलत तरीके से पेश की गई। हकीकत में यह स्कीम स्किल बेस्ड गेमिंग की आड़ में जुआ को बढ़ावा देती है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी के जन्मदिवस पर ग्वालियर में होगी अभ्युदय एमपी ग्रोथ समिट 2025

▸▸ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में होगा यह आयोजन

एजेंसी

ग्वालियर : मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर में पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर 25 दिसम्बर को अभ्युदय एमपी ग्रोथ समिट 2025 का आयोजन होने जा रहा है। मेला मैदान में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में यह आयोजन होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। यह जानकारी ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान ने शुक्रवार को हुई एक बैठक में दी। उन्होंने बैठक में संबंधित अधिकारियों को इस आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में उद्यमी, निवेशक, हितग्राही एवं नागरिक शामिल होंगे। इसलिये पार्किंग सहित सभी व्यवस्थायें बेहतर से बेहतर हों। व्यवस्थाओं को इस प्रकार से अंजाम दें, जिससे कार्यक्रम में भाग लेने आ रहे सभी प्रतिभागी सुविधाजनक तरीके से अपने सेक्टर में पहुँच सकें। साथ ही सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दें।कलेक्टर चौहान ने बताया कि ह्नअभ्युदय एमपी ग्रोथ समिट 2025 में बीते वर्ष की सफलताएं साझा की जाएंगी। साथ ही भविष्य की योजनाओं पर भी सार्थक विचार-विमर्श होगा। इस आयोजन में निवेशकों द्वारा मध्यप्रदेश के प्रति दर्शाए गए विकास के लिये विश्वास के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। साथ ही यह आयोजन नवीन निवेशकों की परियोजनाओं की शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर द्वारा ली गई बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद एवं मध्य प्रदेश आईआईडीसी की प्रबंध निदेशक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

आईएमए पासिंग आउट परेड 13 दिसंबर को, थल सेनाध्यक्ष लेंगे सलामी

एजेंसी

देहरादून : भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 13 दिसंबर को होने वाली पासिंग आउट परेड में भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शामिल होंगे। इस पासिंग आउट परेड के बाद देश के 491 कैडेट बतौर अफसर भारतीय सेना का हिस्सा बनेंगे।

इसके अलावा 34 मित्र देशों के कैडेट भी अपने अपने देश की सेना का हिस्सा बनेंगे। परेड को लेकर आईएमए परिसर व आसपास कड़ी सुरक्षा की चोक चौबंद व्यवस्था की गई है। आइएमए के आसपास के क्षेत्र को जीरो जोन घोषित किया गया है। देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में पासिंग आउट परेड में मित्र देशों के 34 कैडेट सहित 525 कैडेट हिस्सा लेंगे। इस मौके पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी बतौर रिव्यूइंग अफसर परेड की सलामी लेंगे और परेड का निरीक्षण करेंगे। जनरल उपेन्द्र भी दिसंबर 1984 में आइएमए से पास आउट हुए थे। अब 41 साल बाद वह उसी ऐतिहासिक मैदान पर बतौर रिव्यूइंग अफसर लौट रहे हैं। भारतीय सैन्य अकादमी की स्थापना एक अक्टूबर 1932 को हुई थी। 10 दिसंबर 1932 को जनरल सर फिलिप चेटवुड द्वारा किया गया, जिनके नाम पर चेटवुड हॉल का नाम रखा गया है। अकादमी के पहले बैच से 40 कैडेट पास आउट हुए थे। शनिवार की परेड के साथ ही आइएमए के नाम देश-विदेश की सेनाओं को साढ़े 66 हजार से अधिक सैन्य अधिकारी देने का गौरव जुड़ जाएगा। इनमें मित्र देशों को दिए गए करीब तीन हजार सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं। पिछले नौ दशक में अकादमी ने अपनी प्रशिक्षण क्षमता कई गुणा बढ़ा दी है। पासिंग आउट परेड को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अकादमी परिसर और आसपास सेना के जवान तैनात हैं।

▸▸ देश-विदेश के कुल 525 आफिसर कैडेट होंगे पास आउट

दिल्ली-एनसीआर में वाहन प्रदूषण घटाने पर विचार के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन

एजेंसी

नई दिल्ली : वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने पर विचार के लिए 15 सदस्यों की समिति का शुक्रवार को गठन किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के प्रो. अशोक झुनझुनवाला को समिति का अध्यक्ष और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया को सह-अध्यक्ष बनाया गया है। यह समिति दो महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

CAQM Commission for Air Quality Management

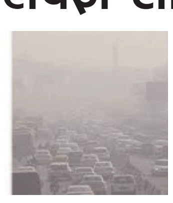

सीक्यूएम ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि दिल्ली-एनसीआर में हवा खराब होने की एक बड़ी वजह वाहनों से निकलने वाला धुआं है। इससे पीएम2.5, कार्बन मोनो ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइ और दूसरे प्रदूषक बढ़ जाते हैं, जो लोगों की सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। इसी वजह से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने एक विशेषज्ञ समिति बनाई है, जो बताएगी कि वाहन प्रदूषण कैसे कम किया जाए। समिति में आईआईटी के प्रोफेसर, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, ऑटो रिसर्च संस्थान, सरकारी अधिकारी और पर्यावरण संस्थाओं के विशेषज्ञ शामिल हैं। सीक्यूएम ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर बने नियमों और योजनाओं की समीक्षा करेगी। कौन-सा वाहन कितना प्रदूषण फैलाता है–इसका अध्ययन करेगी और इसे कम करने के सुझाव देगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के लिए क्या तैयारी, ढांचा और खर्च चाहिए–इस पर भी अध्ययन करेगी।

जरूरत पड़ने पर और भी सुझाव देगी। समिति अपनी रिपोर्ट दो महीने के भीतर देगी। पहली बैठक 15 दिसंबर 2025 को होगी।

संक्षिप्त खबरें

एआई उपकरणों की भारतीय फिल्म उद्योग में हो रही निगरानी : मुरुगन

नई दिल्ली : सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल. मुरुगन ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय फिल्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल पर केंद्र सरकार की पूरी नजर है। भारतीय फिल्म उद्योग में एआई उपकरणों की निगरानी की जा रही है लेकिन कोई नियामक कदम प्रस्तावित नहीं है। मुरुगन ने राज्यसभा में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य एस. निरंजन रेड्डी के एक सवाल पर बताया कि सरकार भारतीय फिल्म उद्योग में संवाद, कहानी और पटकथा तैयार करने सहित फिल्म और मीडिया पटकथा लेखन में एआई उपकरणों के बढ़ते उपयोग से अवगत है। वर्तमान में सिनेमेटोग्राफ अधिनियम, 1952 में संशोधन के माध्यम से फिल्म निर्माण और पटकथा लेखन में एआई के उपयोग को विनियमित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों की आईईडी विस्फोट से एक महिला घायल

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के चुचकोंटा गांव में नक्सलियों के लगाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से शुक्रवार को एक ग्रामीण महिला गंभीर रूप से घायल हो गई । उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 24वर्षीय लच्छी माड़वी जंगल में गाय चराने गई थी। जंगल के रास्ते पर चलते हुए वह नक्सलियों के लगाए गए आईईडी की चपेट में आ गई। इससे जोरदार विस्फोट हुआ और उसके पैर में गंभीर चोटें आईं । घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बल तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल महिला को प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बीजापुर रेफर किया गया है। फरसेगढ़ पुलिस के अनुसार नक्सली ग्रामीण क्षेत्रों में आईईडी लगाकर दहशत फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसका खामियाजा अक्सर निर्दोष नागरिकों को भुगतना पड़ता है। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है।

बाबरी मस्जिद के बाद अब बंगाल में राम मंदिर की तैयारी, सॉल्ट लेक में लगे पोस्टर

कोलकाता : विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल में मंदिर-मस्जिद की राजनीतिक जंग तेज हो गई है। गुरुवार को सॉल्ट लेक के कई इलाकों में अयोध्या की तर्ज पर विशाल राम मंदिर परिसर बनाने के पोस्टर सामने आए। इन पोस्टरों में स्कूल, अस्पताल, वृद्धाश्रम और कई सामाजिक सुविधाओं का वादा किया गया है। पोस्टर स्थानीय भाजपा नेता संजय पोयरा के नाम से लगाए गए हैं। सिटी सेंटर, करूणामयी और बिधाननगर के अन्य प्रमुख इलाकों में लगे इन पोस्टरों में दावा किया गया है कि लगभग चार बीघा जमीन पर अयोध्या जैसा राम मंदिर बनाया जाएगा। लोगों से मंदिर निर्माण के लिए प्रतीकात्मक रूप से एक रुपया दान देने की अपील भी की गई है। यह घटनाक्रम ठीक उसी समय आया है, जब कुछ दिन पहले निलंबित तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में बाबरी मस्जिद मॉडल पर आधारित एक मस्जिद का शिलान्यास किया था। यह कार्यक्रम छह दिसंबर, यानी 1992 की घटना की बरसी पर अभूतपूर्व सुरक्षा के बीच हुआ। उसी दिन भाजपा नेताओं ने मुर्शिदाबाद के बंजाटिया में राम मंदिर निर्माण की शुरूआत भी की थी।

चेकिंग में नौ ट्रक सीज, 90 हजार वसूला जुमार्ना

फरुर्खाबाद : एआरटीओ-प्रवर्तन सुभाष राजपूत ने शुक्रवार को सघन चेकिंग अभियान में नौ ट्रक सीज किए गए हैं। एआरटीओ ने बताया कि चार ओवर हाइट ट्रकों को सीज करते हुये उन पर 27 हजार रुपये का जुमार्ना। एक ओवरलोड ट्रक को सीज करते हुये 24 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। इसके अतिरिक्त बिना रिफ्लेक्टिव टेप लगे दो वाहनों को सीज करते हुये 20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। इस प्रकार आज की कार्रवाई में नौ वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई र्यवाही करते हुए 90 हजार रुपये जुमार्ना लगाते हुए 32 हजार कर आरोपित किया गया है।

हस्तशिल्प उत्सव 25 से, मुख्यमंत्री 26 को करेंगे उद्घाटन

जोधपुर : पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2026 इस बार पच्चीस दिसंबर से चार जनवरी तक रावण का चबूतरा मैदान में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इसका 26 दिसंबर को विधिवत उद्घाटन करेंगे। लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमण्डल ने इस संबंध में जयपुर में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के बैनर का विमोचन भी किया।लघु उद्योग भारती के जोधपुर प्रान्त महामंत्री सुरेश कुमार विश्नोई ने बताया कि प्रतिनिधिमण्डल ने अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाशचन्द एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा के नेतृत्व मे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमण्डल में लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संयुक्त महासचिव नरेश पारीक, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष शांतिलाल बालड, राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चौपडा, नटवरलाल अजमेरा, प्रदेश महामंत्री सुधीर कुमार गर्ग एवं जोधपुर महानगर सचिव राकेश कुमार चौरडिया उपस्थित रहे। उत्सव के संयोजक व निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा व उत्सव के मुख्य समन्वयक व प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चौपडा ने बताया कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2026 के बैनर का विमोचन किया। उन्होंने 26 दिसम्बर को आयोजित उत्सव के उद्घाटन समारोह मे सम्मिलित होने का आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया। अखिल भारतीय संयुक्त महासचिव नरेश पारीक व प्रदेश उपाध्यक्ष नटवरलाल अजमेरा ने मुख्यमंत्री को फरवरी 2026 मे आयोजित होने वाले इण्डिया स्टोन मार्ट 2026 की तैयारियों की जानकारी से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री रेखा ने सिख दंगा पीड़ित 36 परिवारों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में 1984 के सिख दंगों से प्रभावित 36 परिवारों के परिजनों को मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। यह केवल नौकरी देने का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि उन परिवारों के लंबे इंतजार और संघर्ष को सम्मान देने की एक ठोस पहल है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 1984 सिख दंगा हमारे इतिहास का एक अत्यंत दर्दनाक अध्याय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पीड़ित परिवारों को न्याय और सम्मान दिलाने के निरंतर प्रयास किए गए हैं। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार प्रभावित परिवारों को सम्मानजनक आजीविका और सुरक्षित भविष्य देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर लाल किले पर आयोजित समागम हमारे लिए सेवा और कर्तव्य का अवसर था। आज उसी सेवा के लिए परिवारों से मिला स्नेह और सम्मान मेरे लिए अत्यंत भावुक क्षण रहा। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले 19 परिवारों को नियुक्ति पत्र दिए गए थे और आज 36 और परिवारों को नौकरी प्रदान की गई है। ये नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार उनके साथ खड़ी है और उन्हें सम्मान के साथ आगे बढ़ने का हर अवसर उपलब्ध करा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मदद नहीं, जिम्मेदारी है। यह औपचारिकता नहीं, सम्मान है और यह अतीत को याद रखते हुए भविष्य को सुरक्षित करने का एक सच्चा प्रयास है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बिगड़ी

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष और देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत और बिगड़ गई। किडनी ने काम करना बंद कर दिया है। खालिदा का इलाज राजधानी ढाका के एवरकेयर अस्पताल में चल रहा है। बीएनपी नेत्री खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। 23 नवंबर से इस अस्पताल में भर्ती 80 वर्षीय खालिदा जिया को इस वक्त इलेक्टिव वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। इलेक्टिव वेंटिलेटर सपोर्ट का मतलब है कि योजनाबद्ध तरीके से या सर्जरी से पहले मरीज को सांस लेने वाली मशीन (वेंटिलेटर) का सहारा देना। जब डॉक्टर को पता होता है कि एनेस्थीसिया या ऑपरेशन के कारण मरीज खुद से सांस नहीं ले पाएगा। इलेक्टिव एक योजनाबद्ध और पूर्व तय चिकित्सा प्रक्रिया है।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रात से खालिदा जिया की हालत कुछ ज्यादा गंभीर है। उनका सावधानी से इलाज चल रहा है। उनके उच्च इलाज के लिए गठित मेडिकल बोर्ड कहा कि उनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया है। उन्हें नियमित डायलिसिस की जरूरत है। मेडिकल बोर्ड की ओर से प्रो. डॉ. शहाबुद्दीन तालुकदार ने गुरुवार देररात स्थिति का विश्लेषण करते हुए बयान जारी किया है। इसमें लोगों से जिया के बारे में अफवाह न फैलाने की अपील की गई है।

बयान में कहा गया है कि उन्हें सांस लेने में अधिक दिक्कत हो रही है। खून में ऑक्सीजन लेवल कम हो गया है। कार्बन डाइऑक्साइड का लेवल बढ़ गया है। उनका इलाज हाई-फ्लो नेजल कैनुला और बाइपैप मशीन से किया जा रहा है। यह मशीन मास्क के जरिए हवा को फेफड़ों तक पहुंचाती है। मेडिकल बोर्ड ने कहा कि क्योंकि उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, इसलिए उनके फेफड़ों और दूसरे अंगों को आराम देने के लिए उन्हें इलेक्टिव वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। मेडिकल बोर्ड के अनुसार, 27 नवंबर को इलाज के दौरान एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस का पता चला। उसका अभी भी इंटेंसिव इलाज चल रहा है।

पुणे ग्रैंड टूर 2026: भारत की पहली यूसीआई 2.2 रेस ने आकर्षित किए चार महाद्वीप, नजर अब पुणे पर

यूके, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, चीन, नीदरलैंड्स सहित कई देश होंगे शामिल

एजेंसी

पुणे : भारत पहली बार यूनियन साइक्लिस्ते इंटरनेशनल (यूसीआई) 2.2 श्रेणी की बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 (कॉन्टिनेंटल टीम्स मेन्स एलीट रोड साइक्लिंग रेस) की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। यह आयोजन न केवल भारतीय खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है, बल्कि भारत को वैश्विक साइक्लिंग मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दिलाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा। 19 से 23 जनवरी तक होने वाली यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग सीजन की औपचारिक शुरुआत करेगी। पहले ही संस्करण में चार महाद्वीपों से 28 अंतरराष्ट्रीय टीमों ने भागीदारी में रुचि दिखाई है, जिनमें यूरोप, एशिया, ओशिनिया और अमेरिका के शीर्ष साइक्लिंग राष्ट्र शामिल हैं। भारत हाइडिया एक्स और हाइडिया बीह्म नाम से दो राष्ट्रीय टीमों को मैदान में उतारेगा, जबकि कुल 4 राष्ट्रीय टीमों और 24 कॉन्टिनेंटल टीमों की उपस्थिति इस आयोजन को विश्वस्तरीय बनाएगी। इस ऐतिहासिक पहल का श्रेय पुणे जिला प्रशासन को जाता है, जिसे महाराष्ट्र सरकार से निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है।

चार चरणों की यह बहु-दिवसीय रेस कुल 437 किमी की दूरी तय करेगी, जो पुणे की आधुनिक शहरी संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और सह्याद्री की प्राकृतिक भव्यता का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करेगी। इस आयोजन का उद्देश्य साइक्लिंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ पुणे के पर्यटन, पर्यावरणीय जागरूकता और बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करना है।

पुणे ज़िलाधिकारी एवं पुणे ग्रैंड टूर के प्रभारी अधिकारी जितेंद्र डूडी ने कहा,ड्डपहले वर्ष में ही वैश्विक स्तर से मिले अद्भुत प्रतिसाद ने हमें अत्यधिक गौरवान्वित किया है। यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया, चीन, मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे अग्रणी साइक्लिंग राष्ट्रों ने न केवल रुचि दिखाई है, बल्कि कई टीमों ने अपनी सहभागिता भी पक्की कर दी है। यूसीआई भारत में साइक्लिंग विकास को लेकर बेहद उत्साहित है। यह आयोजन पुणे को एक उभरते हुए अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग गंतव्य के रूप में स्थापित करने का बड़ा अवसर है, और हम इसे विश्वस्तरीय मानकों पर आयोजन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

चार चरणों में होगी कठोर चुनौती

बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 के चार चरण अनुभवी साइक्लिस्टों की सीमाओं को चुनौती देने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। यह रेस तेज रफ्तार फ्लैट सेक्शनों से लेकर कठिन पहाड़ी चढ़ाइयों और ऐतिहासिक स्थलों से गुजरने वाले मार्गों तक, विविध और रोमांचक अनुभव प्रदान करेगी। चरण 1: मुलशीझमावळ माइल्स (91.8 किमी, 956 मी. ऊँचाई वृद्धि) हिंजवड़ी के कच्छ हब से होकर गुजरते इस उद्घाटन चरण में स्प्रिंट, शहरी मोड़ और पहाड़ी परिदृश्य का संतुलित मिश्रण देखने को मिलेगा। चरण 2: मराठा हेरिटेज सर्किट (109.15 किमी, 1466 मी. ऊँचाई वृद्धि) पुरंदर किला, सिंहगढ़ और खड़कवासला झील की पृष्ठभूमि वाला यह कठिन चरण सहनशक्ति और क्लाइंबिंग कौशल की कड़ी परीक्षा लेगा।चरण 3: वेस्टर्न घाट्स गेटवे (137.07 किमी, 820 मी. ऊँचाई वृद्धि) पुरंदर से बारामती तक फैला यह तेज रफ्तार वाला पठारी मार्ग रणनीति, टीमवर्क और क्रॉसविंड पर निर्भर रहने के कारण बेहद चुनौतीपूर्ण बनता है। चरण 4: पुणे प्राइड लूप (99.15 किमी, 560 मी. ऊँचाई वृद्धि) अंतिम चरण पुणे शहर के आधुनिक और ऐतिहासिक स्थलों–जिनमें शनिवार वाड़ा भी शामिल है–से होकर गुजरता है और शहर के मध्य में भव्य समापन प्रदान करता है।

साधना का चयन अरुणाचल प्रदेश की अंडर-19 टीम में

एजेंसी

प्रयागराज : कैंटोनमेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी की प्रशिक्षु साधना पाल का चयन बीसीसीआई द्वारा नागपुर में 13 से 21 दिसम्बर तक आयोजित वूमेंस अंडर-19 वन डे ट्रॉफी के लिए अरुणाचल प्रदेश की टीम में हुआ है। अरुणाचल प्रदेश की टीम 13 दिसम्बर को मणिपुर के खिलाफ अपना मुकाबला खेलेगी। अशोक नगर निवासी हरिश्चंद्र पाल एवं शमा पाल की पुत्री साधना कैंटोनमेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी के कोच संजीव कुमार से प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। यह जानकारी कोच संजीव कुमार ने दी। दाहिने हाथ की ओपनर बल्लेबाज साधना के चयन पर छावनी परिषद प्रयागराज के मुख्य अधिशाषी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम और कैंटोनमेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी के कोच संजीव कुमार ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

टी-20 मुकाबले के लिए धर्मशाला पंहुचे भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी

एजेंसी

धर्मशाला : धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में 14 दिसंबर को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले टी-20 मुकाबले के लिए शुक्रवार को दोनों टीमें धर्मशाला पहुंच गई हैं। टीम इंडिया टी-20 के कैप्टन सूर्य कुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया के खिलाड़ियों सहित दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी भी धौलाधार की वादियों में पहुंच चुके हैं। दोनों टीमों के शुक्रवार को आने की सूचना मिलते ही कई क्रिकेट प्रेमी अपने चहेते खिलाड़ियों के दीदार को कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचे हुए थे। चार्टर प्लेन से टीम इंडिया दोपहर एक बजकर पचास मिनट पर कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंची, वहीं साउथ अफ्रीका की टीम चार बजकर बीस मिनट पर एयरपोर्ट पहुंची। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, अर्शदीप, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल कोच गौतम गंभीर के साथ, जबकि साउथ अफ्रीका टीम के कप्तान एडन मार्करम, हेंड्रिक्स, ब्रेविस, डोनावन, डेविड मिलर, क्विंटन डिकॉक सहित सभी खिलाड़ी धर्मशाला पहुंचे।

शुक्रवार को चंडीगढ़ से कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंची टीम इंडिया और साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों का हिमाचली संस्कृति के साथ स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन और स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। टीम के पहुंचते ही एचपीसीए तथा जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों टीमों के खिलाड़ियों को सीधे धर्मशाला स्थित उनके होटल रेडीसन ब्लू ले जाया गया। कांगड़ा एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों का दीदार पाने के लिए क्रिकेट प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रशंसकों ने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार किया।ड्धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी ने क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना दिया है।

संक्षिप्त खबरें

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025: नितीश रेड्डी ने मध्यप्रदेश के खिलाफ ली हैट्रिक

पुणे: आंध्र के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच में मध्य प्रदेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक ली। नितीश ने एमपी की पारी के तीसरे ओवर की अंतिम तीन गेंदों पर हर्ष गवली, हरप्रीत भाटिया और रजत पाटीदार के विकेट चटकाए।उन्होंने सबसे पहले गवली को बोल्ड किया, फिर भाटिया को कैच आउट कराया और तीसरी गेंद पर पाटीदार का स्टंप उखाड़ कर उन्हें चलता किया। उनकी इस घातक गेंदबाजी से मध्य प्रदेश की टीम 113 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 14 रन पर 3 विकेट खो दिए। हालांकि इसके बाद ऋषभ चौहान (47) और राहुल बाथम (35) ने मध्यप्रदेश को 4 विकेट से जीत दिला दी।भले ही यह मैच आंध्र हार गया, लेकिन नितीश ने अपनी टीम को अंत तक मैच में बनाए रखा।

फेडरर की शानदार वापसी, ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के उद्घाटन समारोह में दिखेगा जलवा

मेलबर्न : स्विट्जरलैंड के टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर जनवरी 2026 में एक बार फिर अपने ह्यहैप्पी स्लैम की ओर लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि फेडरर टूर्नामेंट के आधिकारिक उद्घाटन के लिए होने वाले बैटल ऑफ द वर्ल्ड नंबर 1ड्ड इवेंट की शोभा बढ़ाएंगे। रिटायरमेंट के बाद पहली बार वे 2022 के बाद रॉड लेवर एरीना में नजर आएंगे। मेलबर्न पार्क में पहली बार आयोजित किया जा रहा यह विशेष ओपनिंग सेरेमनी 18 जनवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से एक दिन पहले होगी। इसमें फेडरर को विशेष सम्मान भी दिया जाएगा। फेडरर छह बार नॉर्मन ब्रूक्स ट्रॉफी जीत चुके हैं और उनके नाम कुल 20 ग्रैंड स्लैम खिताब दर्ज हैं। इस खास मुकाबले में फेडरर के साथ चार बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आंद्रे अगासी, ऑस्ट्रेलिया के पैट राफ्टर और लेटन हेविट भी कोर्ट पर उतरेंगे। फेडरर ने कहा,काफी समय पहले मैंने ऑस्ट्रेलियन ओपन को हैप्पी स्लैम कहा था, और आज भी इस नाम को याद करके मुस्कान आ जाती है। मैंने रॉड लेवर एरीना पर कई तरह की भावनाएँ महसूस की हैं–छह बार नॉर्मन उठाने की खुशी, खुद रॉड लेवर के सामने खेलने का सम्मान, दिग्गज प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ संघर्ष और ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों का अपार प्यार। फेडरर ने कहा कि 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतना उनके करियर का सबसे खास पलों में से एक है और 2018 में इसे दोहराना सपने जैसाड्ड था। इसके अलावा उन्होंने 2004, 2006, 2007 और 2010 में भी यह खिताब जीता था।

डफी के पांच विकेट से वेस्टइंडीज धराशायी, न्यूजीलैंड ने दर्ज की डब्ल्यूटीसी चक्र की अपनी पहली जीत

वेलिंगटन : वेलिंगटन टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराकर 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज जैकब डफी ने दूसरी पारी में घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए, जिसके चलते वेस्टइंडीज मात्र 128 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड को मिले 56 रनों के लक्ष्य को टीम ने चाय से पहले ही हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। वेस्टइंडीज इस चक्र में सात में से छह मैच हार चुकी है और अब भी जीत से दूर है। तीसरे दिन शुक्रवार की सुबह ब्रैंडन किंग (22) के रन-आउट से शुरू हुए विकेट पतन ने जल्द ही वेस्टइंडीज टीम को बैकफुट पर ला दिया। शाई होप उसी ओवर में आसान कैच दे बैठे, जबकि कप्तान रोस्टन चेज भी डफी की उछाल लेती गेंद का शिकार बने।

व्यापार

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 3.61 लाख करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख भी बन गया। दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे शेयर बाजार की चाल में दोबारा तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। जानकारों का कहना है कि ग्लोबल बाजारों के मजबूत संकेतों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत से मार्केट में आज पॉजिटिव सेंटिमेंट बन गए। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से भी मार्केट सेंटिमेंट्स को पॉजिटिव सपोर्ट मिला?। भारतीय बाजार के लिहाज से देखें, तो इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स (वीआईएक्स) आज 2.5 प्रतिशत तक गिर गया।

आज के कारोबार के दौरान मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही, जिसकी वजह से निफ्टी के मेटल इंडेक्स ने 2.63 प्रतिशत की छलांग लगाई। इसके अलावा निफ्टी का रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और बैंकिंग इंडेक्स में भी 1 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 470.25 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.64 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.61 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,356 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,593 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,593 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,825 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,878 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 947 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 232.90 अंक की मजबूती के साथ 85,051.03 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 85,282.76 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स फिसल कर 84,956.74 अंक के स्तर तक गिर गया। दोपहर 11 बजे के बाद एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में दोबारा तेजी आ गई। बाजार में दिन भर की खरीदी बिकवाली के बाद सेंसेक्स 449.53 अंक की बढ़त के साथ 85,267.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती का रुख नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए थे। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,901 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,591.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 48,823.71 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,703.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,085.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 164.47 अंक यानी 0.68 प्रतिशत उछल कर 24,294.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,871.78 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 100 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,126 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

बजाज ऑटो पर कस्टम्स और जीएसटी का बड़ा टैक्स दावा, कंपनी अपील की तैयारी में

नई दिल्ली : भारत की प्रमुख दोपहिया वाहन निर्माता कंपनियों में से एक बजाज ऑटो सरकारी अधिकारियों द्वारा लगाए गए भारी-भरकम टैक्स और ड्यूटी दावों के चलते सुर्खियों में है। उद्योग में इस तरह के मामलों की कमी नहीं है, लेकिन लिथियम-आयन बैटरी आयात से जुड़ा विवाद और दावों की राशि इस मामले को और भी महत्वपूर्ण बनाते है। बजाज ऑटो ने स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि कंपनी को मुंबई के न्यू कस्टम्स हाउस से कमिश्नर ऑफ कस्टम्स (एक्सपोर्ट) की ओर से एक आदेश प्राप्त हुआ है। विवाद की जड़ आयातित लिथियम-आयन बैटरियों का वर्गीकरण है। जो इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक ऑटोमोटिव सिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आदेश के अनुसार, अधिकारियों ने नोटिफिकेशन नंबर 51/96 के तहत बजाज ऑटो का ड्यूटी लाभ का दावा खारिज कर दिया है। कुल 76,10,620 रुपये की डिफरेंशियल कस्टम्स ड्यूटी का दावा किया गया है। उतनी ही राशि का समान जुर्माना भी लगाया गया है। इसके अलावा 60,00,000 रुपये का रिडेम्पशन फाइन भी लगाया गया है। कस्टम्स विभाग का आरोप है कि कंपनी ने बैटरी आयात को गलत टैक्स कैटेगरी में रखा। जिसके चलते अब अतिरिक्त ड्यूटी और पेनल्टी की मांग की जा रही है।

सराफा बाजार : नए शिखर पर पहुंची चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में चांदी के भाव में तेजी का रुख जारी है। पिछले दो दिनों में ही इस चमकीली धातु की कीमत में 9,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है, जिसकी वजह से इस चमकीली धातु के भाव नए शिखर पर पहुंच गए हैं। आज की इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सराफा बाजारों में चांदी 2,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,09,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है।

दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 2,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 2,00,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,01,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,01,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,01,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2,09,100 रुपये के स्तर पर पहुंची हुई है। कैपेक्स गोल्ड एंड इनवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि चांदी के भाव में अभी और भी मजबूती आने की संभावना बनी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत 60 डॉलर प्रति औंस के ऊपर पहुंच गई है। आज भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में ये चमकीली धातु 62.81 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है। इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने के कारण इसकी कीमत में आने वाले दिनों में 70 डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती है। हालांकि छोटे निवेशकों को मौजूदा उतार चढ़ाव के दौर में संभल कर अपनी निवेश योजना बनानी चाहिए।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच भारत ने बढ़ाई रूस से तेल खरीद

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत का रूसी तेल का आयात नवंबर में 4 प्रतिशत बढ़कर पांच महीने के उच्चतम स्तर 2.6 अरब यूरो पर पहुंच गया। यूरोपीय थिंक-टैंक सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार रूस से आने वाले इस कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा भारतीय रिफाइनरियों में प्रसंस्करण के बाद ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों को परिष्कृत ईंधन के रूप में निर्यात किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि नवंबर में भारत चीन के बाद रूसी जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा। इसने अक्तूबर में रूसी तेल खरीदने पर 2.5 अरब यूरो खर्च किए थे। वहीं नवंबर में चीन ने रूस के कच्चे तेल के निर्यात का 47 प्रतिशत खरीदा, उसके बाद भारत (38 प्रतिशत), तुर्की (6 प्रतिशत) और यूरोपीय संघ (6 प्रतिशत) का स्थान रहा। इसमें कहा गया कि दरअसल, दिसंबर में भारत की खरीद में एक और वृद्धि दर्ज की जा सकती है, क्योंकि अमेरिकी विदेश संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) के प्रतिबंध लागू होने से पहले लोड किए गए माल की डिलीवरी पूरे महीने के दौरान की जाएगी। बता दें कि 22 अक्तूबर को, अमेरिका ने रूस के दो सबसे बड़े तेल उत्पादक कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिकी प्रतिबंधों का असर केवल निजी रिफाइनरियों पर पड़ा प्रतिबंधों के चलते रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड जैसी कंपनियों ने फिलहाल आयात रोक दिया है। हालांकि, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) जैसी अन्य रिफाइनरियां प्रतिबंधित रूसी कंपनियों से तेल खरीदना जारी रखे हुए हैं।

इन चीजों की मदद से करें अपने हैंडबैग की सफाई

ज्यादातर महिलाएं अपने लंच बॉक्स से लेकर खाने की छोटी चीजें भी पर्स में रखती हैं। ऐसे में पर्स काफी ज्यादा गंदा हो जाता है। अगर आपका भी हैंडबैग महंगा है और काफी जल्दी गंदा हो गया है तो आपको कुछ आसान हैक्स की मदद से अपने हैंडबैग की सफाई करनी होगी। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने हैंडबैग की मिनटों में सफाई कर सकती हैं।

फालतू कागजात हटा दें

हैंडबैग में रखा फालतू कागजात को आपको हटाना होगा। यह हैंडबैग को काफी ज्यादा गंदा करते हैं। इतना ही नहीं, इसके कारण आपके बैग में सामान रखने की भी जगह नहीं होती है। अगर हैंडबैग की सफाई करनी है तो इन चीजों को हटाना होगा।

ड्राई क्लीन करें

आप अपने हैंडबैग को समय- समय पर ड्राई क्लीन करते रहना चाहिए। इससे बैग क्लीन रहता है। ड्राई क्लीन करने के लिए बैग में रखा सारा सामान निकालना होगा और सूती कपड़ों की मदद से पूरे हैंडबैग की सफाई करनी होगी। ऐसा करने से आपका हैंडबैग साफ हो जाएगा।

टिफिन ध्यान से रखें

अगर आप अपने बैग में टिफिन रखती हैं तो टिफिन को किसी बैग में करके रखना चाहिए। इससे आपके बैग में गेवी वाली चीजें नहीं गिरेंगी। यह आपके महंगे हैंडबैग को खराब कर सकता है। हालांकि इस स्थिति में आपको अपने हैंडबैग को पानी की मदद से धोना होगा। बार- बार हैंडबैग को धोने से यह पुराना हो सकता है। ऐसे में आपको इन चीजों का खास ध्यान रखना है।

इन बातों का रखें ध्यान

- हैंडबैग की सफाई करते समय जल्दबाजी ना करें।
- हैंडबैग की सफाई के समय हार्ड ब्रश का इस्तेमाल ना करें।
- हैंडबैग की सफाई के समय डिटर्जेंट का इस्तेमाल ना करें।

इन चीजों से करें सफाई

- हैंडबैग की सफाई गुनगुना पानी से करें
- हैंडबैग की सफाई लिक्विड डिटर्जेंट से करें
- हैंडबैग की सफाई स्टीमर से करें

नकली शॉपिंग वेबसाइट को पहचानने के ये तरीके आप भी जानें बाद में नहीं होगा पछतावा

अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करती हैं तो आपको बता दें इन दिनों कई लोग बड़े- बड़े ब्रांड्स के नाम पर नकली शॉपिंग वेबसाइट बना देते हैं। ऐसे में आपको इन वेबसाइट से बचकर रहना चाहिए। अब आप सोच रहे होंगे आखिर नकली वेबसाइट के बारे में कैसे पता करें कि यह असली वेबसाइट है या नकली।

टेक्नोलॉजी के इस जमाने में लोग बाहर जाने से ज्यादा ऑनलाइन शॉपिंग करना ही पसंद करते हैं। अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करती हैं तो आपको बता दें इन दिनों कई लोग बड़े- बड़े ब्रांड्स के नाम पर नकली शॉपिंग वेबसाइट बना देते हैं। ऐसे में आपको इन वेबसाइट से बचकर रहना चाहिए। अब आप सोच रहे होंगे आखिर नकली वेबसाइट के बारे में कैसे पता करें कि यह असली वेबसाइट है या नकली। ऑनलाइन कई शॉपिंग वेबसाइट ऐसे हैं जो यूजर्स से पैसे तो ले लेते हैं लेकिन उनका सामान उन तक नहीं पहुंचाते हैं। चलिए जानें कैसे आप फर्जी वेबसाइट को पहचान सकती हैं।

खराब वेबसाइट डिजाइन

अगर आप किसी वेबसाइट पर पहली बार गए हैं तो आपका ध्यान उस वेबसाइट के डिजाइन पर जा रहा होगा। ऐसे में अगर आपको वह देखने में अजीब लगे तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। वेबसाइट अपने डिजाइन पर काफी ज्यादा ध्यान देते है। ऐसे में फर्जी वेबसाइट इन चीजों पर ध्यान नहीं देते। वह लोकल डिजाइन बना देते हैं। ऐसे में आप फर्जी वेबसाइट को पकड़ सकती हैं।

अधूरी प्रोडक्ट की जानकारी

अगर आप किसी प्रोडक्ट के देख रहे हैं और उस प्रोडक्ट के बारे में पूरे तरीके से जानकारी नहीं दी गई है तो आपको तुरंत समझ जाना है की यह वेबसाइट फर्जी है। असली वेबसाइट अपने प्रोडक्ट की पूरे तरीके से जानकारी देते हैं। वहीं नकली की करें तो वह ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट सस्ते दाम पर देते हैं। ताकि लोग उसका कम दाम देखकर तुरंत उसे आर्डर करें।

इन 3 टिप्स की मदद से पहचानें फेक वेबसाइट

आजकल कई सारे साइबर अपराध हो रहे है। अलग-अलग तरह के ऑफर और डिस्काउंट के बारे में बता कर कई फेक वेबसाइट की मदद से ऑनलाइन ठगी हो रही है लेकिन अगर आप इन साइबर अपराध से बचना चाहती हैं तो आपको फेक वेबसाइट की पहचान करना आना चाहिए। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फेक वेबसाइट की पहचान कर सकती हैं।

चेक करें वेबसाइट का एड्रेस टाइप

आपको वेबसाइट का एड्रेस टाइप सबसे पहले चेक करना चाहिए। आपको बता दें कि वेबसाइट के एड्रेस में कई तरह की जानकारी होती है जिससे आप यह पता कर सकते हैं कि वेबसाइट फेक है या नहीं। अगर साइट का यूआरएल एचटीटीपीएस से शुरू होता है तो ज्यादातर ऐसी वेबसाइट असली होती हैं लेकिन कई बार फेक वेबसाइट की तरह ही यूआरएल फेक वेबसाइट का ढग भी बना लेते हैं। आप वेबसाइट को ओपन करने से पहले माउस को लिंक पर ले जाएं। इससे यूआरएल और हाइपरलिंक पॉप अप के रूप में दिख जाएगा। जिससे आपको वेबसाइट की पहचान करने में मदद मिलेगी। इस तरह से आप यह पता कर पाएंगी की वेबसाइट फेक है या फिर असली है।

ऐसे करें चेक

वेबसाइट पर लिखी गई अंग्रेजी को भी चेक करें और साथ ही आपको वेबसाइट के डोमेन नेम को जरूर चेक करना चाहिए। इसके अलावा आपको यह भी चेक करना चाहिए कि वेबसाइट में नीचे स्क्रॉल करने पर कॉपीराइट संबंधी जानकारी दी गई है या फिर नहीं। साथ ही आपको यह भी देखना चाहिए कि यूआरएल के आगे लॉक का निशान बना हुआ है कि नहीं। अगर यूआरएल के आगे लॉक का निशान बना होता है तो यानी की वह फेक वेबसाइट नहीं होती है। इन सभी चीजों को ध्यान रखकर आप यह पता कर सकती हैं कि वेबसाइट फेक है या फिर असली वेबसाइट है।

देखें वेबसाइट सर्टिफिकेशन

अगर आप वेबसाइट के होमपेज और लॉगिन पेज पर एसएसएल सर्टिफिकेशन को चेक करेंगी तो आपको यह पता चल जाएगा कि वेबसाइट फेक है या फिर वेबसाइट असली है। इसके साथ ही आपको यह भी चेक करना चाहिए कि वेबसाइट पर कई आक्रामक विज्ञापन है या नहीं क्योंकि अगर आप वेबसाइट खोलती हैं और साइट पर कई तरह के आक्रामक विज्ञापन आपको नजर आते हैं तो समझ जाएं कि वह विज्ञापन वायरस से जुड़े हुए भी हो सकते हैं इसलिए आपको इन वेबसाइट पर तुरंत भरोसा करके अपनी पर्सनल जानकारी को शेयर नहीं करना चाहिए।

बनना चाहती हैं बेस्ट बहू, तो शादी के बाद ससुराल वालों को ऐसे करें इंप्रेस

शादी के बाद लड़कियों के मन में अलग-अलग तरह की बातें चलती रहती हैं। वह सोचती हैं कि आखिर ऐसा कौन सा तरीका अपनाया जाए जिससे वो ससुराल वालों का दिल जीत लें। इस दौरान वो खाना बनाने से लेकर बातचीत का हर वो तरीका अपनाती हैं। बता दें कि ससुराल जाने के बाद लड़कियों के जीवन में कई तरह के बदलाव आते हैं, इस दौरान उन्हें नए तौर-तरीकों से अपने जीवन की शुरुआत करनी पड़ती है।

वहीं ससुराल वालों को इंप्रेस करना हर लड़की के लिए किसी मुश्किल टास्क से कम नहीं। कहा जाता है कि अगर ससुराल वालों के दिल में जगह बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले दुल्हन को अपने सास-ससुर का दिल जीतना होगा। ऐसे में आज हम बताएंगे कुछ ऐसे तरीके जिसकी मदद से आप न सिर्फ ससुराल वालों को इम्प्रेस कर सकती हैं बल्कि बेस्ट बहू भी बन सकती हैं।

पार्टनर की लें मदद

घर में आने के बाद हर किसी को समझने के लिए अपने पार्टनर की मदद लें। अगर किसी का बर्ताव आपके प्रति सही नहीं है तो उस बारे में उनसे चर्चा करें। पार्टनर आपको सभी से मिलने में मदद कर सकता है और बेहतर राय दे सकता है। नए घर में चीजों को बेहतर तरीके से करने के लिए उनसे सलाह लेती रहें।

घर के किसी एक सदस्य को बनाएं दोस्त

ससुराल में कई ऐसे लोग होते हैं जो जल्द ही आपके दोस्त बन जाते हैं। इसमें देवर या फिर ननद कोई भी हो सकता है। ऐसे में उनकी पसंद को जानें और पर्सनल बॉन्ड बनाएं। जिससे आप दोनों एक दूसरे से खुलकर बात कर सकें और अपनी बातें शेयर कर सकें। घर में किसी एक से अच्छी बॉन्डिंग होने से आप बाकी लोगों के बारे में अच्छी तरह जान सकती हैं।

हर किसी को खुश करने न करें कोशिश

कोशिश करें कि सभी आपके काम या फिर व्यवहार को पसंद करें। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप जबरदस्ती काम करें। इसके अलावा अगर आपको कुछ बातें पसंद नहीं है तो सीधे ना कर दें। ऐसा जरूरी नहीं कि आप हर किसी की बातों पर हंसे या फिर हां में हां मिलाएं। दूसरों को जानने के अलावा खुद के बारे में भी लोगों को जानने दें। यह बेहद जरूरी है कि घर के बाकी सदस्यों की तरह आपको भी उतना ही सम्मान मिले।

किसी के लिए न बनाएं गलत धारणा

सास और ससुर के प्रति पहले से गलत धारणा न बनाएं बल्कि उन्हें समझने के लिए वक्त लें। हर वक्त उनसे बात करें और अच्छी बॉन्डिंग बनाएं। आमतौर पर सास की नेगिटिव छवि बनाई जाती है, ससुराल में घर के बाकी सदस्यों की तरह उन्हें भी अपना प्यार दें और उनके साथ बेहतर रिश्ता बनाएं।

सोच-समझकर बातें करें शेयर

लोग आपसे पर्सनल लाइफ या फिर शादी से पहले के रिलेशनशिप को लेकर सवाल कर सकते हैं। ऐसे में सबकुछ बताने के बजाय उन्हीं बातों को शेयर करें जो आप बताना चाहती हैं। कई बार ऐसा होता है जब आपकी पास्ट रिलेशनशिप का प्रभाव आपकी मैरिड लाइफ पर भी पड़ सकता है। इसलिए अपनी पसंद या फिर ख्वाहिशों के बारे में बताएं।

अपने कपड़ों से करें इंप्रेस

कई लड़कियों को अपनी पसंद के कपड़े पहनने की आदत होती हैं। ऐसे में जब कोई फंक्शन या फिर त्योहार हो तो उसके हिसाब से कपड़े पहनें। नई नवेली दुल्हन को हर कोई देखना चाहता है, ऐसे में आप अच्छी तरीके से तैयार होती हैं तो लोग आपकी तारीफ करेंगे। आपकी तारीफ से ससुराल वाले भी खुश होंगे।

फैमिली के शिष्टाचार में दिखाएं रुचि

हर एक परिवार के अपने नियम होते हैं और भले ही आपको इसकी आदत नहीं है लेकिन उनके साथ भागीदारी जरूर बनायें। घर की खुशी के लिए उनके नियमों का पालन करें, लेकिन अगर आपको कुछ नियम नहीं पसंद तो उन्हें इस बारे में बताएं। उन्हें अपनी बातों से समझाएं कि आप ऐसा नहीं कर सकती हैं।

बच्चों के नखरे उठाने और पालन पोषण करने में आती है दिक्कत? एक्सपर्ट से जान हैंडल करने के टिप्स

नखरे बच्चों का गहना हैं। बच्चे चंचल हों तो चिंता की बात नहीं होती, लेकिन उनमें आवश्यकता से अधिक गंभीरता हो तो जरूर चिंता होती है। लेकिन कभी-कभी बच्चों का नखरा संभालना मुश्किल हो जाता है। कब उनका नखरा जिद बन जाता है और कब जिद जी का जंजाल बन जाती है, माता-पिता समझ ही नहीं पाते। इसके लिए, मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक डॉ. राहुल से जानें, बच्चों नखरे हैंडल करने के टिप्स।

जब हाथ से निकलने लगता है नखरा

अपने मन का न होने पर पैर पटकने लगना, चीखना-चिल्लाना, दीवार पर हाथ-पैर मारने लगना, काटना या जानबूझकर खाना छोड़ देना कुछ ऐसे लक्षण हैं, जो दिखाते हैं कि आपके बच्चे का नखरा अब जिद में बदल चुका है और आपको उसे संभालने के लिए मेहनत करनी होगी। इस बिंदु पर अगर आपने संयम खोया तो बच्चे को संभालना मुश्किल हो सकता है। सामान्य तौर पर दो साल की उम्र के बाद से बच्चे इस तरह के नखरे दिखाने लगते हैं।

नखरे का कारण समझिए

इस उम्र में बच्चे आमतौर पर हताशा के कारण जिद करने लगते हैं। होता यह है कि बच्चे अपनी बात को पूरी तरह प्रकट नहीं कर पाते हैं। मन और भावनाओं की तुलना में उनका संवाद कम विकसित होता है, इसी कारण उन्हें हताशा होने लगती है। इसी हताशा में बच्चे जिद करते हैं। अगर आप उनकी बात समझ लें तो उन्हें समझाना आसान हो जाता है।

शांत बने रहिए

जब बच्चा नखरे कर रहा हो तो आपका शांत बने रहना जरूरी हो जाता है। नम्रता के साथ-साथ आपको दृढ़ता से उसे समझाना चाहिए। कोशिश कीजिए वह किसी भी तरह खुद को नुकसान न पहुंचाए। उसे उन चीजों या परिस्थितियों से दूर रखिए, जिनसे उसे गुस्सा आता है। उसे डांटने के बजाय संभलने का मौका दीजिए। जैसे ही लगे कि बच्चा कोई जिद करने वाला है, बिना ज्यादा प्रतिक्रिया दिए उसे वहां से हटाकर किसी और बात में बहला दीजिए।

दिल पर मत लगाइए बात

ऐसी स्थिति में बच्चे बहुत कुछ ऐसा कह या कर देते हैं, जो माता-पिता के रूप में आपको बुरा लग सकता है। उन बातों को दिल से लगाकर गुस्सा मत होइए। न ही आपको उसके व्यवहार के लिए स्वयं को दोषी मानने की जरूरत है। ध्यान रखिए कि बच्चा जो कर रहा है उसका कारण आप नहीं, उसकी हताशा है। बच्चा किसी सार्वजनिक स्थान जैसे मॉल या पार्क आदि में ऐसा करे, तब आपका धैर्य रखना और भी जरूरी हो जाता है।

रखें इन बातों का ध्यान

घर में कोई मेहमान आने वाला हो तो बच्चे को पहले से उसके बारे में बता दें। ऐसे मामलों में बच्चे ज्यादा सरप्राइज पसंद नहीं करते हैं। बच्चों को प्रेम से समझाइए कि मेहमानों के सामने कैसा व्यवहार करना चाहिए। इसके अलावा, अगर बच्चों को कहीं लेकर जाएं तो कोशिश करें कि उनका पसंदीदा खिलौना साथ रहे। इससे बच्चे को संभालना आसान हो जाता है।

स्वास्थ्य शिक्षा तथा रोजगार बिहार सरकार की प्राथमिकता : नीतीश

एजेंसी

नवादा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को नवादा जिले के रजौली प्रखंड इलाके में पहुंचकर एक दर्जन योजनाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य तथा रोजगार में बढ़ोतरी बिहार सरकार की प्राथमिकता है। उनके साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा मंत्री विजय कुमार चौधरी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 11:00 बजे दिन में रजौली इंटर स्कूल के मैदान में हेलीकॉप्टर से उतरे ।उतरने के साथ थी उन्होंने रजौली इंटर स्कूल का निरीक्षण किया। छात्र-छात्राओं से उनकी समस्याएं भी सुनी। छात्राओं ने बताया कि साइकिल पोशाक तथा शिक्षा प्रोत्साहन राशि से हम सबों का काफी विकास हुआ है। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के विकास के लिए कई व्यापक योजनाएं भी बनाई गई है। इसे शीघ्र अमली जामा पहनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रजौली स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को कई निर्देश दिए ।उन्होंने साफ-सफाई कर मरीजों की बेहतर सेवा की बात कही। मुख्यमंत्री फुलवरिया जलाशय के पास पहुंचकर मछली पालन व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की बड़ी प्राथमिकता रोजगार भी है। जिसके तहत मछली पालन का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने सोलर प्लांट से विद्युत उत्पादन के संयंत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस संयंत्र को चालू किया जाए ,ताकि राजौली के इलाके में बेहतर विद्युत उत्पादन हो सके।

मुख्यमंत्री ने समाज कल्याण विभाग ,जीविका दीदियों द्वारा बनाए गए स्वयं सहायता समूह सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए 50 से अधिक स्टालों का निरीक्षण कर उन्होंने उत्पादन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए ।

नवादा के जिलाधिकारी रवि प्रकाश तथा मगध प्रमंडल के कमिश्नर सफीना ए एन ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री को सरकार द्वारा चलाए जा रहे कई योजनाओं की जानकारी देते हुए बेहतर अमली जामा की बात बताई ।जीविका के महिलाओं ने कहा कि हमसब सरकार के साथ शत प्रतिशत साथ निभाने को तैयार है। अपने 30 मिनट के कार्यक्रम के बाद नीतीश कुमार हेलीकॉप्टर से पटना को रवाना हो गए।

प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बेहतर स्टॉल तथा चक चौबंद व्यवस्था कर खुश कर दिया ।कम समय में ही दिन-रात तैयारी कर प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने में आहम भूमिका निभाई ।ग्रामीणों का कहना है कि मुख्यमंत्री बिना सूचना के पहुंचकर अगर स्वास्थ्य व्यवस्था तथा शिक्षा व्यवस्था का जायजा लेते तो उन्हें सच्चाई का ज्यादा पता चलता। प्रशासनिक व्यवस्था के तहत व्यवस्था देखना राज्य के ग्रामीण तथा गरीबों के साथ न्याय नहीं कहा जा सकता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के बेड पर कुत्तों का कब्जा

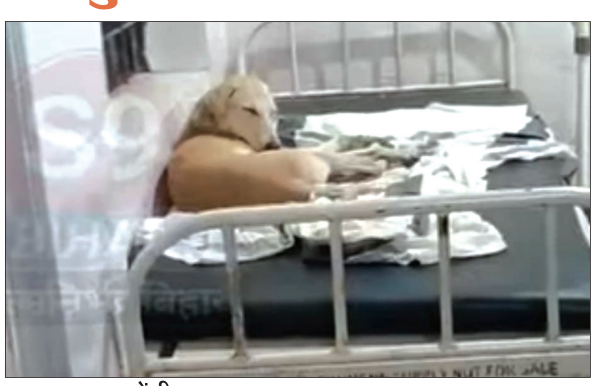

एजेंसी

बेतिया। नौतन प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीएचसी इन दिनों विभागीय उपेक्षा और लापरवाही का प्रतीक बन गया है. हालात इतने खराब हो चुके हैं कि मरीजों के लिए निर्धारित बेड पर अब कुत्तों का बसेरा बन गया है.

अस्पताल परिसर में बेफिक्र घूमते और बेड पर आराम फरमाते कुत्तों की तस्वीरों और वीडियो ने स्थानीय लोगों में नाराजगी पैदा कर दी है. मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और स्वच्छ वातावरण के दावों की पोल खोलते ये दृश्य स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी हकीकत बयां करते हैं.

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है. वार्ड में तैनात सफाईकर्मी और सुरक्षा गार्डों की लापरवाही के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है, जहां कभी मरीजों की जगह लेने वाले बेड अब जानवरों का आरामगाह बनकर रह गए हैं. इतना ही नहीं, मरीजों के उपचार और देखभाल को लेकर भी लोग असंतोष व्यक्त कर रहे हैं.

इस संबंध में पूछे जाने पर पीएचसी प्रभारी डॉ. अमरीश सिंह ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए नाइट गार्ड और सफाई कर्मचारियों से स्पष्टीकरण तलब किया गया है.उन्होंने कहा कि रात के समय किसी व्यक्ति द्वारा फोटो और वीडियो बनाकर केंद्र की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। फिर भी, उन्होंने आश्वासन दिया कि व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि मरीजों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके।

सुगौली के कई पंचायतों में पागल कुत्ते का आतंक

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। सुगौली प्रखंड के उत्तरी क्षेत्र के पंचायत बगही और पंजिअरवा सहित कई गांवों में एक पागल कुत्ते ने अब तक करीब दो दर्जन लोगों को काट कर दहशत फैला दिया है। लोग कुत्ते को मारते-पीटते इसके पहले हीं वह लापता हो जा रहा है। प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि सोना लाल सहनी ने बताया कि गांव में लोग बैठे थे। जहां अचानक पहुंच कर कुत्ते ने जितने लोग मिले सबको काटा। उन्होंने बताया कि श्रीखंडी गांव के विकास सिंह, बीर लाल ठाकुर, भेड़िहरवा के पन्ना लाल सहनी, टुनटुन शर्मा की पत्नी, प्रजा यादव और श्रीखण्डी गांव के नरेश यादव के घर की तीन महिलाओं और जवाहर साह, भाग्य नारायण महतो और जितेंद्र साह सहित अन्य लोगों को काटा। बताया गया कि कुत्ते ने श्रीखण्डी, बगही, लेदिहार, देवदत्वा सहित अन्य गांव के लोगों को काटा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एम ए असद के हवाले से बताया गया कि गुरुवार को पंद्रह लोगों को और शुक्रवार को सात लोगों को कुत्ता काटने की इंजेक्शन दी गई। गांव के लोग डरे सहमे हुए हैं कि कभी भी किसी तरफ से आकर कुत्ता काट लेगा। लोगों ने प्रशासन से मांग किया है कि जल्द से जल्द उस पागल कुत्ते को पकड़ा जाय। जिससे लोगों के जीवन की रक्षा हो सके।

जोगबनी सीमा पार करते ही नेपाल पुलिस ने हवाला के 4.70 लाख नेपाली नोट के साथ एक को किया गिरफ्तार

एजेंसी

अररिया। बिहार में अररिया जिले के जोगबनी स्थित भारत-नेपाल मुख्य सीमा के पार नेपाल पुलिस ने एक व्यक्ति को नेपाली 4.70 लाख रुपए की साथ गिरफ्तार किया। बरामद राशि हवाला के कारोबार के होने की बात नेपाल पुलिस कर रही है। गिरफ्तार व्यक्ति को शुक्रवार को बॉर्डर पर उस समय गिरफ्तार किया गया,जब वह भारतीय सीमा से होकर नेपाल में प्रवेश किया ।कोसी प्रदेश पुलिस कार्यालय की ओर से भी इस मामले की पुष्टि की गई है। गिरफ्तार व्यक्ति विराटनगर महानगरपालिका वार्ड संख्या 15 का 43 वर्षीय संजय चौधरी बताया जा रहा है,जिनके पेंट के पॉकेट से यह रकम बरामद किया गया। प्रदेश पुलिस कार्यालय से दी गयी जानकारी के अनुसार इलाका पुलिस कार्यालय रानी तथा कोशी प्रदेश पुलिस कार्यालय के संयुक्त टीम के द्वारा यह कार्रवाई की गई ।यह कार्रवाई भारत नेपाल सीमा के मुख्य प्रवेश द्वार एक नम्बर गेट पर पुलिस निरीक्षक कपिल खड्का के नेतृत्व में की गई ।पूछताछ के क्रम में रुपयों को लेकर सही जानकारी नहीं दिए जाने के कारण संजय कुमार चौधरी को आवश्यक कार्रवाई के लिए इलाका पुलिस कार्यालय रानी को सुपुर्द कर दि या गया है।

सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई 24 घंटे में 37 अभियुक्त गिरफ्तार

सारण। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर असामाजिक तत्वों और अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए एक विशेष अभियान में सारण पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। विगत 24 घंटे में की गई कार्रवाई के दौरान कुल 37 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो हत्याकांड के अभियुक्त भी शामिल हैं। यह विशेष अभियान अपराध नियंत्रण और शराबबंदी के नियमों को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से चलाया गया था। एसएसपी कार्यालय के अनुसार वारंट में 04 अभियुक्त, शराब सेवन में 10, शराब कारोबार में 08, हत्या में 02, हत्या का प्रयास में 02, गृहभेदन में 06, चोरी में 02, अपहरण में 01, दहेज हत्या में 01 और दहेज अधिनियम में 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

एक नजर

कुलपति का पुतला फूंका

समस्तीपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समस्तीपुर ने स्नातकोत्तर ऑनलाइन स्पॉट नामांकन में हुई व्यापक गड़बड़ी के विरोध में स्थानीय बलिराम भगत महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर आज ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति का पुतला दहन किया तथा प्रधानाचार्य के माध्यम से कुलपति को एक मांग पत्र सौंपा गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर सह मंत्री अमृत झा ने किया। इससे पूर्व परिषद कार्यकताओं का जत्था पूरे महाविद्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। पूरा महाविद्यालय स्पॉट नामांकन के नाम पर छात्रों का आर्थिक शोषण बंद करो जैसे गगनभेदी नारे से गुंजायमान था। इस अवसर पर विद्यार्थी परिषद के प्रांत सह मंत्री अनुपम कुमार झा ने बताया कि जिस प्रकार से ऑनलाइन स्पॉट नामांकन का पोर्टल खोलते ही सभी विषयों में एवं सभी महाविद्यालय में जीरो सीट दिखाया गया। इससे साफ प्रतीत होता है कि विश्वविद्यालय प्रशासन की मिली भगत से दलालों के माध्यम से सारे सीटों पर मोटी रकम लेकर नामांकन करवाया गया है। यह मेधावी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है जिसे विद्यार्थी परिषद कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय प्रशासन से यह मांग करती है कि इस पूरे मामले की जांच करवाते हुए दोषियों के ऊपर कारवाई किया जाए। साथ ही छात्रों के बीच जो असमंजस और ऊहापोह की स्थिति है उस पर विश्वविद्यालय प्रशासन स्थिति स्पष्ट करे जिला संयोजक केशव माधव ने बताया कि स्पॉट नामांकन में भी मार्क्स के आधार पर मेरिट लिस्ट जारी किया जाए ताकि मेधावी छात्रों का ही नामांकन हो सके । वही जिला सहसंयोजक शुभम कुमार ने बताया कि अगर हमारी मांगों को नहीं सुना गया तो विद्यार्थी परिषद् चरणबद्ध आंदोलन प्रारंभ करेगी।

प्रणव कुमार ने संभाला जिप अध्यक्ष का पदभार

भागलपुर। जिला परिषद में शुक्रवार को बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ है। जिला परिषद उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ने अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया। यह पद उस समय रिक्त हो गया था, जब पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष मिथुन कुमार नाथनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने जाने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिए थे। अध्यक्ष पद खाली रहने के बाद उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ने बीते दिनों भागलपुर जिला अधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी से मुलाकात कर एक पत्र सौंपा था। जिसमें उन्होंने उपाध्यक्ष होने के नाते अध्यक्ष का पद संभालने का अनुरोध किया था। जिलाधिकारी ने उनका प्रस्ताव पंचायती राज विभाग को भेज दिया था। इसके बाद पंचायती राज विभाग के उप सचिव गोविंद चौधरी ने भागलपुर डीएम को पत्र भेजकर यह निर्देश दिया कि जब तक जिला परिषद अध्यक्ष का औपचारिक गठन नहीं होता तब तक उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ही जिला परिषद अध्यक्ष का कार्यभार संभालेंगे और सभी वित्तीय कार्य भी उन्हीं को सौंपे जाएंगे। निर्देश मिलने के बाद आज जिला परिषद उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ने औपचारिक रूप से जिला परिषद अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया। जिसके साथ परिषद के प्रशासनिक और वित्तीय दोनों प्रकार के कार्यों की जिम्मेदारी अब उनके हाथों में आ गई है।

सिटी एसपी ने किया बस पड़ाव का निरीक्षण

भागलपुर। शहर की बढ़ती यातायात समस्या को देखते हुए प्रशासन ने रिक्शाडीह में अस्थायी बस स्टैंड के संचालन का निर्णय लिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को डीडीसी प्रदीप सिंह, सिटी एसपी शुभांक मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने अस्थाई बस स्टैंड परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीडीसी ने कहा कि यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए बस स्टैंड परिसर में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए चापाकल व पेयजल पाइपलाइन बिछाने का काम तेज गति से चल रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है, ताकि किसी तरह की असुविधा न हो। इसके अलावा यात्रियों को बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में सिटिंग बेंच लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। बसों के सुचारू प्रवेश और निकासी के लिए ग्राउंड में एंट्री और एग्जिट प्वाइंट के साथ स्पीड ब्रिज तैयार किया जा रहा है, जिससे वाहनों की आवाजाही निर्बाध रहे और भीड़भाड़ की समस्या न हो। उन्होंने कहा कि ग्राउंड की सफाई का काम पूरा कर लिया गया है। जहां-जहां गड्ढे थे, उन्हें समतल कर दिया गया है ताकि बसों के संचालन में किसी तरह की बाधा न आए। बसों की आवाजाही को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए रूट मैप भी तैयार किया जा रहा है। डीडीसी ने बताया कि अस्थायी बस स्टैंड में सभी मूलभूत सुविधाओं का विकास प्राथमिक चरण में किया जा रहा है। बाकी अन्य व्यवस्थाएं भी जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि कार्य काफी तेजी से चल रहा है और बहुत जल्द रिसकडीह बस स्टैंड को पूर्ण रूप से चालू कर दिया जाएगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

बेतिया। बेतिया पुलिस जिला स्थित लौरिया थानाक्षेत्र के व्यासपुर-नरकटियागंज मुख्य मार्ग पर सिकटा गांव के पास गुरुवार रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि नवलपुर थाना क्षेत्र के खैरटिया बलुआ निवासी शंभू पटेल का पुत्र बृजकिशोर पटेल अपने रिश्तेदार के घर लौकरिया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में दुर्घटना हो गई। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने युवक को सीएचसी पहुँचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया भेज दिया है। परिजन से आवेदन प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन मवेशियों के साथ तस्कर गिरफ्तार

बेतिया। बेतिया पुलिस जिला स्थित पुरूषोत्तमपुर पुलिस ने तस्करी के नियत से ले जा रहे मवेशियों के साथ तस्कर को धर दबोचा है। पुरूषोत्तमपुर थानाध्यक्ष सुधा कुमारी ने बताया कि गुरूवार की रात को नहर के रास्ते मवेशियों को तस्करी के नियत से ले जाने की सूचना मिली। तुरंत कार्रवाई कर तीन मवेशियों के साथ लाइन परसा निवासी सलीम गद्दी को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने शुक्रवार को बताया कि मामले में सुसंगत धाराओं के तहत केस दर्ज कर मवेशी तस्कर को न्यायिक हिरासत में बेतिया भेज दिया गया है।

गोलीमार कर हत्या मामले में तेरह अभियुक्तों को आजीवन कारावास

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। चतुर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राघवेंद्र नारायण सिंह ने गोली मारकर हत्या करने के मामले में नामजद तेरह अभियुक्तों को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं प्रत्येक को पचास हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है। अर्थ दंड नहीं देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा कुंडवा चैनपुर थाना के बलुआ टोला, गुआबारी निवासी सलीम जावेद, सरफे आजम, नैयर आजम, फेराकुल आजम, मंजरूल आजम, रईफूल आजम, शरीफूल आजम, रहीजुल आजम, राशिद, काशिद, खतीबुल्लाह, नदीम जावेद व अजीजुल आजम को हुई। मामले में स्थानीय निवासी मृतक सब्बीर अहमद के चचेरे भाई मो. जुनैद आलम ने कुंडवा चैनपुर थाना मामला दर्ज कराते हुए नामजद सहित दो दर्जन लोगों को नामजद किया था। दर्ज मामले में कहा गया था कि 12 जुलाई 2020 की सुबह करीब 9 बजे ग्रामीण नसीम एवं रहीजुल आजम के बीच झगड़ा हो रहा था। उसके चचेरे भाई सब्बीर अहमद पिता अब्दुल सलाम झगड़ा छुड़ाकर घर आ रहे थे। इसी बीच नामजद लोग हरवे हथियार से लैश होकर आए और उसके भाई को घेर लिए। इसी बीच अभियुक्तों ने उनके पेट में गोली मार दी। बचाने आए सनाउल्लाह, परवेज , काजिम, वसीर आलम को भी धारदार हथियार से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिए। गंभीर हालात में सभी घायलों को ग्रामीण रेफरल अस्पताल ढाका लाए। चिकित्सकों ने सभी की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिकी उपचार के बाद सदर अस्पताल मोतिहारी रेफर कर दिए,जहां ईलाज के दौरान सब्बीर अहमद की मौत हो गई।

नवाचार प्रवर्तक डॉ प्रमोद स्टीफन ने की नई खोज

इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2025 में मिला तीसरा पुरस्कार

पूर्वी चंपारण। नवाचार की दिशा में सुगौली के नवप्रवर्तक डॉ प्रमोद स्टीफन ने प्रेरक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने गोबर से सस्ती तकनीक से मीथेन गैस से सीएनजी तैयार करने का अनूठा यंत्र विकसित कर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने अपने आवास नयका टोला में एक प्रेस वार्ता कर शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। ऊर्जा क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रमोद को लंबे समय से यह जिज्ञासा थी कि आखिर मीथेन गैस से सीएनजी कैसे बनाई जाती है। इसी जिज्ञासा के समाधान के लिए वे अजहर हुसैन अंसारी सहित अन्य साथियों के साथ रामनगर (पश्चिमी चंपारण)स्थित प्लांट पहुंचे, जहां उन्होंने गैस को शुद्ध करने की विभिन्न प्रक्रिया,

अलग-अलग टंकियों और बड़े गुब्बारे जैसी मशीनरी का प्रत्यक्ष अवलोकन किया ।वहां से लौटने के बाद उनके मन में विचार आया इसकी सभी प्रक्रिया एक ही गैस टंकी में संभव हो सकती है। इसी सोच के आधार पर उन्होंने कम लागत में मीथेन गैस से सीधे सीएनजी तैयार करने वाला यंत्र डिजाइन किया और अपने नए मॉडल 11 एसएफ को परीक्षण के लिए भेजा। उनकी इस नवाचारपूर्ण सोच और तकनीक को देखते हुए उन्हें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में विज्ञान से समृद्धि फॉर आत्मनिर्भर भारत 11SF–25 प्रतियोगिता में आमंत्रित किया गया,जिसमें कुल 78 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उनकी खोज के बारे में विशेषज्ञों के द्वारा कठोर जांच, तकनीकी परीक्षण और पूछे गए प्रश्नों का सफलतापूर्वक उत्तर देने के बाद उनका चयन तृतीय पुरस्कार के लिए किया गया और राष्ट्रीय मंच पर उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्तंभ चित्र देकर सम्मानित किया गया। सुगौली के इस आविष्कारक की उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और स्थानीय लोग इसे ऊर्जा नवाचार की दिशा में एक प्रगतिशील खोज मान रहे हैं।

खानकाह पीर दमड़िया शाह खलीफा बाग ने किया कंबल वितरण

भागलपुर। जुमे की नमाज के बाद सैयद शाह इनायत हुसैन वक़्फ़ नंबर 159, खानकाह पीर दमड़िया शाह खलीफा बाग, भागलपुर के मुतवल्ली की ओर से लगभग पाँच सौ (500) कंबल जरूरतमंदों के बीच वितरित किए गए। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे और लाभार्थियों ने इस सेवा कार्य की सराहना की। खानकाह पीर दमड़िया शाह खलीफा बाग के सज्जादानशीन मौलाना सैयद शाह फखरे-ए-आलम हसन ने कहा कि सर्दी की शुरूआत के साथ ही ठंड की तीव्रता बढ़ रही है। ऐसे में खानकाह हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सैकड़ों जरूरतमंदों तक कंबल पहुँचाकर उनकी सहायता कर रही है। उन्होंने बताया कि वक़्फ़ की आमदनी से लगातार सामाजिक सेवा के कार्य किए जाते हैं और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी, आम लोगों की सुविधा के लिए शहर के विभिन्न चौराहों पर अलाव की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि जरूरतमंद लोग कड़ाके की ठंड से बच सकें।

सारण में 5.76 लाख बच्चों को मिलेगी जीवन रक्षक की दो बूंदे

एजेंसी

सारण। जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने के संकल्प के साथ स्वास्थ्य विभाग 14 से 18 दिसंबर तक पल्स पोलियो अभियान का एक व्यापक जन-आंदोलन शुरू करने जा रहा है।

इस मिशन के तहत जिले के शून्य से पाँच वर्ष तक के 5,76,914 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ सुमन कुमार के अनुसार यह अभियान केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि हर परिवार की जिम्मेदारी और समुदाय की सामूहिक जागरूकता से जुड़ा है। उन्होंने सभी माता-पिता से अपील की है कि वे अपने बच्चों को यह पूरी तरह सुरक्षित खुराक अवश्य दिलवाएं, क्योंकि पोलियोमुक्त समाज तभी संभव है जब हर बच्चा इस सुरक्षा कवच के अंदर शामिल हो।

अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने युद्धस्तर पर तैयारी की है। कुल 6 लाख 57 हजार 597 घरों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 1,481 डोर-टू-डोर टीमें घर-घर जाकर दवा पिलाने का कार्य करेंगी। 252 ट्रांजिट टीमें रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर तैनात रहेंगी, ताकि यात्रा कर रहे बच्चों को भी खुराक मिल सके। 36 मोबाइल टीमें स्लम बस्तियों, ईंट-भट्ठों, दूरस्थ ग्रामीण इलाकों और नदी किनारे बसे टोले-मोहल्लों में अभियान लाएंगी। पूरे अभियान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 543 सुपरवाइजरों को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभियान की तैयारी के तहत छपरा सदर अस्पताल परिसर से एक विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को डॉ सुमन कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एएनएम स्कूल की छात्राओं और स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रामीण एवं शहरी लोगों को यह संदेश दिया कि पोलियो से बचाव के लिए सिर्फ दो बूंद ही पर्याप्त, लेकिन एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ, आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी सेविकाओं की सामूहिक साझेदारी के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि पोलियो उन्मूलन बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक सामूहिक प्रयास है।